जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 31 मई, 2026

TRIMURTY
BUILDERS & DEVELOPERS
www.trimurty.com

RERA REG. NO. **RAJ/P/2026/4630**
http://www.rera.rajasthan.gov.in

शोरूम या ऑफिस, हो तो NTC में हो

An office or showroom is never just a space. It is your address.. At National Trade Center, showrooms and office spaces are designed as productive, professional work hubs within a certified green development in the East Jaipur's most connected locations.

TRIMURTY
NTC
NATIONAL
TRADE
CENTER

Premium Showrooms &
Office Spaces at
Trimurty's NTC,
Govind Marg, Jaipur-East.

LAUNCHING TODAY
PRICE REVISING FROM 1ST JUNE

Designed for growth.

- Four-sided road plot on Govind Marg
- High visibility and seamless accessibility
- Dedicated office floors with exclusive entry
- Premium arrival experience
- Strong, business-ready ecosystem
- 2 escalators for shopping floors
- 4 dedicated lifts for office floors
- 1 service lift

LAYOUT
Flexible Floor Plans
Startup to HQ all scales

ACCESS
Exclusive Office Entry
Separate from retail floors

AMBIENCE
Upmarket Corporate Office Spaces
Natural light & efficient planning

Artistic Impression of NATIONAL TRADE CENTER

AND THINGS LIKE THAT INC.

RADHIKA

Now open for enquiries. Visit site office today!
26, Govind Marg, Raja Park, Jaipur

CALL: **8504 879 000**

TRIMURTY
BUILDERS & DEVELOPERS

601, Geeta Enclave,
G-8, Vinoba Marg, C-Scheme,
Jaipur | Ph. +91 141 2374451
Email: **sales@timurty.com**

trimurty_buildersanddevelopers
trimurtybuilders
trimurty-colonizers-builders-pvt-ltd

YouTube
trimurtybuilders

Member of
CREDAI RAJASTHAN
IGBC MEMBER

Sales & Marketed by
GOLDEN GLOBE

SCAN FOR LOCATION

*T&C APPLY

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 297 प्रभात जयपुर, रविवार 31 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

When Glitterati Met Literati

"You either are super intelligent or you have to be super hard working. If you are of average intelligence and you're super hardworking and disciplined, you can be very successful."

The Night That Changed Medicine Forever

अभिषेक बनर्जी को घर से बाहर निकलते ही आक्रामक जनता ने घेरा

बनर्जी को घेर कर अंडे फेंकने वालों में अधिकांशतः महिलाएं थीं, पुलिस ने बड़ी मशक्कत कर अभिषेक बनर्जी को जनता के गुस्से से बचाकर घर पहुँचाया

- चुनाव हारने के बाद शनिवार को पहली बार वे घर से निकले, और सार्वजनिक रूप से नज़र आए। सोनारपुर में जब वे कार में नज़र आए तो जनता का गुस्सा फूट पड़ा, उन्होंने ''चोर-चोर'' के नारे लगाए, सड़े अंडे व ईंटे फेंकी।
- बाद में विरोध बढ़ा तो वे कार छोड़कर बाइक से आगे बढ़े, बाद में उन्हें मोटर साईकिल भी छोड़नी पड़ी और अपने निजी बॉडी गार्ड्स की छत्र छाया में वे आगे बढ़े, तब भी उन पर अंडे और जूते चप्पल फेंके गए, यहाँ तक कि लोगों ने उनका गिरेबान तक पकड़ लिया।
- इस घटना के बाद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि यह घटना भाजपा की साजिश थी, भाजपा ने ही उन पर हमला करवाया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने इसका खंडन किया।

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी को आज कोलकाता के पास सोनारपुर क्षेत्र के एक गांव में लोगों के भारी गुस्से का सामना करना पडा। बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी शिकायतों और समस्याओं के समाधान की मांग लेकर अभिषेक की ओर उमड़ पड़ीं।

बाद में पुलिसकर्मियों की एक बड़ी टुकड़ी ने उन्हें नाराज़ ग्रामीणों की भारी भीड़ से सुरक्षित बाहर निकाला।

यह पहला अवसर था, जब वे घर से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से लोगों के बीच पहुंचे थे। अभिषेक ने आरोप लगाया कि यह सब भाजपा द्वारा आयोजित किया गया था। हालांकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने इस आरोप को सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि उनकी पार्टी का इन प्रदर्शनों से कोई संबंध नहीं है।

इससे पहले सोनारपुर जाते समय भी रास्ते में लोगों ने उनकी गाड़ी को पहचानकर विरोध प्रदर्शन किया था।

लोगों ने अभिषेक के खिलाफ ''चोर, चोर'' के नारे लगाए और उन पर ईंटों के टुकड़े तथा सड़े हुए अंडे फेंके। बनर्जी, कथित तौर पर, तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता से मिलने गए थे, जो हमले का शिकार हुआ था। हालांकि, पुलिस रिपोर्टों में अलग तस्वीर सामने आई है। जब वे तृणमूल समर्थक के घर के अंदर सुरक्षित बैठे थे, तब पूरा इलाका गुस्से से डबल रहा था, और जिस घर में वे गए थे, उसे विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने चारों ओर से घेर लिया था।

इस बीच महिलाओं की भीड़ ने घर को चारों ओर से घेर लिया और गुस्से में दरवाजों को पीटना शुरू कर दिया। अन्य लोगों ने यह सुनिश्चित किया कि अभिषेक लोगों के गुस्से से बचकर वहां से निकल न पाएं। महिलाएं पूछ रही थीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईओ-आरओ पेपर लीक आरोपी पोरव कालेर को अंतरिम जमानत नहीं

जयपुर, 30 मई। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1, महानगर द्वितीय ने ईओ-आरओ भर्ती पेपर लीक मामले में आरोपी पोरव कालेर को एक माह की अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है।

जमानत अर्जी में कहा गया था कि उसके पिता ओम प्रकाश कालेर गंभीर रूप से बीमार हैं। वे हार्ट फेलियर के शिकार हैं और ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ वेंटिलेटर पर हैं। चिकित्सकों के अनुसार, वे अधिक दिनों तक जीवित नहीं रह पाएंगे। ऐसे में उसे पिता की अंतिम सेवा करने के लिए एक माह की अंतरिम जमानत दी जाए। इसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक भंवर सिंह ने कहा कि उसके खिलाफ सात अन्य मामले भी दर्ज हैं। आरोपी ने पेपर लीक जैसा संगठित अपराध किया है। ऐसे में उसे अंतरिम जमानत का लाभ नहीं दिया जाए। गौरतलब है कि आरपीएससी की ओर से 14 मई, 2023 को दो चरणों में ईओ-आरओ परीक्षा आयोजित की गई थी। इस दौरान शिकायत मिली कि परीक्षा के दौरान ब्लूटूथ डिवाइस से नकल कराई गई। एसओजी को जांच में पता चला कि पोरव कालेर ने अपने चाचा तुलछाराम

- आरोपी ने पिता की गंभीर बीमारी में अंतिम सेवा करने के लिए एक माह की अंतरिम जमानत मांगी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुस्लिम नेताओं ने गौ हत्या मुद्दे पर गुगली फेंकी

मुस्लिम नेताओं ने व्यंग्यात्मक अंदाज़ में मांग की कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए और देश भर में गौ हत्या पर प्रतिबंध लगाया जाए

- जानकारों का मत है कि यह मांग करके मुस्लिम नेता इस दलील को खारिज करना चाहते हैं कि केवल मुसलमान बीफ खाते हैं।
- ऐसी भी रिपोर्ट्स हैं, जो पुष्टि करती हैं कि मुस्लिम नाम वाले कई बड़े स्लॉटर हाउसेज़ के मालिक हिंदू हैं, जैसे अल कबीर एक्सपोर्ट्स के मालिक सभरवाल हिंदू हैं। अरेबियन एक्सपोर्ट्स के मालिक सुनील कपूर हैं और एम के आर तथा पी एम एल स्लॉटर हाउस भी हिंदुओं के हैं।
- भारत में मवेशियों की आबादी विश्व में सर्वाधिक 30 करोड़ है और एक अनुमान के अनुसार, हर साल 4 करोड़ मवेशी स्लॉटर हाउस भेजे जाते हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने और पूरे देश में गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मुस्लिम संगठनों के नेताओं की मांग के बाद, भाजपा नेताओं के लिए एक असहज स्थिति पैदा हो गई है।

हालांकि गौ-हत्या का मुद्दा लंबे समय से भाजपा के राजनीतिक एजेंडे का प्रमुख हिस्सा रहा है, लेकिन सत्तारूढ़ दल कई कारणों से देशव्यापी प्रतिबंध लगाने या गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने से बचता रहा है। इनमें आर्थिक कारण भी शामिल हैं। भारत भैंस के मांस का एक बड़ा निर्यातक है और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने जैसा प्रतीकात्मक कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था, चमड़ा उद्योग और निर्यात पर असर डाल सकता है। इसके अलावा, पूर्ण प्रतिबंध से गोमांस खाने वाले आदिवासियों, दलितों तथा पूर्वोत्तर और कुछ दक्षिणी एवं पश्चिमी राज्यों के अन्य हिंदू समुदायों के नाराज़ होने का भी खतरा है।

बकरीद से पहले कई मुस्लिम संगठनों के नेताओं ने गौ-हत्या और गोमांस व्यापार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इनमें जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी, ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के मौलाना शाहबुद्दीन रज़वी और ऑल इंडिया कुरैशी जमात के सिराज कुरैशी शामिल हैं। अजमेर दरगाह शरीफ से जुड़े धर्मगुरुओं और ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना यासूब अब्बास ने भी इस मुद्दे पर जोर दिया है।

मुस्लिम नेताओं की ऐसी मांगों का उद्देश्य उन तर्कों को बेअसर करना है, जिनमें कहा जाता है कि गोमांस खाने वालों में अधिकांश मुसलमान हैं। वास्तव में, विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, कई बड़े बूचड़खानों के नाम मुस्लिम प्रतीत होते हैं, लेकिन उनका स्वामित्व और संचालन हिंदुओं के हाथों में है। उदाहरण के तौर पर, अल कबीर एक्सपोर्ट्स के बारे में कहा जाता है कि इसका स्वामित्व सभरवाल हिंदुओं के पास है। इसी तरह, अरेबियन एक्सपोर्ट्स के मालिक सुनील कपूर बताए जाते हैं। एमकेआर और पीएमएल जैसे संक्षिप्त नामों वाले अन्य बूचड़खाने भी हिंदुओं द्वारा स्थापित किए गए बताए जाते हैं।

भारत में मवेशियों की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है, जिनकी कुल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब शहरी निकाय चुनाव में आप का दबदबा कायम

राज्य के 104 शहरी निकायों में से 56 पर आप पार्टी ने, कांग्रेस ने 24 पर, शिरोमणी अकाली दल ने 12 और भाजपा ने 6 पर जीत दर्ज की

- वार्ड स्तर पर 1909 सीटों में से आप ने 925 पर, कांग्रेस न 373 पर, भाजपा ने 167 व अकाली दल ने 178 पर बढ़त बनाई।
- पंजाब के कुल 8 नगर निगमों में से आप ने 5 पर जीत दर्ज की। कांग्रेस ने एक व भाजपा ने दो नगर निगमों पर परचम लहराया।
- नगर परिषद स्तर पर आप पार्टी ने 75 में से 40 नगर परिषदें जीतीं, कांग्रेस ने 8 भाजपा ने 4 व अकाली दल ने 10 नगर परिषदों पर जीत दर्ज की।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 मई। पंजाब के स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों ने 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के राजनीतिक परिदृश्य की शुरुआती तस्वीर स्पष्ट कर दी है। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) राज्य के शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरी है।

राज्य के 104 स्थानीय निकायों में से, ''आप'' ने 56 पर जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस को 24, शिरोमणि अकाली दल को 12 और भारतीय जनता पार्टी को 6 निकायों में सफलता मिली है। वार्ड स्तर पर घोषित 1,909 परिणामों में आप 925 वार्डों में आगे रही। इसके बाद कांग्रेस 373, भाजपा 167 और शिरोमणि अकाली दल 178 वार्डों में आगे रहे।

नगर निगम चुनावों में आप का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। पार्टी ने 8 में से 5 नगर निगमों में जीत हासिल की, जिनमें बरनाला, मोहाली, मोगा, बठिंडा और बटाला शामिल हैं। कांग्रेस ने कपूरथला नगर निगम में जीत दर्ज की, जबकि भाजपा ने पठानकोट और अबोहर में सफलता हासिल की। नगर परिषदों में आप ने 75 में से 40

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने 18 साल पुराने रिश्वत प्रकरण में पुलिसकर्मी को बरी किया

जयपुर, 30 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने करीब 18 साल पुराने मामले में रिश्वत राशि की डिमांड साबित नहीं होने और अभियोजन स्वीकृति नहीं होने के आधार पर आरोपी पुलिसकर्मी को दोषमुक्त कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में अजमेर सेशन कोर्ट की ओर से 8 अगस्त 2025 को सुनाई दो साल की सजा और 20 हजार रुपए के जुर्माना आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश ओम प्रकाश की आपराधिक अपील को मंजूर करते हुए दिए।

- अदालत ने माना कि रिश्वत की मांग व स्वीकृति का तथ्य प्रमाणित नहीं हुआ।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि जब तक अभियुक्त के खिलाफ रिश्वत की मांग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में 9 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

पुलिस सूत्रों ने बताया कि इन आतंकियों का संबंध आईएसआई और दाउद गैंग से होने की आशंका है

- पुलिस ने जानकारी दी कि इन आरोपियों के पास से हथियारों व विस्फोटकों का जखीरा मिला है, साथ ही आधुनिक पिस्टल, ग्रैनेड व अन्य हथियार भी मिले हैं, जिनका उपयोग वो आतंकी गतिविधियों में करने वाले थे।
- पता चला है कि आरोपी दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब के हैं तथा कुछ विदेशी नागरिक भी पकड़े गए हैं। पुलिस ने अभी तक पकड़े गए लोगों की पहचान उजागर नहीं की है।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 मई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कथित रूप से पाकिस्तान स्थित एक नेटवर्क से जुड़े नौ संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इस नेटवर्क के संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ''इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस'' तथा ''दाऊद इब्राहिम'' के मुंबई अंडरवर्ल्ड गिरोह के कुछ तत्वों से बताए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी दिल्ली, मुंबई और अन्य प्रमुख शहरों में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षा बलों के कर्मियों पर हमलों की योजना बना रहे थे।

जांचकर्ताओं के अनुसार, यह समूह सीमा पार स्थित संचालकों (हैंडलर्स) के निर्देशों पर काम कर रहा था और इसे दहशत फैलाने तथा सुरक्षा व्यवस्था को बाधित करने के लिए सटीक हमले करने का जिम्मा सौंपा गया था। स्पेशल सेल ने, विशेष खुफिया सूचनाएं प्राप्त होने के बाद, समन्वित अभियान चलाकर इन गिरफ्तारियों को अंजाम दिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से हथियारों और विस्फोटकों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। जब्त सामग्री में अत्याधुनिक पिस्तौलें, ग्रेनेड तथा अन्य सामान शामिल हैं, जिनका उपयोग कथित रूप से आतंकवादी गतिविधियों में किया जाना था।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित रूप से पाकिस्तान समर्थित ऑपरेटिव्स के संपर्क में थे और संभावित लक्ष्यों के संबंध में निर्देश प्राप्त कर रहे थे। अधिकारियों को संदेह है कि यह मॉड्यूल महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों के सदस्यों पर हमलों की योजना बना रहा था।

सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोग दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब सहित, विभिन्न राज्यों के रहने वाले हैं। हिरासत में लिए गए लोगों में कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, हालांकि पुलिस ने अभी तक उनकी पहचान और राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया है।

जांच एजेंसियां आरोपियों और मुंबई अंडरवर्ल्ड के बीच कथित संबंधों की भी जांच कर रही हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस नेटवर्क द्वारा लॉजिस्टिक्स, वित्तपोषण और ऑपरेटिव्स की आवाजाही के लिए आपराधिक माध्यमों के उपयोग संभावना हो सकती है।

स्पेशल सेल अब इस मॉड्यूल से जुड़े वित्तीय लेन-देन, संचार रिकॉर्ड और व्यापक नेटवर्क की जांच कर रही है। एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि क्या देश के अन्य हिस्सों में भी अतिरिक्त ऑपरेटिव सक्रिय हैं और क्या आरोपियों ने संभावित लक्ष्यों की पहले से रेकी की थी।

ये गिरफ्तारियां ऐसे समय में हुई हैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीके शिवकुमार 3 जून को मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे

बेंगलुरु, 30 मई। कर्नाटक में शनिवार को वरिष्ठ नेता डी.के. शिवकुमार को कांग्रेस विधायक दल ने अपना नेता चुन लिया है। अब वे राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे। शिवकुमार 3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने बेंगलुरु में आयोजित कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक के बाद इसकी औपचारिक घोषणा की। उन्होंने बताया कि विधायक दल की बैठक में कार्यवाहक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने डी.के. शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर ने किया। इसके बाद,

- कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शिवकुमार सर्व सम्मति से नेता चुने गये।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप का 22 स्पेशलिस्ट ने तीन घंटे तक स्वास्थ्य परीक्षण किया

वॉल्टर रीड नैशनल मिलिटरी मैडिकल सैंटर में हुई इस जाँच के बाद विशेषज्ञों ने कहा, ट्रंप एकदम फिट हैं

- ट्रंप का कद 6 फुट 3 इंच है और उनका बॉडी मास इन्डैक्स (बीएमआई) 29.7 है। डॉक्टरों ने कहा, वे ओबेसिटी की सीमा पर हैं, क्योंकि 30 बीएमआई को मोटापे से जोड़ा जाता है।
- गत वर्ष वाइट हाउस ने कहा था कि ट्रंप को क्रॉनिक वेनस इनसफिशिएंसी है, जो आमतौर पर बड़ी उम्र में हो जाती है। इसकी वजह से ट्रंप की टांगों में खून जम गया था।
- ट्रंप ने इस स्वास्थ्य जाँच को हर 6 माह में होने वाली नियमित जाँच बताया। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में चौथी बार उनके स्वास्थ्य परीक्षण की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया गया है। असल में ऐसा करके ट्रंप मध्यावधि चुनाव से पहले खुद को ताकतवर, एक्टिव और पूरी तरह से फिट दिखाना चाहते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। डॉनल्ड ट्रंप के चिकित्सक ने कहा है कि राष्ट्रपति का स्वास्थ्य बेहतरीन है और वे कमांडर-इन-चीफ के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाने के लिए ''पूरी तरह फिट'' हैं। यह निष्कर्ष मंगलवार को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुए उनके चिकित्सा परीक्षण के बाद सामने आया।

शुक्रवार देर रात जारी डॉ. सीन बारबाबेला की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप का सीटी स्कैन, हृदय की विभिन्न इमेजिंग जांच, कैंसर स्क्रीनिंग तथा अन्य निवारक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। ये जाँचें 22 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गईं।

79 वर्षीय ट्रंप ने मंगलवार को लगभग तीन घंटे तक चले परीक्षण के बाद कहा था कि सभी जांचों के परिणाम बिल्कुल सही आए हैं।

राष्ट्रपति का वजन 238 पाउंड (108 किलोग्राम) दर्ज किया गया, जो अप्रैल 2025 में हुए चिकित्सा परीक्षण की तुलना में 14 पाउंड (6 किलोग्राम) अधिक है। चिकित्सकों ने उन्हें आहार, शारीरिक गतिविधि और वजन घटाने के संबंध में सलाह दी, लेकिन यह निष्कर्ष निकाला कि उनकी ''संज्ञानात्मक (कॉग्निटिव) और शारीरिक क्षमता उत्कृष्ट'' है।

6 फुट 3 इंच (1.9 मीटर) लंबे ट्रंप का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 29.7 है। चिकित्सकीय मानकों के अनुसार, बीएमआई का 30 होना मोटापे की श्रेणी में माना जाता है।

रिपोर्ट में ट्रंप के हाथों पर दिखाई देने वाले चोट (ब्रूज़िंग) के निशानों का भी उल्लेख किया गया है। इसे ''बार-बार हाथ मिलाने के कारण हुई मामूली ऊतक जलन'' (टिशु इरिटेशन) बताया गया है तथा कहा गया है कि यह ''एस्पिरिन थेरेपी का सामान्य और हानिरहित प्रभाव'' है। सिफारिशों में कम मात्रा वाली एस्पिरिन लेने की सलाह भी शामिल है।

पिछले वर्ष वाइट हाउस ने बताया था कि ट्रंप को क्रॉनिक वेनस इनसफिशिएंसी (दीर्घकालिक शिरापरक अपर्याप्तता) का निदान हुआ था। यह वृद्ध व्यक्तियों में अपेक्षाकृत सामान्य स्थिति है, जिसमें पैरों में रक्त जमा होने लगता है। नवीनतम चिकित्सा रिपोर्ट में पैरों के निचले हिस्से में ''हल्की सूजन'' का उल्लेख किया गया है, लेकिन साथ ही कहा गया है कि इसमें ''पिछले वर्ष की तुलना में सुधार'' हुआ है।

उनके चिकित्सक ने किसी भी प्रकार की असामान्य स्थिति से इनकार करते हुए कहा कि ट्रंप का हृदय, फेफड़े, तंत्रिका तंत्र और समग्र स्वास्थ्य दुरुस्त पाया गया।

बारबाबेला ने लिखा, उनकी व्यस्त दैनिक दिनचर्या, जिसमें कई उच्च-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप के बेटी दामाद ने ताजमहल देखा

आगरा, 30 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पुत्री टिफनी ट्रंप अपने पति के साथ शनिवार को उत्तर प्रदेश के आगरा पहुंचीं और ताजमहल का दीदार किया। इस दौरान भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी साथ रहे और विश्व प्रसिद्ध ताजमहल की खूबसूरती को निहारा।

टिफनी ट्रंप बिजनेसमैन पति माइकल के साथ शनिवार को पूर्वाह्न करीब 11:15 बजे आगरा सिविल एयरपोर्ट पहुंचीं। एयरपोर्ट से टिफनी सीधा थाना ताजगंज क्षेत्र के एक पांच सितारा होटल पहुंचीं। यहां अल्प समय विश्राम के बाद होटल से सीधे शिल्प ग्राम पहुंचीं। शिल्पग्राम से बैटरी चलित गोल्फ कार्ट के जरिए पति के साथ

- ट्रंप की पुत्री टिफनी अपने पति के साथ आगरा आई और उनके साथ अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 31 मई, 2026

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

~~ज़िन्दगी ना मिलेगी दोबारा~~

जिंदगी तो 84 लाख योनियों के बाद मिल जाएगी दोबारा

पर अगले 7 जन्मो में भी यह रेट ना मिलेगी दोबारा !

NO MIDDLE MEN

₹4000/- Sq Ft में फ्लैट !

₹5000/- Sq Ft में कोठी !

FIXED PRICE

आज मध्यरात्रि से 5 लाख रेट बढ़ेगी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 MAY 2026	30 JUNE 2026	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 Lacs	66 Lacs	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82.5 Lacs	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 CR
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 Cr	1.075 Cr	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 CR
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.26 Cr	1.29 Cr	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 CR
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.60 Cr	1.65 Cr	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 CR

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

EXPORT QUALITY

प्राइस फिक्स्ड हैं

HIGHEST GRADE

क्योंकि क्वॉलिटी कभी डिस्काउंट में नहीं आती !

प्रोडक्ट रेंज

आटा और गेहूँ
देशी गेहूँ
शरबती गेहूँ
देशी चक्की आटा
शरबती सुपीरियर आटा
सूजी (सेमोलिना)
गेहूँ दलिया
बेसन
मसाला सत्तू

दालें
अरहर दाल
चना दाल
हरा चना
हरा मटर
हरा मूंग (साबुत)
काबुली चना
काला चना
मसूर दाल (लाल)
मसूर मलका
मूंग दाल (छिलका)
मूंग दाल
मोठ
रेड राजमा
राजमा चित्रा
राजमा कश्मीरी
उड़द दाल (छिलका)
उड़द दाल
मिनी सोया चंक्स

पिसे मसाले
लाकाडोंग हल्दी पाउडर
लाल मिर्च पाउडर
धनिया पाउडर
सेंधा नमक
अमचूर पाउडर
हींग

खड़े मसाले
अजवाइन
काली मिर्च
दालचीनी
लौंग
हरी इलायची
जीरा
कसूरी मेथी
मेथी दाना
राई
सौंफ
धनिया साबुत
इमली (बीज रहित)

ड्राई फ्रूट
कैलिफोर्निया बादाम
मामरा बादाम
अंजीर
काजू
मूंगफली
मखाना
मेडजूल खजूर
पिस्ता
किशमिश
अखरोट गिरी

ब्लेंडेड मसाले
छाछ मसाला
चना मसाला
चाट मसाला
दाल मखनी मसाला
गरम मसाला
जलजीरा मसाला
किचन किंग मसाला
पाव भाजी मसाला
पोहा मसाला
रायता मसाला
राजमा मसाला
सब्जी मसाला
सांभर मसाला
शाही पनीर मसाला
चाय मसाला

स्नैक्स
चीज़ एंड हर्ब्स मखाना
हिमालयन पिंक सॉल्ट मखाना
हिमालयन पिंक रॉक सॉल्ट एंड ब्लैक पेपर मखाना
मैजिक मसाला मखाना
सॉर क्रीम एंड ऑनियन मखाना
रोस्टेड चना

स्वीटनर
देशी गुड़
देशी गुड़ पाउडर
मिश्री धागा
मिश्री पाउडर

कुकिंग ऑयल
मूंगफली तेल
कच्ची घानी सरसो तेल

पोहा
इंदौरी पोहा

चावल
एलीट बासमती चावल
प्लैटिनम शरबती चावल

चाय

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727

For joining us as Distributor or Business Development Officer
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 76888-66333

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP
ORDER ON ZEPTO

T&C Apply*

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। –वाल्मीकि

लोकसेवा में समर्पण चाहिए, आत्मसमर्पण नहीं

प्रशासनिक कुशलता, दक्षता और तीव्रता सार्वजनिक सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के महत्वपूर्ण निर्धारक हैं। हालांकि नौकरशाही को पूरी दुनिया में एक बड़ा प्रशासनिक बोझ समझा जाता है, किन्तु लोकसेवा हेतु इससे महत्वपूर्ण संगठनात्मक या सांस्थानिक विकल्प आज तक नहीं खोजा जा सका है। हाँ, इस बात पर शोध अवश्य हुई है कि लोकसेवकों और लोकसेवा के दुर्गुण क्या हैं, और इसे कैसे बेहतर कैसे बनाया जा सकता है। आज की चर्चा ब्यूरोक्रेसी की कार्यशैली में पनपते कुछ दुर्गुणों और उनसे छुटकारा पाने की रणनीतियों पर केन्द्रित है।

पूरी दुनिया में लोकसेवकों के कार्य के सन्दर्भ में कुछ मुहावरों का प्रयोग प्रचलन में बढ़ा है। इन मुहावरों का प्रयोग तो अकारण नहीं है, पर इन्हें पूर्ण सत्य मान लेना भरी भूल होगी। दरअसल, पेचीदे पचड़ों से कन्नी-काटना,पॉलिटिकलीकरेक्ट रहने की लालसा में अपनेवरिष्ठों का मुँह-ताकना,कार्य संपादन में खानापूर्ति करना, टकराव और समस्यामूलक मामलों में उत्तरदायित्व से बचने मुद्दों की जलेबी बनाना, और विविध कारणों से लीपापोती करना आज विश्व में लोकसेवकों की कार्यशैली की सबसे बड़ी खामियों के रूप में देखा जाता है।

लोक-प्रशासन में तथ्य, तर्क और निर्णय का घालमेल बड़े पचड़े खड़ा करा देता है। एक लोकसेवक की भूमिका में, अगर हमारे पास सभी आँकड़े और तथ्य हैं, तो हम अपनी तर्कशक्ति के उपयोग से नये ज्ञान तक पहुँच सकते हैं और उसका उपयोग लोक हितकारी और सटीक निर्णय लेने के लिये कर सकते हैं। पर रोज़मर्रा की सरकारी और निज़ी जिंदगी में हम बड़े घटिया तार्किक कौशल दिखाते हैं। असल पचड़ा यह है कि हम या तो सुस्थापित तथ्यों की अनदेखी कर जाते हैं या जानबूझकर उपेक्षा करते हैं, क्योंकि हम प्रायः अपने पूर्वाठाहों और मन की सुनते हैं। या फिर हम उसकी सुनते हैं जिसका सुनना हमारे लिये तात्कालिक रूप से हितकर दिखता है। इस स्थिति को मानव-चिंतन के एक मॉडल, जिसमें दो प्रणालियाँ एक-साथ काम करती हैं, के द्वारा समझा जा सकता है। एक पद्धित मनमौजी स्वाभाविक सहजता के सहारे तेज़ी से काम करती है, जबकि दूसरी पद्धित धीमी व बोझिल, किन्तु जान-समझ कर, जागरूक रहते हुये, हिसाब-किताब लगाने वाली सोच के कारण अधिक विश्वसनीय, सटीक और कारगर होती है। एक तीसरा रास्ता, जैसा कि पूर्व में कहा गया है,कन्नी काटने, मुँह ताकने या लीपापोती करने वाला भी है जो समकालीन विश्व में लोकसेवकों के बीच सबसे बड़ी बीमारी बनकर उभरा है।

किसी भी शासन में रोजमर्रा के प्रशासन की कल्पना और क्रियान्वयन लोकसेवकों के बिना संभव नहीं होता। प्रमाण-आधारित नीति-निर्धारण में उनके ज्ञान और कौशल की भूमिका तो है ही, इन नीतियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का उत्तरदायित्व भी लोकसेवकों का होता है। लोकसेवक प्रमाण-आधारित निर्णय और उनके कियान्वयन में निष्पक्षता रखकर कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को साकार करते हैं। अतः किसी भय या लालच के कारण तर्क, प्रमाण, सत्य या निष्पक्षता से समझौता करना हानिकारक रहता है। लोकसेवकों द्वारा निष्पक्षता से समझौता या निर्णयों व नीति-निर्धारण में तर्कों और प्रमाणों की समग्रता को नज़रअंदाज करते ही न केवल जनहितकारी कार्यक्रम क्रियान्वयन बाधित होता है, अपितु अनेकानेक सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय अपराधों की अनवरत श्रंखला प्रारम्भ हो जाती है।

> **किसी भी शासन में रोजमर्रा के प्रशासन की कल्पना और क्रियान्वयन लोकसेवकों के बिना संभव नहीं होता। प्रमाण-आधारित नीति-निर्धारण में उनके ज्ञान और कौशल की भूमिका तो है ही, इन नीतियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का उत्तरदायित्व भी लोकसेवकों का होता है। लोकसेवक प्रमाण-आधारित निर्णय और उनके कियान्वयन में निष्पक्षता रखकर कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को साकार करते हैं।**

ज्ञान, शक्ति, तर्क, व प्रमाण-आधार, सत्यनिष्ठा आदि कालोकसेवकों की दक्षता और प्रतिभा को उभार कर सामने लाने मेंमहत्वपूर्ण योगदान है। अतःतर्क सुनने, प्रमाण देखने, सत्य बोलने, प्रमाण-आधारित निर्णय लेने और लोक-कल्याणकारी काम करने की अपनी हैसियत और हिम्मत को जीवित रखना भी आवश्यक है। वरिष्ठता के प्रति सम्मान तो ठीक है, पर श्रेष्ठता के बजाय की वरिष्ठता की पूजा को ब्यूरोक्रेसी का दुर्गुण नहीं बनने देना चाहिये।

वैश्विक अर्थव्यस्था, समाज और पर्यावरण में बदलाव के कारण लोकतांत्रिक देशों में लोक-प्रशासनिक प्ररिदृश्य इतना तेजी से बदल रहा है कि लोकसेवकों को सफलतापूर्वक नवाचारी कार्य-सम्पादन हेतु बहुत अलग और विशिष्ट ज्ञान और कौशल की आवश्यकता है। इस विशिष्ट परिस्थिति के कारण अनेक जाने-अनजाने पचड़ों से उनका नियमित सामना होता है।निर्णय लेते समय ऊपर वर्णित तमाम समस्याओं से निपटने के लिये ध्यान यह रखना चाहिये कि प्रमाण-आधारित निर्णय के बिना लोकसेवकों द्वारा किये जाने वाले कार्य संपादन और उसके परिणामों कोन तो वांछित सर्वमान्यता और नही लोकप्रियता नही मिल पाती। यह आवश्यक नहीं कि सभी निर्णय या कार्य सर्वमान्य हों, परन्तु अधिसंख्य लोगों के मध्य उनकी स्वीकार्यता आवश्यक है। दीर्घकालिक विकास के लिये यह एक आवश्यक शर्त है।

भारत का उदाहरण लें तो एक विशेष बात यह है कि सांस्कृतिक, सामाजिक एवं भौगोलिक विविधताओं के बावजूद मूलतः भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका स्वतंत्र है। शासन-व्यवस्था भी तुलनात्मक रूप से उच्च कोटि की निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के हाथ में है। जहाँ तक लोकसेवकों या सिविल सर्वेन्ट्स की कार्य प्रणाली का प्रश्न है, लोगों की उम्मीद पर खरे उतरने के लिये सबसे बड़ी और प्रभावी रणनीति यही है कि वे तमाम तरह के लोगों की बात सुनें, प्रमाणों की अनदेखी न करें, सही-ग़लत का पूर्ण आँकलन करें एवं प्रमाण आधारित निर्णय लेते हुयेजनोपयोगीकायक्रमों का ठोस क्रियान्वयन करें।

लोकसेवकों के संदर्भ में मीडिया के रिश्तों को देखें तो चकाचौंध-पत्रकारिता वाले वर्तमान परिदृश्य में मीडिया की पैनी, छिद्रान्वेषी या वक्रीदृष्टि लोकसेवकों की छवि पर प्रभाव डालती है। सत्य-असत्य की वास्तविकताओं को जाने बिना ही लोगों के मन में यह बात बैठने लगती है कि लोकसेवक प्रायः पब्लिक-आफिस का उपयोग प्राइवेट-इंटरेस्ट साधने में करते हैं। सत्य या असत्य की वास्तविकता का पता तो न्यायिक प्रक्रियाओं से ही लगाया जा सकता है, किंतु लोकसेवकों को अनावश्यक व्यक्तिगत हानि से बचने के लिये प्रमाण-आधारित निर्णय एक उपयोगी व्यवस्था है।

लोकसेवकों को प्रायः जटिल, और विविध आयामों वाली समस्याओं से प्रतिदिन सामना होता है। यह समस्यायें बहुत अधिक समय, श्रम और ज्ञान का निवेश मांगती हैं। इससे भी आगे, समय के साथ लोकतांत्रिक देशों में शिक्षा का प्रसार नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति सजग बना रहा है। यह मानवता के लिये अत्यंत शुभ लक्षण है, परन्तु जागरूक नागरिक अपने मूलभूत अधिकारों की सुरक्षा के लिये लोकसेवकों पर बहुत दबाव बनाने लगे हैं। लोकसेवकों को उनके रहन-सहन, चाल-चलन, कृत्य-कुकृत्य, राजप्रियता या राज-सुहाती वक्तव्यों से व्यथित नागरिकों द्वारा उत्तरदायी ठहराये जाने की प्रवृत्तियों और क्षमताओं में बढ़ोत्तरी होती जा रही है। अतः लोकतंत्र और लोकसेवकों का हित इसी में है कि वे राज-प्रिय या सर्व-प्रिय बने रहने के बजाय, अपनी सलाह और निर्णय साक्ष्यों और प्रमाणों के कठोर विश्लेषण के आधार पर दें। मज़बूत सुशासन या गुड-गवर्नेंस दे सकने में सक्षम लोकसेवकों के लिये यह जरूरी होगा कि वह अपने पारंपरिक कर्तव्य-निर्वहनके दायित्व से ऊपर उठकर कार्य करें। उन्हें विशेषज्ञता भी हासिल करना आवश्यक है, क्योंकि औसत दर्जे के लोकसेवकों कीमांग धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। छद्म-विशेषज्ञता व्यक्ति को स्वयं के अज्ञान से अनभिज्ञ बनाकर सीखने का मार्ग अवरुद्ध करती है। अतः जीवन भर उन्हें ज्ञान और कौशल अर्जित करते रहना होगा।

लोक-प्रशासन में लोगों की रायऔर तर्क सुनना अपरिहार्य है। नागरिकों से अनावश्यक दूरी बनाते हुये नकचढ़ा या मिथ्याभिमानी होना,या अँकड़ और ऐंठ में रहना,लोकसेवकों की छवि में हानि पहुँचाता है।उन्हें व्यक्तिगत-विनम्रता और प्रशासनिक-शक्ति के अनोखे मेलजोल को साधकर चलना पड़ता है। लोगों की समस्यायें सुनते समय सार्वजनिक जीवन में,या निजी जीवन में भी,अभिव्यक्ति की मर्यादा लोकसेवकों के मानवीय दृष्टिकोण का संकेतक है। अभिव्यक्ति की आज़ादी का तात्पर्य बकवास करने या चिल्लाने का अधिकार नहीं है। प्रबंध-विज्ञान में दीर्घकालिक शोध से पता चलता है कि बदज़बानी, डांट-डपट, दुर्वचन, झिड़की, फटकार, घुड़की, या चिल्लाहट से लोगों या परिस्थितियों को नियंत्रित करने की प्रवृत्ति प्रायः उन लोकसेवकों में अधिक पायी जाती है, जो सत्य के समक्ष तर्करहित हो चुकते हैं, या तथ्यों और तर्कां से अनभिज्ञ रहते हैं सत्यनिष्ठ किन्तु परिश्रमी, दक्ष, नवाचारी और प्रतिभाशाली लोकसेवकों का दीर्घकालिक महत्व कमोबेश सदैव बना रहता है।

नवाचार में प्रयत्नशील और काम करने वालों लोकसेवकों से ही त्रुटियाँ होंगी बिना किसी भय या आशा के, सत्यनिष्ठा के साथ नियम-क़ानून का पालन और नागरिकों की सेवा न केवल सर्वमान्य सार्वभौमिक सिद्धांत है, अपितु इसी में लोकसेवकों का हित भी निहित है नीतियों और क़ानूनों को लागू करने एवं उच्चकोटि के कार्यक्रम-क्रियान्वयन में लोकसेवकों की वर्तमान क्षमता ही भविष्य में देश का आर्थिक, सामजिक या पर्यावरणीय परिदृश्य निर्धारित करेगी।

अंत में दो बातेंयाद रखनासदैव उपयोगी है। पहली बात लोकसेवकों से कहना हैकिदिन भर ऐसा काम कीजिये कि रात की नींद हराम न हो। और जब तक जियें तब तक ऐसे काम कीजिये कि मरने के बाद भी शांति भंग न होः दिवसेनैव तत् कुर्याद्येनरात्रौसुखंवसेत्।यावज्जीवं च तत्कुर्याद्येनप्रेत्यसुखंवसेत्।। पूरे समर्पण और निष्ठा से काम कीजिये पर डर के मारे आत्मसमर्पण करके मत बैठ जाइये। दूसरी बात उन राजनेताओं से कहना है जिन्हें केवल प्रिय बोलने वाले याअपने विवेक को आत्म समर्पित करते हुये हाँ-में-हाँ मिलाने वाले लोकसेवक पसंद हैं। ऐसे राजनेताओं के लिये महाकवि तुलसीदास की यह सलाह याद रखना उपयोगी रहता है :सचिव बैदगुरतीनिजौं प्रिय बोलहिं भय आस। राज धर्म तन तीनि कर होइबेगिहीं नास।। विश्व में सर्वाधिक जीवंत लोकतंत्र उन्ही देशों में है जहाँ लोकसेवक राज-प्रिय या सर्व-प्रिय बने रहने के बजाय, अपनी सलाह या निर्णय साक्ष्यों व प्रमाणों के व्यापक और कठोर विश्लेषण के आधार पर देते हैं।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर) (यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

चरित्र का बाज़ार और सफलता की अंधी दौड़ - कौन बनेगा चरित्रवान?

आज के दौर का सबसे बड़ा सच यही है कि चरित्र अब एक आउटडेटेड (पुराना) सिक्का बन चुका है, जो सफलता के आधुनिक मॉल में नहीं चलता

प्रोफेसर अशोक कुमार

जहां चरित्र की डिमांड ही नहीं है, वहाँ उसकी सप्लाई कैसे होगी यह कड़वी टिप्पणी दिल को छूने वाली भी है और आज के समाज का एक सच भी। चरित्र के "बाज़ार" का अर्थशास्त्र है-कि जहाँ डिमांड ही नहीं है, वहाँ सप्लाई कैसे होगी-वह पूरी व्यवस्था पर एक ज़ोरदार तमाचा है।

जब माता-पिता, शिक्षक, छात्र और खुद परीक्षा कराने वाली संस्थाएं शॉर्टकट और कामयाबी के पीछे अंधी हो जाएं, तो यह सवाल उठना लाज़मी है कि "आखिर चरित्रवान कौन बनेगा और क्यों बनेगा?" आज के दौर का सबसे बड़ा सच यही है कि चरित्र अब एक आउटडेटेड (पुराना) सिक्का बन चुका है, जो सफलता के आधुनिक मॉल में नहीं चलता। शिक्षा अब ज्ञान की साधना नहीं, बल्कि एक बाज़ार है, और इस बाज़ार का पहला नियम है- वही बेचो जिसकी डिमांड हो। आज डिमांड चरित्र की नहीं है; डिमांड रैंक की है, सरकारी सीट की है, करोड़ों के पैकेज की है। और जब डिमांड केवल परिणाम की हो, तो प्रक्रिया की पवित्रता अपने आप दम तोड़ देती है।

डिमांड और सप्लाई का खेल : जब माता-पिता ही खरीदार हों

एक बच्चा पैदा होते ही चरित्र का पाठ नहीं सीखता, वह अपने आस-पास के माहौल को देखता है। जब नीट जैसी परीक्षाओं के पेपर लीक होते हैं, तो लाखों-करोड़ों रुपये की डील होती है। यह पैसा किसी छात्र की जेब से नहीं आता; यह उसके अभिभावक देते हैं। जो माता-पिता अपने बच्चे के भविष्य के लिए ईमानदारी की जगह लीक हुआ पेपर खरीदना बेहतर समझते हैं, वे अनजाने में अपने बच्चे को पहला सबक यही सिखाते हैं कि "बेटा, चरित्र से पेट नहीं भरता, सफलता जैसे भी मिले, खरीद लो।" ऐसे में वह बच्चा बड़ा होकर डॉक्टर तो बन सकता है, लेकिन इंसान नहीं।

अभिभावक आज इस बाज़ार की व्यवस्था में पूरी भूमिका निभाते हुए 1000 प्रति विषय प्रायोगिक परीक्षा हेतु चुपचाप जमा कर देते हैं ताकि बच्चे के 50 में से 48-49 नंबर आ सकें। अभिभावक शिक्षण संस्थानों से यह कभी पूछते ही नहीं कि प्रयोगशालाओं में साल भर प्रयोग हुए भी हैं या नहीं!

गुरु जब डीलर बन जाए और व्यवस्था की रीढ़ टूटे :

शिक्षक को कभी राष्ट्र का निर्माता कहा जाता था। लेकिन जब पेपर तक पहुँच रखने वाले शिक्षक ही चंद रुपयों के लिए उसे लीक करने लगें, तो वे शिक्षक नहीं, शिक्षा के दलाल बन जाते हैं। जब गुरु ही चरित्र का सौदा करने लगे, तो शिष्यों से नैतिकता की उम्मीद करना बेईमानी है।

मज़ेदार बात यह है कि कुछ शिक्षक खुद 4 अलग-अलग लेखों की नकल करके एक नया लेख शोध पत्र लिखते हैं और उसी के दम पर उनका प्रमोशन हो जाता है। वहीं दूसरी तरफ, यदि कोई छात्र परीक्षा में नकल करता पकड़ा जाए, तो उसे 2 से 3 वर्ष के लिए परीक्षा से वंचित कर दिया जाता है। राष्ट्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों में नैक के एक्रेडिटेशन में अच्छा ठोड पाने के लिए जब शिक्षक, अधिकारी और प्रशासन खुद नकली डॉक्यूमेंट तैयार करके जमा करते हैं, तब वे विद्यार्थियों को चरित्रवान होने का पाठ कैसे पढ़ाएंगे? जब कुलगुरुओं / कुलपतियों की नियुक्ति का आधार आर्थिक , राजनीतिक या धार्मिक होगा तब वह छात्रों को चरित्र का क्या ज्ञान देंगे। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी जैसी सरकारी संस्थाओं का काम सिर्फ परीक्षा कराना नहीं, बल्कि देश के युवाओं में व्यवस्था के प्रति विश्वास पैदा करना था। लेकिन बार-बार होने वाले पेपर लीक और ढुलमुल रवैये ने यह साबित कर दिया है कि सिस्टम की रीढ़ टूट चुकी है। जब सरकारी तंत्र ही शुचिता को बनाए रखने में नाकाम या उदासीन हो, तो आम नागरिक का चरित्र पर से विश्वास उठना स्वाभाविक है।

लाजवाब सवाल : चरित्र आखिर है क्या? (एक वैज्ञानिक और दार्शनिक दृष्टिकोण)

चरित्र वस्तुगत है या विषयगत ? क्या हर आदमी के लिए चरित्रवान की परिभाषा एक ही है? क्या यह पूरी तरह वैज्ञानिक है? या फिर व्यक्ति-व्यक्ति के लिए चरित्र की परिभाषा बदल जाती है? क्या अलग-अलग समाजों के लिए और समय-समय के साथ चरित्र की परिभाषा बदल जाती है? इन सवालों की गहराई को समझें तो सच यही है कि चरित्र कोई स्थिर या ठोस वस्तु नहीं है जिसे तराजू पर तोला जा सके। जो बात एक समाज में चरित्रहीनता मानी जा सकती है, वही दूसरे समाज में सामान्य व्यवहार हो सकती है। जो नियम सदियों पहले चरित्र का मापदंड थे, आज के आधुनिक और वैज्ञानिक युग में वे प्रासंगिक नहीं रहे। यहाँ तक कि एक ही व्यवस्था में, एक गरीब के लिए भूख मिटाने के लिए की गई चोरी उसकी मजबूरी है, जबकि एक अमीर द्वारा करोड़ों का पेपर खरीदना उसका लालच है। दोनों के चरित्र को एक ही चश्मे से नहीं देखा जा सकता। जब चरित्र की परिभाषा ही इतनी लचीली, समय-सापेक्ष और समाज-सापेक्ष हो, तो इस गिरते हुए दौर में यह और भी उलझ जाती है। तो फिर चरित्रवान बनेगा कौन? और क्यों बने कोई?

जब परिभाषाएं इतनी जटिल हों और चारों तरफ गिरावट हो, तो सवाल फिर वही आता है: "जब कोई नहीं चाहता, तो मैं खुद चरित्रवान क्यों बनूँ?" इसका जवाब यह है कि चरित्र की ज़रूरत समाज के लिए बाद में है, खुद के वजूद के लिए पहले है।

खोखली सफलता का डर : जो डॉक्टर पेपर खरीदकर बनेगा, वह कभी आत्मविश्वास से किसी मरीज का इलाज नहीं कर पाएगा। उसके भीतर का डर और अयोग्यता उसे हमेशा कचोटती रहेगी। चरित्रवान इंसान को किसी बाहरी सर्टिफिकेट की ज़रूरत नहीं होती, उसका खुद का ज़मीर उसका सबसे बड़ा जज होता है। अगर हर कोई यह सोचकर बेईमान हो जाए कि बाकी सब भी तो कर रहे हैं, तो समाज समाज नहीं, एक खूंखार जंगल बन जाएगा।

खुद से आँखें मिलाने की हिम्मतः सफलता आज है, कल नहीं। पैसा आज है, कल जा सकता है। लेकिन जब आप रात को आईने में खुद को देखें, तो अपनी आँखों में आँखें डालकर कह सकें कि "मैंने जो भी हासिल किया, अपने दम पर किया, किसी का हक मारकर नहीं।" यही चरित्र की असली कमाई है, चाहे इसकी परिभाषा समय के साथ कितनी भी बदल जाए।

निष्कर्ष : बाज़ार बंद हो सकता है, आत्मा नहीं

यह बात शत-प्रतिशत सही है कि शिक्षा के इस बाज़ार में आज चरित्र की कोई डिमांड नहीं है। संस्थान रैंक बेच रहे हैं, चालाक लोग पेपर बेच रहे हैं, और अमीर लोग उसे खरीद रहे हैं।

लेकिन याद रखिए, बाज़ार वस्तुओं का होता है, इंसानी मूल्यों का नहीं। यदि व्यवस्था चरित्रवान नागरिक नहीं बनाना चाहती, तो यह ज़िम्मेदारी अब पूरी तरह व्यक्तिगत हो जाती है। चरित्रवान वह बनेगा, जिसके भीतर अभी भी थोड़ी सी गैरत बाकी है। जो भीड़ का हिस्सा बनकर सफल होने से बेहतर, अकेले खड़े होकर सच्चा रहना पसंद करता है। शायद आज ऐसे लोगों की संख्या मुट्ठी भर हो, और समय व समाज के हिसाब से उनकी परिभाषाएं अलग हों, लेकिन दुनिया इन्हीं मुट्ठी भर ईमानदार लोगों के भरोसे टिक सकती है, उन कागज़ी डॉक्टरों, शिक्षकों या अफ़सरों के भरोसे नहीं जो मर्यादाएं बेचकर कुर्सियों पर बैठे हैं।

प्रोफेसर अशोक कुमार
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जल संचय – जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है राजस्थान

प्रदेश बना जल संरक्षण की जन-आंदोलन भूमि
अभियान के पहले चरण में भी राज्य का देशभर में तीसरा स्थान रहा था

मोहनलाल जयपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने के अटूट संकल्प के अनुरूप देशभर में संचालित जल संचय-जन भागीदारी अभियान राजस्थान में व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत संचालित यह अभियान 'कैच द रेन' पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जन-सहभागिता, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी तथा स्थानीय समुदायों के सहयोग से जल संरक्षण को बढ़ावा देना और भूजल स्तर में सुधार सुनिश्चित करना है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व एवं प्रभावी मॉनीटरिंग के कारण जल संचय जन भागीदारी अभियान को अभूतपूर्व गति मिली है। मुख्यमंत्री की मंशानुसार जल संचय क्षमता बढ़ाने एवं भूजल पुनर्भरण हेतु विभिन्न प्रकार की जल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण बड़े स्तर पर किया जा रहा है। जल संसाधन विभाग द्वारा अन्य विभागों के समन्वय से अभियान का प्रभावी संचालन किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। अभियान के तहत वर्षा जल के अधिकतम संरक्षण तथा भूजल स्तर में वृद्धि करने के लिए विभिन्न प्रकार की जल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण एवं विकास किया जा रहा है, ताकि जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

जल संचय जन भागीदारी-2.0 में राजस्थान की उल्लेखनीय प्रगति :- जल संचय जन भागीदारी-2.0 अभियान में राजस्थान निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। 21 मई 2026 तक की प्रगति के अनुसार राजस्थान सम्पूर्ण देश में सातवें स्थान पर पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा समय-समय पर दिए गए दिशा-निर्देशों एवं सतत समीक्षा के परिणामस्वरूप अभियान को निरंतर गति मिल रही है। प्रदेश में अभियान के तहत शुरू किये गए कुल 2 लाख 67 हजार 837 कार्यों में से 2 लाख 33 हजार 854 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि 33 हजार 983 कार्य प्रगति पर हैं। केन्द्र सरकार द्वारा 31 मई 2026 तक देशभर में एक करोड़ जल संचयन संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य के समस्त विभागों एवं जिला प्रशासन को इस लक्ष्य की प्राप्ति में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

> **■ इस वर्ष जल संचय जन भागीदारी- 2.0 के तहत 12 लाख 33 हजार 854 कार्य पूर्ण**

जल संचय जन भागीदारी-1.0 में राजस्थान ने बनाया रिकॉर्ड :- जल संचय जन भागीदारी-1.0 अभियान की अवधि 1 अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 तक निर्धारित की गई थी। इस अभियान में राजस्थान ने देशभर में तृतीय स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। राज्य के भीलवाड़ा एवं बाड़मेर जिले सम्पूर्ण भारत में क्रमशः द्वितीय एवं पंचम स्थान पर रहे, जो प्रदेश की उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रमाण है।

31 मई 2025 तक कुल 4 लाख 16 हजार 83 कार्यों में से 3 लाख 64 हजार 968 कार्य पूर्ण किए गए, जबकि 51 हजार 115 कार्य प्रगतिरत थे। केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित 10 लाख जल संचय संरचनाओं के लक्ष्य के विरुद्ध राजस्थान द्वारा लगभग 27 लाख संरचनाओं का पोर्टल पर इन्द्राज किया जाना राज्य की सक्रियता एवं जनसहभागिता को दर्शाता है।

पोर्टल पर दर्ज की जा रही हैं विभिन्न जल पुनर्भरण संरचनाएं :- जल संचय जन भागीदारी- पोर्टल पर विभिन्न प्रकार की जल पुनर्भरण संरचनाओं का इन्द्राज किया जा रहा है। श्रेणी-1 में बोर-वेल रिचार्ज, बंद बोर-वेल तथा इंजेक्शन वेल शामिल हैं। वहीं श्रेणी-2 में रूफ-टॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, रिचार्ज शाफ्ट, रिचार्ज पिट, सोक पिट, ओपन वेल रिचार्ज, कंटूर ट्रेंच, गली प्लग, नाला बंड, गैबिअन, चेक डेम, सब सर्फेस डाइक, विलेज पॉण्ड, पर्कोलेशन पॉण्ड, टैंक, बेंच टैरेसिंग सहित कम लागत वाली नवाचार आधारित संरचनाएं सम्मिलित हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल को संरक्षित कर भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ठाामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

विभिन्न योजनाओं एवं निधियों से किए जा रहे कार्य :- जल संचय जन भागीदारी 2.0 अभियान के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं एवं निधियों के माध्यम से कार्य स्वीकृत किए जा रहे हैं। इनमें विकसित भारत-जी राम जी योजना, अमृत योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, कैम्पा, वित्त आयोग अनुदान, राज्य सरकार द्वारा पोषित योजनाएं, सीएसआर फण्ड, जिला मिनरल फण्ड, सामुदायिक फण्ड, एनजीओ एवं स्वयं सहायता समूह फण्ड, परोपकारी निधि, औद्योगिक दान, क्राउड फण्डिंग, व्यक्तिगत दानदाता, ठाामीण अवसंरचना विकास कोष, सांसद एवं विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना तथा बीएडीपी सहित अन्य केंद्रीय योजनाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने दिए जिलों के लक्ष्यों में 25 प्रतिशत वृद्धि के निर्देश :- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अभियान की प्रगति बढ़ाने के लिए समस्त विभागों एवं जिला कलक्टरों को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं। उन्होंने राजस्थान को सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान दिलाने हेतु समन्वित प्रयास करने का आव्हान किया है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को जल संचय जन भागीदारी पोर्टल के डैशबोर्ड के माध्यम से दैनिक प्रगति की नियमित मॉनीटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विशेष रूप से कम लागत वाली संरचनाओं जैसे रिचार्ज पिट, रिचार्ज शाफ्ट, सोक पिट, गली प्लग एवं परकोलेशन पॉण्ड के निर्माण को प्राथमिकता देने तथा रियल टाइम डेटा अपडेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिलों के लक्ष्यों में 25 प्रतिशत वृद्धि करने के निर्देश भी प्रदान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में जल संरक्षण को लेकर जो जन-जागरूकता और प्रशासनिक सक्रियता देखने को मिल रही है, वह आने वाले समय में राजस्थान को जल संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण के क्षेत्र में देश का अठाणी राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। जल संचय जन भागीदारी अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन के सहयोग से जल संरक्षण का व्यापक जन आंदोलन बनता जा रहा है।

मोहन लाल जयपाल,
एपीआरओ, डीआईपीआर

राशिफल रविवार 31 मई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम ज्येष्ठ मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, पूर्णीमा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, हस्त नक्षत्र प्रातः 5:57 तक, सिद्धि योग रात्रि 3:10 तक, वणिज करण सायं 5:46 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार और रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात है। भद्रा सायं 5:46 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:01 से 10:42 तक, लाभ-अमृत 10:42 से 2:05 तक, शुभ 3:46 से 5:28 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:09

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी में अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

मीन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

हनीट्रैप : कारोबारी को अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल करने वाला दिल्ली से गिरफ्तार

महेश नगर पुलिस ने करोड़ों रु. की उगाही करने वाले इस अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। महेश नगर पुलिस ने अश्लील फोटो-वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर करोड़ों रुपए की उगाही करने वाले अंतरराज्यीय हनी ट्रैप गिरोह के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला दिशा बाबला के सहयोगी धीरज कुमार को नई दिल्ली के द्वारका क्षेत्र से गिरफ्तार कर जयपुर लाया है। मामले में मुख्य आरोपी दिशा बाबला को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है।

आरोपी धीरज कुमार

- **इस मामले में मुख्य आरोपी दिशा बाबला को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी**

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि 29 अप्रैल 2026 को कारोबारी विमल कुमार डागा ने महेश नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने आरोप लगाया कि एक महिला आपत्तिजनक फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर उससे भारी रकम की मांग कर रही है। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।जांच में सामने आया कि आरोपी महिला कुछ समय पहले परिवादी की आईटी कंपनी में इंटर्नशिप के बहाने जुड़ी थी। इस दौरान उसने नजदीकियां बढ़ाकर निजी फोटो और वीडियो हासिल कर लिए। बाद में इन्हीं फोटो-वीडियो को कार्यालय के कर्मचारियों और परिचितों को भेजने की धमकी देकर रंगदारी मांगने लगी।

वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा के सुपरविजन और सहायक पुलिस आयुक्त (सोडाला) सुनील प्रसाद शर्मा के निर्देशन में महेश नगर थानाधिकारी सुरेश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की तकनीकी सहायता और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दिल्ली में दबिश देकर सह-अभियुक्त धीरज कुमार (35) निवासी शाहाबाद अपार्टमेंट, सेक्टर-13, द्वारका, नई दिल्ली को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार धीरज कुमार गिरोह की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। आशंका है कि वह ब्लैकमेलिंग से प्राप्त रकम के लेनदेन और तकनीकी संचालन में शामिल था। पुलिस आरोपी के मोबाइल फोन, बैंक खातों और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड की जांच कर रही है। पुलिस का मानना है कि जांच में जयपुर और दिल्ली के कई अन्य मामलों का भी खुलासा हो सकता है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जा रहा है, ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और उगाही के नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

राजस्थान में बढ़ा ''ईज ऑफ डूइंग बिजनेस'' का ग्राफ

एक माह में 6103 निवेश आवेदनों को मंजूरी मिली

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा निवेश को प्रोत्साहन देने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को मजबूत बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास लगातार सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। 'डी-रेग्यूलेशन फेज-1' के तहत प्रदेश में निवेश प्रक्रियाओं के सरलीकरण और समयबद्ध स्वीकृतियों से राजस्थान निवेशकों के लिए तेजी से पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है।

मुख्य सचिव कार्यालय के अधीन गठित 'डिरेगुलेशन सेल' द्वारा जारी अप्रैल की मासिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार राज निवेश पोर्टल पर प्राप्त 9 हजार 10 आवेदनों में से 6 हजार 103 आवेदनों को स्वीकृति दी गई। इस प्रकार प्रदेश की कुल स्वीकृति दर 67.7 प्रतिशत रही है। रिपोर्ट के अनुसार राजधानी जयपुर का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा, जहां सबसे अधिक 1 हजार 351 आवेदनों को मंजूरी दी गई।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निवेश संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाने, आवेदनों के त्वरित निस्तारण और उद्योगों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'इंवेस्टर फ्रेंडली एप्रोच' और विकेंद्रीकृत क्रियान्वयन के कारण छोटे जिलों में भी निवेश प्रस्तावों के निस्तारण में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव कार्यालय के अंतर्गत गठित डिरेगुलेशन सेल द्वारा प्रत्येक माह निवेश प्रस्तावों की समीक्षा कर विस्तृत प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाती है, जिससे विभागीय जवाबदेही और कार्यक्षमता दोनों में सुधार हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में जयपुर जिले में सबसे अधिक 1 हजार 932 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1 हजार 351 को मंजूरी दी गई। इसके अलावा जोधपुर, सीकर, अजमेर, बीकानेर, कोटा, हनुमानगढ़, अलवर, चूरू और भीलवाड़ा जैसे औद्योगिक और शहरी जिलों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

स्वीकृति दर के मामले में कोटा और हनुमानगढ़ ने विशेष उपलब्धि हासिल की। कोटा में 83.8 प्रतिशत और हनुमानगढ़ में 82.5 प्रतिशत आवेदनों को मंजूरी मिली। वहीं बारां, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, टोंक, उदयपुर और जालोर जिलों में भी 70 प्रतिशत से अधिक स्वीकृति दर रही। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि राजस्थान में पारंपरिक क्षेत्रों के साथ-साथ नए और उभरते सेक्टर्स में भी निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ रही है। अप्रैल माह में आयुष, एग्रो-प्रोसेसिंग, रक्षा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में विभिन्न जिलों से निवेश आवेदन प्राप्त हुए। सेक्टरवार विश्लेषण में पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

जयपुर, उदयपुर, पाली, राजसमंद और सीकर सहित कई जिलों में होटल, रिसॉर्ट और पर्यटन आधारित परियोजनाओं में निवेश रुचि देखने को मिली। इसके अलावा अलवर और कोटपूतली-बहरोड़ में इंजीनियरिंग सेक्टर, विभिन्न जिलों में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं, अजमेर और भीलवाड़ा में वेस्ट मैनेजमेंट तथा जोधपुर में टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश प्रस्तावों ने भी गति पकड़ी है। राज्य सरकार का मानना है कि 'डी-रेग्यूलेशन फेज-1' के माध्यम से उद्योगों और निवेशकों को बेहतर माहौल प्रदान कर राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी निवेश राज्य बनाया जा सकता है। प्रक्रियाओं की पारदर्शिता, ऑनलाइन स्वीकृति व्यवस्था और त्वरित निर्णय प्रणाली से उद्योग जगत का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। सरकार अब निवेश स्वीकृति की प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं डिजिटल बनाने की दिशा में भी काम कर रही है, ताकि प्रदेश में रोजगार, औद्योगिक विकास और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिल सके।

सी.एन.जी. सिलेंडरों से भरा ट्रेलर पलटा

जयपुर। बिंदायका थाना क्षेत्र के सिरसी रोड स्थित निमेड़ा गांव में शनिवार अलसुबह बड़ा हादसा हो गया। टोरेंट सीएनजी गैस सिलेंडरों से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें लदे 10 से अधिक सिलेंडरों से गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस रिसाव की सूचना फैलते ही आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। प्रशासन, पुलिस, दमकल विभाग और गैस कंपनी की तकनीकी टीमों की तत्परता से संभावित बड़ा हादसा टल गया।

थानाधिकारी विनोद वर्मा ने बताया कि सीएनजी गैस सिलेंडरों से भरा ट्रेलर बिंदायका स्थित पंप से भांकरोटा की ओर जा रहा था। शनिवार सुबह करीब पांच बजे निमेड़ा गांव के पास चालक को अचानक झपकी आने से ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे लगे पोल से टकराकर पलट गया। हादसे में चालक घायल हो गया, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर पलटते ही कई सिलेंडरों से तेज आवाज के साथ गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस की गंध फैलने पर आसपास के ग्रामीणों में दहशत फैल गई और लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह रही कि गैस रिसाव के बावजूद किसी प्रकार की आग नहीं लगी। सूचना मिलते ही बिंदायका फायर स्टेशन से तीन दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। साथ ही टोरेंट गैस कंपनी के तकनीकी अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। सुरक्षा के मद्देनजर रिसाव वाले सिलेंडरों को आबादी क्षेत्र से दूर किया गया। बाद में क्रेन की सहायता से ट्रेलर को सीधा करवाया गया और तकनीकी टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद गैस रिसाव को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम डॉ. खुशबू शर्मा और थानाधिकारी विनोद वर्मा मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। एहतियात के तौर पर पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र में आमजन की आवाजाही रोक दी।

किसी भाषा की जानकारी नहीं होने के आधार पर नार्को टेस्ट से नहीं किया जा सकता इंकार : हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हत्या से जुड़े मामले में कहा है कि यह बड़े आश्चर्य की बात है कि प्राधिकारी ने इस आधार पर नार्को टेस्ट से इनकार कर दिया कि संबंधित व्यक्ति को हिंदी धाराप्रवाह नहीं आती है। अदालत ने मामले में पुलिस की ओर से पेश एफआर को स्वीकार करने वाले निचली अदालत के आदेश को निरस्त कर दिया है।

अदालत ने कहा कि मामले की जांच डिप्टी स्तर के अधिकारी से कराए जाए और वह जरूरत पडने पर नार्काे टेस्ट सहित जांच करते हुए जांच रिपोर्ट निचली अदालत ने पेश करे। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश फेलीराम की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि नार्को टेस्ट के लिए फॉरेंसिक साइकोलॉजिस्ट, एनेस्थिसियोलॉजिस्ट, सामान्य चिकित्सक और मनोचिकित्सक के साथ जरूरत होने पर दुभाषिया को शामिल किया जा सकता है। केवल भाषा नहीं बोलने के चलते नार्काे टेस्ट करने से मना नहीं किया जा सकता।

याचिका में अधिवक्ता गौरव शर्मा ने बताया की याचिकाकर्ता ने अपने भाई की हत्या को लेकर साल 2015 में दौसा के रामगढ पचवाडा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसमें जांच अधिकारी ने लचर जांच करते हुए एफआर पेश कर दी और निचली अदालत ने 23 सितंबर, 2022 को उसे स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता की ओर से पेश प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि जांच के दौरान अनुसंधान अधिकारी ने याचिकाकर्ता का नार्को टेस्ट करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था और याचिकाकर्ता ने भी अपनी सहमति दे दी थी। इसके बावजूद संबंधित प्राधिकारी ने यह कहते हुए टेस्ट करने से इनकार कर दिया कि टेस्ट के दौरान यह सामने आया कि याचिकाकर्ता धाराप्रवाह हिंदी नहीं बोल सकता है। याचिका में कहा गया कि वह अभी भी नार्को टेस्ट के लिए तैयार है।

ऐसे में मामले में निष्पक्ष जांच के आदेश दिए जाए। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि यदि अदालत जांच के आदेश देती है कि नया जांच अधिकारी नियुक्त कर निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत निचली अदालत के आदेश को रद्द करते हुए मामले में अग्रिम जांच के आदेश दिए हैं।

भट्टी में झोंका 2 करोड़ से अधिक का नशा

जयपुर पुलिस ने नष्ट किया 384 किलो गांजा और स्मैक

जयपुर। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2.01 करोड़ रुपए मूल्य के अवैध मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया। जयपुर दक्षिण जिला पुलिस ने विभिन्न मामलों में जब्त किए गए 384 किलो से अधिक गांजा और स्मैक को एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत औषधि व्ययन समिति की निगरानी में भट्टी में जलवाकर नष्ट कराया।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि जिले के विभिन्न थानों में दर्ज एनडीपीएस मामलों में जब्त मादक पदार्थ लंबे समय से मालखानों में जमा थे। एनडीपीएस एक्ट की धारा 52ए के तहत गठित औषधि व्ययन समिति द्वारा मामलों का परीक्षण कर नष्ट योग्य मादक पदार्थों का चयन किया गया। इसके बाद विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए विशेष अभियान चलाकर उन्हें नष्ट किया गया।

इस कार्रवाई में महेश नगर, श्याम नगर, सोडाला, मानसरोवर, शिप्रापथ, मुहाना, चाकसू, सांगानेर और सांगानेर सदर थानों में जब्त मादक पदार्थ शामिल थे। पुलिस के अनुसार कुल 384 किलो 894 ग्राम गांजा और 45 ग्राम स्मैक नष्ट की गई, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 2 करोड़ 1 लाख 44 हजार 700 रुपए आंकी गई है।

मादक पदार्थों के नष्टीकरण की प्रक्रिया निर्धारित इंसिनरेटर प्लांट में प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरणीय मानकों की पालना करते हुए पूरी की गई। कार्रवाई के दौरान औषधि व्ययन समिति के सदस्य, पुलिस अधिकारी तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशीले पदार्थों के नष्टीकरण से न केवल मालखानों में लंबित सामग्री का सुरक्षित निपटान हुआ है, बल्कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ सख्त संदेश भी गया है। जयपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

ईएसआईसी शाखा प्रबंधक 10 हजार की घूस लेते पकड़ा

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट उदयपुर ने कार्रवाई करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) चित्तौड़गढ़ शाखा की शाखा प्रबंधक संदीपा वोहरा को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह एक कर्मचारी के मेडिकल बिलों और मेडिकल लीव के भुगतान को मंजूरी देने के बदले रिश्वत मांग रही थी।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार हिन्दुस्तान जिंक, चंदेरिया में कार्यरत एल एंड टी कंपनी के एक कर्मचारी को अगस्त 2025 में ड्यूटी के दौरान लकवा हो गया था। कर्मचारी के मेडिकल बिलों और अवकाश भुगतान की फाइल पास करने के एवज में शाखा प्रबंधक संदीपा वोहरा ने परिवादी के रिश्तेदार तथा एल एंड टी कंपनी के एचआर मैनेजर से 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। शिकायत में यह भी सामने आया कि पूर्व में विभिन्न कर्मचारियों के क्लेम पास करने के नाम पर करीब 40 हजार रुपए रिश्वत के रूप में लिए जा चुके थे। सूचना मिलने पर एसीबी ने उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में कार्रवाई शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव जोशी के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण डांगी ने 29 मई को रिश्वत मांग के सत्यापन की कार्रवाई की। सत्यापन के दौरान संदीपा वोहरा द्वारा कर्मचारी दिनेश कुमार गाडरी के मेडिकल बिल और मेडिकल लीव भुगतान के बदले 10 हजार रुपए मांगना प्रमाणित हो गया।

सार-समाचार

नाहरगढ़ कुंड-बावड़ी की साफ-सफाई

जयपुर। फैडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) और राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय 'नाहरगढ़ कुंड एवं बावड़ी सफाई अभियान' की शुरूआत हुई। यह अभियान बावड़ी बाईसा के सहयोग से आयोजित किया गया। इस पहल को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स, इंडिया हैरिटेज कलेक्टिव, कर्तव्य, पुनर वेस्ट मैनेजमेंट, होटल फैडरेशन ऑफ राजस्थान सहित राज्य की अन्य संस्थाओं का भी समर्थन मिला। अभियान में बड़ी संख्या में वॉलंटियर्स, युवा, पर्यटन एवं विरासत संरक्षण से जुड़े लोग उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों ने समूहों में नाहरगढ़ कुंड-1 एवं आसपास के पार्किंग क्षेत्र में सफाई कार्य किया। अभियान के माध्यम से क्षेत्र से बड़ी मात्रा में कचरा हटाया। एफएचटीआर के अध्यक्ष, सुरेंद्र सिंह शाहपुरा ने कहा कि आज हमने इस बावाड़ी की सफाई का अभियान शुरू किया है। इसकी प्रेरणा हमें प्रधानमंत्री के 'जल गंगा अभियान' से मिली है। महासचिव तरुण कुमार बंसल ने कहा कि आज यहां एकत्र किए गए कचरे को देखकर दुख होता है कि हम अपने ही भव्य किलों और बावड़ियों को इस स्थिति में पहुंचा देते हैं। अभियान के दूसरे दिन 31 मई को प्रात: 6:45 बजे स्वागत एवं परिचय सत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी, जिसमें अभियान एवं सहभागी संस्थाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके पश्चात वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित किया जाएगा। सुबह 7:30 बजे से 9:30 बजे तक नाहरगढ़ कुंड-2 एवं आसपास के क्षेत्रों में पुन: स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

महिलाओं ने बनाई 500 सीड बॉल्स

जयपुर। श्याम नगर स्थित लैंडमार्क ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में शनिवार को सीड बॉल्स कार्यशाला आयोजित की गई। संस्थान की निदेशक कुलदीप शर्मा ने बताया यह पौधारोपण का एक प्राचीन और बेहद प्रभावशाली तरीका है। कार्यशाला में उपस्थित महिलाओं ने 500 सीड बॉल्स तैयार कर पर्यावरण संरक्षण की एक अनोखी मिसाल पेश की है। कार्यशाला में नीम की निमौली, पारिजात, पपीता, बील , शीशम, आम , जामुन, आमला आदि की सीड बॉल्स मुख्य रूप से बनाई गई। सक्षम संस्थान की तरफ से सचिव ईवादीप सक्सेना, लैंडमार्क ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट से कुलदीप शर्मा ने सभी को किचिन वेस्ट की उपयोगिता तथा अपनी रसोई व आसपास के बीजों से सीड बॉल्स बनाने और उनकी उपयोगिता की जानकारी दी। पिछले साल विभिन्न संस्थाओं के सहयोग लगभग 8 हज़ार सीड्स बॉल्स बनाई गई थी। इस वर्ष 10 हज़ार सीड बॉल्स तैयार करने का लक्ष्य तय किया है। सक्षम संस्थान की सचिव ईवादीप ने बताया कि कई स्कूल, कॉलेज, किट्टी क्लब, महिलाओं के समूह इस मुहिम में साथ जुड़ रहे हैं। इस मौके के पर लिनेस क्लब की अध्यक्षा विमला शर्मा, कोषाध्यक्ष सुमन शर्मा, सलाहकार सुशीला जैन, संस्था की पूर्व अध्यक्ष रतन सोगानी एवं समाज सेवी कोमल मेठवानी, पर्यावरण प्रेमी सदस्या वीना जैन एवं सिम्मी जी, पिहू राजावत व कोमल गुप्ता ने कार्यशाला में भाग लिया। प्रारम्भ में लैंडमार्क के डाइरेक्टर रविंद्र शर्मा ने भाषण दिया।

हिंदी पत्रकारिता पर मंथन

जयपुर। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की ओर से शनिवार को जयपुर स्थित रानी महल होटल में ''हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष : भविष्य एवं चुनौतियां'' विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों और मीडिया शिक्षाविदों ने हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों के गौरवशाली इतिहास, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने देश के सामाजिक, राजनीतिक और लोकतांत्रिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन वर्तमान समय में बाजारवाद, सोशल मीडिया की प्रतिस्पर्धा, फेक न्यूज, पत्रकारों पर बढ़ते दबाव, पीत पत्रकारिता इसके सामने बड़ी चुनौतियां बनकर उभरे है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं इतिहासकार जितेंद्र सिंह शेखावत, जेएनयू मीडिया स्कूल के निदेशक डॉ. मौलिक शाह, वरिष्ठ पत्रकार लल्लूलाल शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने अपने विचार रखे। समारोह में स्वागत भाषण जार के प्रदेशाध्यक्ष संजय सैनी ने दिया।

82 हजार वाहन चालकों पर कार्रवाई

जयपुर। राजधानी में यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ जयपुर यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर एक मई से शुरू किए गए अभियान के तहत अब तक 82 हजार 412 वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई है। वहीं 100 से अधिक मॉडिफाइड साइलेंसर और 600 से ज्यादा अवैध बुलगार्ड मौके पर ही हटाकर जब्त किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर विशेष नाकाबंदी कर ब्लैक फिल्म, मॉडिफाइड साइलेंसर, ओवरस्पीड, ड्रंकन ड्राइविंग और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान गंभीर श्रेणी के 40 हजार 718 मामलों में कार्रवाई की गई। इनमें 36 हजार 265 ओवरस्पीड वाहन, 3 हजार 289 ब्लैक फिल्म लगे वाहन, 663 अवैध बम्पर-बुलगार्ड वाले वाहन, 379 ड्रंकन ड्राइविंग के मामले तथा 122 मॉडिफाइड साइलेंसर वाली मोटरसाइकिलें शामिल हैं।

महिला ने परिचित युवक के प्राइवेट पार्ट और गले पर ब्लेड से वार किया

जयपुर (कासं)। राजधानी में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने परिचित युवक पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाते हुए ब्लेड से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके प्राइवेट पार्ट और गले पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल युवक का इलाज एसएमएस अस्पताल में चल रहा है। घटना को लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए हैं और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार शनिवार शाम 33 वर्षीय महिला ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना देकर बताया कि एक युवक पानी पीने के बहाने उसके घर में घुस आया। महिला का आरोप है कि युवक ने उसे घर में अकेला पाकर जबरदस्ती की कोशिश की और दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर उसने आत्मरक्षा में ब्लेड से हमला कर दिया।

- **घटना की जांच में जुटी पुलिस, दोनों पक्षों ने दर्ज कराए मुकदमे**

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां युवक महिला के घर में लहूलुहान हालत में मिला। उसके प्राइवेट पार्ट और गले पर ब्लेड से वार किए गए थे। पुलिस ने तत्काल उसे एसएमएस अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला और युवक वर्ष 2017 से एक-दूसरे के परिचित हैं। घटना के समय युवक महिला से मिलने उसके घर आया था। महिला का कहना है कि उसने खुद को बचाने के लिए यह कदम उठाया।

दूसरी ओर, अस्पताल में भर्ती युवक ने महिला पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि युवक की करीब एक माह पहले ही शादी हुई थी।

पुलिस ने महिला की शिकायत पर दुष्कर्म के प्रयास तथा युवक की शिकायत पर हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। मामले में दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक परिस्थितियां और जिम्मेदारी स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

होटल पर फायरिंग का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

जयपुर। आमेर रोड स्थित होटल माउंट व्यू पर फायरिंग की सनसनीखेज वारदात के मास्टरमाइंड और 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश पुष्पेन्द्र सिंह उर्फ जोनी को ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने होटल में पेमेंट विवाद के बाद रंजिश रखते हुए दो शूटरों को हथियार उपलब्ध कराकर होटल पर फायरिंग करवाई थी। पुलिस इस मामले में फायरिंग करने वाले दोनों आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करन शर्मा ने बताया कि 22 मई 2026 को होटल संचालक मनोज कुमार ने होटल पर फायरिंग किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में ब्रह्मपुरी थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच में सामने आया कि 20 मई को आरोपी जोनी के एक रिश्तेदार का होटल के बार में पेमेंट को लेकर स्टाफ से विवाद हो गया था। इसी बात से नाराज होकर जोनी ने अगले दिन 21 मई की रात करीब 10 बजे अपने साथियों गौतम सैन उर्फ गट्टू और रहीस को अवैध हथियार और कारतूस उपलब्ध कराए तथा मोटरसाइकिल से होटल भेजकर फायरिंग करवाई। पुलिस के अनुसार फायरिंग का उद्देश्य होटल संचालक को जान से मारना था।

इस वारदात के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गौतम सैन उर्फ गट्टू और रहीस को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध हथियार और मोटरसाइकिल बरामद कर ली थी। हालांकि मुख्य आरोपी जोनी फरार हो गया था, जिस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक और सहायक पुलिस आयुक्त (आमेर) सुरेन्द्र सिंह राणावत के निर्देशन में ब्रह्मपुरी थानाधिकारी हेमन्त जनागल के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी जोनी पहले से एक हत्या के मामले में जमानत पर चल रहा था। जमानत अवधि के दौरान ही उसने फायरिंग की साजिश रची। पुलिस अब जमानत की शर्तों के उल्लंघन को लेकर भी कानूनी कार्रवाई करेगी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वारदात में इस्तेमाल देशी कट्टा और कारतूस उसने भरतपुर निवासी अनिल कुमार उर्फ डूंगर सिंह जाट से खरीदे थे। पुलिस ने बताया कि अनिल कुमार को पहले ही एक अन्य मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब उसे प्रोडक्शन वारंट पर लाकर हथियार तस्करी नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जाएगी। गिरफ्तार आरोपी पुष्पेन्द्र सिंह उर्फ जोनी (25) मूल रूप से अलवर जिले के गंज खेड़ली थाना क्षेत्र के कालवाड़ी सालवाड़ी गांव का निवासी है और वर्तमान में आमेर रोड स्थित कागदीवाड़ा में रह रहा था। उसके खिलाफ वर्ष 2020 से 2024 के बीच मारपीट, आर्म्स एक्ट और हत्या सहित पांच गंभीर मामले दर्ज हैं।

'भारत में हर वर्ष 1.43 लाख लोग मुंह के कैंसर से प्रभावित, तंबाकू बड़ा कारण'

जयपुर। तंबाकू का बढ़ता सेवन विशेष रूप से युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। इसके परिणामस्वरूप कैंसर के मामलों में भी लगातार वृद्धि देखी जा रही है। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के वरिष्ठ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर की ग्लोबोकैन 2022 रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2022 में कैंसर के 14.13 लाख नए मामले दर्ज किए गए, जबकि 9.16 लाख लोगों की कैंसर से मृत्यु हुई। इनमें मुख एवं ओरल कैविटी कैंसर देश का दूसरा सबसे सामान्य कैंसर रहा, जिसके 1,43,759 नए मामले सामने आए तथा लगभग 79,979 लोगों की मृत्यु हुई।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि तंबाकू केवल मुख कैंसर ही नहीं, बल्कि फेफड़े, गला, भोजन नली, स्वरयंत्र, मूत्राशय और अन्य कई प्रकार के कैंसर का प्रमुख कारण है। ग्लोबोकैन रिपोर्ट के अनुसार भारत में फेफड़ों के कैंसर के 81,748 तथा भोजन नली के कैंसर के 70,637 नए मामले दर्ज किए गए, जिनका तंबाकू सेवन से सीधा संबंध है। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नरेश जाखोटिया ने बताया कि लगभग एक-तिहाई कैंसर मामलों को केवल तंबाकू से दूरी बनाकर रोका जा सकता है। तंबाकू छोड़ने के कुछ वर्षों बाद ही कैंसर और हृदय रोगों का जोखिम काफी हद तक कम हो जाता है। डॉ. जाखोटिया ने बताया कि अस्पताल की कैंसर रजिस्ट्री में वर्ष 2025 के दौरान 15 हजार 116 नए मरीज दर्ज किए गए, जिनमें 26 प्रतिशत से अधिक मरीज मुंह एवं गले के कैंसर से प्रभावित थे। चिकित्सालय के डायरेक्टर क्लिनिकल सर्विसेज डॉ. एस.सी. काबरा ने कहा कि कैंसर रजिस्ट्री के ये आंकड़े राजस्थान में कैंसर के बदलते स्वरूप और तंबाकू से जुड़े कैंसरों के बढ़ते बोझ को दर्शाते हैं। यह स्थिति जनजागरूकता और समय पर जांच की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

डॉ. नरेश जाखोटिया ने बताया कि गुटखा, खैनी और अन्य धुएं रहित तंबाकू उत्पादों का सेवन करने वालों में मुंह के कैंसर का खतरा सबसे अधिक होता है।

ARBiT
it happens here...

World Parrot Day: Celebrating Nature's Most Colourful Communicators

Observed on May 31, World Parrot Day highlights the beauty, intelligence and conservation needs of parrots across the globe. Known for their vibrant feathers and remarkable ability to mimic human speech, parrots play an important role in forest ecosystems by helping disperse seeds and maintain biodiversity. However, habitat loss, illegal wildlife trade and climate change have pushed many parrot species towards endangerment. The day raises awareness about responsible pet ownership and the need to protect natural habitats. By supporting conservation efforts and discouraging illegal trade, people can help ensure that these charismatic birds continue to thrive in the wild.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
31 May 2026
A-B

When Glitterati Met Literati

"You know what I realised that the camera doesn't lie, so, it caught the bit of honesty, the genuineness that I have. The camera caught that and early in life, these 'nuskas' you know, Delhi is the capital of Jugaad. We have a solution for everything. We think we are doctors, we think we are lawyers, we think we are plumbers. We are everything. If somebody can do it, a professional can do it, Delhi people can do it better. So, that chip of Delhi I have on my shoulder: I can do everything. 'Mai khud sab kar sakti hun.' And two days ago, I met this Chef Vikas Khanna. He was here from New York. And he said, my dentist showed me your clip and said, this is, if you want to drink coffee, please drink coffee with a straw. And the entire dentist community has actually passed that video on to so many of their people who would come regularly for cleaning and stuff like that. So, I came up with all these things about self-preservation because that's what it was, just the need to set this up in my own way."

Art of Being Fabulous with a Shalini Passi fan at the City Palace.

Reader holds *The Art of Being Fabulous* at Jaipur Inn, Jaipur.

Reader holds *The Art of Being Fabulous* at City Palace, Jaipur

A reader poses with *The Art of Being Fabulous* at JLF.

A reader holds *The Art of Being Fabulous* at Jaipur Literature Festival.

A reader holds *The Art of Being Fabulous* at City Palace, Jaipur.

An attendee holds *The Art of Being Fabulous* book.

Pushpendra Bhargava
(Owner of Jaipur Inn)

From Netflix visibility to method, from viral 'nuskas' to self-preservation, from camera fear to advice for school girls and from celebrity gossip to everyday boundaries.

Jaipur knows how to meet celebrities without surrendering its curiosity. In this conversation, Mehta's questions don't just flatter Shalini Passi into applause, they keep pulling her back to authorship: Why this book? Why now? What stays real when the camera arrives? And once the audience enters, the room reveals its full range: compliments that are really requests, and curiosity that's really about survival, confidence, boundaries, work and the pressure of being watched.

A quick note for readers arriving through streaming culture: She starred in *Fabulous Lives vs Bollywood Wives* (2024), the third season of the popular Netflix reality show *The Fabulous Lives of Bollywood Wives* which leans into a Delhi vs Mumbai framing.

Ruchika Mehta : You can't watch *Fabulous Lives vs Bollywood Wives*, the third season, without feeling it belongs to you. How has life changed after that?

Shalini Passi: "Thank you. Before, like, Karan said to me that now that you're famous, have you become stuck up? So, I said to Karan, I was always stuck up. I was always arrogant but now, when I see people who do know me, people from all walks of life and they're showering so much love, affection on me, I feel more humbled today because, you know, if the audience or the people or the leader is getting something from me, they're getting inspiration. What I'm getting from them is love, and that has actually become the wind beneath my wings.

So, they are giving me much more than I am giving them. So, it's like a give and take with me and the audience. So, for me, what they give me has enriched my life. I'm really grateful for that."

Ruchika Mehta: You call yourself arrogant, yet so much love comes your way. Why do people get attracted to you?

Shalini Passi: "Well, because honestly, for me, I work. I do think for myself. So, I think there's a genuine effort, like if I want to wear something or if I want to do something, or my love for arts or design or passion, it is because I want to do it, not because I was told to."

Book excerpt: "To me, fabulousness is a form of self-trust, one that begins with how you see yourself, not how the world sees you."

Ruchika Mehta: How did this "fabulous series" translate into a book?

Shalini Passi: "So, after the success of the series, a couple of publishing houses reached out to me and just out of respect, instead of writing to them, saying that my English is very basic and I don't think I have much to say, and my ideas are very homebaked, and it's just me. I actually got on a call with somebody from Penguin and I said, listen, I'm really honoured if you think that I can author a book. But honestly, I have not achieved much and I have very less to say. Like, there's not much that I think makes a difference and they explained to me: whatever I said made sense and I decided not to shoot for about the time that I was writing the book and I just got on with it. We have this book which has 10 rules for a beautiful life and that's how it started."

Book excerpt: "Every chapter is a doorway; think of it as an invitation."

Ruchika Mehta: Passi's "nuskas" have travelled further than she expected, sometimes into places as specific as a dentist's clinic.

Shalini Passi: "You know what I realised that the camera doesn't lie, so, it caught the bit of honesty, the genuineness that I have. The camera caught that and early in life, these 'nuskas' you know, Delhi is the capital of Jugaad. We have a solution for everything. We think we are doctors, we think we are lawyers, we think we are plumbers. We are everything. If somebody can do it, a professional can do it, Delhi people can do it better. So, that chip of Delhi I have on my shoulder: I can do everything. 'Mai khud sab kar sakti hun.'

And two days ago, I met this Chef Vikas Khanna. He was here from New York. And he said, my dentist showed me your clip and said, this is, if you want to drink coffee, please drink coffee with a straw. And the entire dentist community has actually passed that video on to so many of their people who would come regularly for cleaning and stuff like that.

So, I came up with all these things about self-preservation because that's what it was, just the need to set this up in my own way."

Book excerpt: "Fabulousness isn't something you wait to be given… it is a frequency."

Ruchika Mehta: You've spoken about camera fear and stage hesitation. What shifted that you accepted a Netflix reality series?

Shalini Passi: "Growing up in school, I really enjoyed dancing and I did have some sort of presence. But I was very scared of the camera because I thought I looked better in person than I looked in camera. I felt my nose looked very big on camera, in reality as well, and I thought my voice sounded like a child's voice.

So, for the longest time, I used to be very conscious of my voice and the way I looked on camera. In 2018, I started on this journey where I said, you know, I have to get over the phobia of the camera because the times had changed.

Then, I wanted to do a travel show with a big OTT platform. So, to get out of the situation, I started getting photographs. I started shooting a lot, all over India, from Leh, Ladakh, Pondicherry, Bikaner, Jaisalmer, Dharamshala. That actually never materialised because the networks felt that I needed a larger audience.

When I was offered this series by Karan, I definitely wanted to. They said they were coming to Delhi and I love Delhi, and I loved shooting in my home because I don't have to leave the house, save travel time and everything. I thought, why not? It's going to be fun. So, that's how it started."

Ruchika Mehta: Your book talks about reinvention. What has been the most monumental part of that journey?

Shalini Passi: "When anybody is able to point me down, say this is what Shalini Passi is, I'm kind of defiant and I want to change. I hate being in boxes, being in categories. So, for me, I don't want to be defined. I've never wanted to be confined."

The room shifts from admiration to practical questions: confidence, standards, staying sane.

Audience member : I'm one of the dentists who made a reel with your video. You shared it in your story. For normal people, it becomes a big deal when a celebrity shares a reel. Why do you do it?

Shalini Passi: "I share everything. In fact, my team told me not to share everything, but I said I like to."

Audience member : You say authenticity is your path. But for normal people, staying authentic brings opposition. Confidence drops. You end up wearing a mask. What do we do?

Shalini Passi: "You know when you get a new pair of jeans, you take time to get into the fit, right? People will get used to what you give them. They will accept you. So, I think it's slowly but surely, if you say, this is what I'm going to do and this is what I need to do to remain sane with my family and friends, they will accept it."

Audience member: What intimidates Shalini?

Shalini Passi: "Somebody who is extremely highly educated. I get intimidated by people who are very educated because I only did my graduation, and after that, I'm self-taught. If I know somebody has done a PhD and then MBA, I go like, oh my God, what am I going to say? I get intimidated by that. By education, but it is important and I admire people who are educated because it takes a lot of discipline, to give a certain z number of years of your life to study."

Audience member: On the show, others were gossiping about you and teaming up. How does it feel that the whole world talks about you?

Shalini Passi: "I'm used to it. There are four stages of loving Shalini Passi. First is disbelief. First is shock and disbelief, and it goes on and on. So, when they reach ultimate surrender, then, I talk to them because they've surrendered to everything that I'm doing.

In fact, the friend who made the four stages made another stage. He said, I cannot take it anymore. You're always running off doing something, so, I can't handle the drama anymore. He says, I'm not going to be friends with you. So, the fifth stage was: you run.

And then, he made a sixth stage: you come back because everybody else is of no substance. So, now there are six stages."

If the straw is self-preservation, the swan is discipline: beauty as the visible surface of invisible work.

Audience member: I'm a huge fan, you're graceful, ambitious, and a philanthropist. How do you balance it all?

Shalini Passi: "Obviously, you've seen a swan, right? You've seen a swan floating on the lake beautifully, looking peaceful. Under the water, she's travelling very, very fast. So, I just thought to myself that if my hard work shows on me, I will stop working. The day that struggle comes on to me, not just physically, but in a way that my behaviour is not graceful or generous or becoming, I will stop working.

Because I want to be like a swan who's working very hard and still the anxiety, insecurity, whatever is not coming on. So, I visualise myself as that swan."

Audience member: You've been in the media eye for so long. How do you set boundaries when people cross them?

Shalini Passi: "Well, it takes years and years to maintain boundaries. You have to tell people that the work that you are doing is important. Whatever you are doing, it could be something big or something small.

I always say that a housewife's work is never done. Because she'd come back from her work, take care of the children, and then if there's a storm, she would be the one who would go and check the kundi on the balcony.

So, I think boundaries are most important because you have to tell your family and friends: this is my work, and it is important to me. It might not seem important to you, but what I do is important to me. And it takes time but I think it all comes with a story. Asserting yourself in a nice way, you know?"

When school girls ask about confidence and camera fear, she begins where Indian families begin: parents, perspective, and the unreality of Instagram.

Audience member: What advice would you to give school girls who struggle to face the camera and express themselves?

Shalini Passi: "I think the most important thing is that you have to love your parents. You have to listen to your parents. They have seen the world. And being honest, our generation has seen a lot. We've seen a black and white television turn to colour. The television turned into a phone, Instagram. So, we have seen everything.

Sorry, biggest advice: you have to listen to your parents. They know better, and there is nobody who loves you more, and they have sacrificed their lives.

And you cannot measure beauty by what you see on Instagram. Those pictures take hours to click and then hours to edit. The lighting is perfect. They're professional. It's almost like a painting. So, you cannot measure yourself by what we're seeing on camera, right?

The second thing is hard work. But do it in a way that you are not hurting others. You guys have everything on your fingers. You can google, our time was different. The more you enriched yourself, the better."

Book excerpt: "I'm sorry. Please forgive me. Thank you. I love you." These four simple phrases have a way of softening even the sharpest edges of my day.

Ruchika Mehta: What do you hope remains after you?

Shalini Passi: "So for me, I honestly feel that there's so much I need to achieve and need to do. I want to work on things that are bigger than myself, and I hope I am able to do that, for which I need everybody else as well. It's not just me. It's a collective thing."

Ruchika Mehta: What's next?

Shalini Passi: "So, there are lots of things, there are lots of announcements this year. So, you have to stay tuned."

Ruchika Mehta: One Shalini Passi mantra you hope clicks with everybody?

Shalini Passi: "You either are super intelligent or you have to be super hard working. If you are of average intelligence and you're super hardworking and disciplined, you can be very successful."

rajeshsharma1049@gmail.com

#PERSONA

Shalini Passi signs copies after the session at Jaipur Literature Festival.

Shalini Passi.

Shalini Passi seated on stage alongside the moderator during the ongoing discussion at the Jaipur Literature Festival.

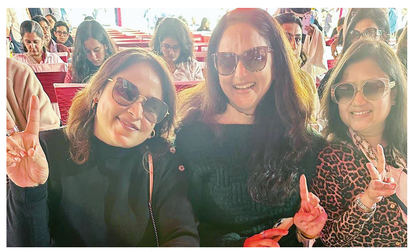

Audience members at the book launch and conversation session at Jaipur Literature Festival.

#FREDERICK BANTING

The Night That Changed Medicine Forever

Leonard's blood sugar levels dropped dramatically. He recovered. For the first time in history, diabetes was no longer an immediate death sentence

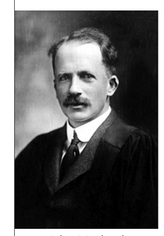

John Macleod.

Charles Best.

Frederick Banting.

James Collip.

In October 1920, a young doctor in Ontario sat late into the night reading a paper on the pancreas. He was 29, relatively unknown, and had little research experience. Yet, one sentence in that paper stopped him cold, it sparked an idea that would soon transform modern medicine. That doctor was Frederick Banting, and his insight would lead to the discovery of insulin.

At the time, a diagnosis of Type 1 Diabetes was essentially a death sentence. Patients, often children, could only be kept alive briefly through extreme starvation diets. Banting believed the pancreas held the key, and he took his idea to John Macleod at the University of Toronto. Despite Banting's lack of research credentials, Macleod gave him a small lab and a young medical student assistant, Charles Best.

What followed was months of relentless work. Banting and Best struggled through long days and longer nights, isolating pancreatic extracts and refining their methods. By January 1922, they were ready for a human trial. Their patient was Leonard Thompson, a 14-year-old boy dying of diabetes.

The first injection failed, triggering an allergic reaction. But Banting didn't give up. With the help of biochemist James Collip, they refined the extract. Two weeks later, they tried again. This time, Leonard's blood sugar levels dropped dramatically. He recovered. For the first time in history, diabetes was no longer an immediate death sentence, it was a manageable condition. The breakthrough was monumental, but what came next was just as remarkable. In 1923, Banting, Best, and Collip secured patents for insulin and its production method. The discovery had the potential to generate unimaginable wealth. Instead, they made a decision that still stands as one of the most ethical acts in medical history: they sold the rights to the University of Toronto for just one dollar each.

Frederick Banting.

Their reasoning was simple, insulin belonged to the world. The university then licensed the patent to pharmaceutical companies, ensuring it could be mass-produced and distributed at low cost. It was a model built on accessibility, not profit.

Frederick Banting would not live to see the full global impact of his work; he died tragically in a plane crash in 1941. Yet, his legacy endures in every life saved by insulin.

And still, the story carries a difficult irony. Today, more than 500 million people worldwide live with diabetes. Despite insulin's century-old discovery, access remains uneven. A handful of major pharmaceutical companies control the majority of global supply, and in some parts of the world, patients are forced to ration doses, or go without, because of cost.

The discovery of insulin was a triumph of science and humanity, born from a single moment of curiosity on a quiet October night. But it also serves as a reminder: breakthroughs alone are not enough. How they are shared with the world defines their true legacy.

THE WALL

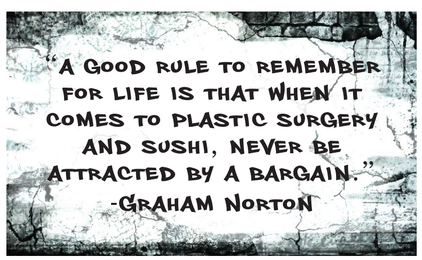

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

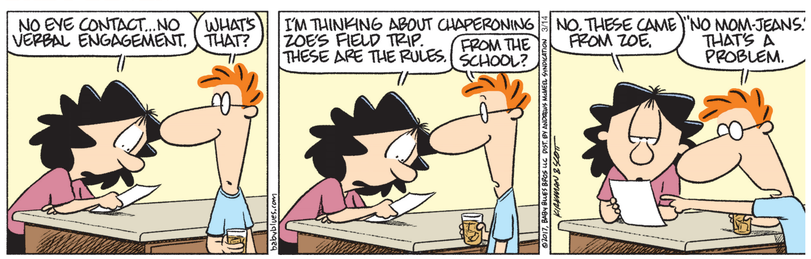

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

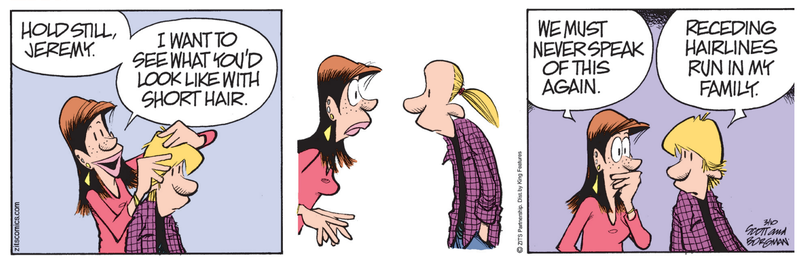

संक्षिप्त

आईपीएस नितिन चौधरी को विदाई दी

शाहपुरा। क्षेत्र के लोकप्रिय एवं कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी आईपीएस नितिन चौधरी के स्थानांतरण पर उनके सम्मान में चंदवाजी पुलिस थाने में एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उपस्थित लोगों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। वक्ताओं ने कहा कि आईपीएस नितिन चौधरी ने अपने कार्यकाल के दौरान कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, आमजन की समस्याओं के समाधान तथा पुलिस-जन सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सरल स्वभाव एवं जनहितकारी कार्यों को क्षेत्रवासी हमेशा याद रखेंगे। इस अवसर पर निहाल भार्गव, कैलाश चंद्र पलसानिया, विकास मोबाइल, धोलू राम गुर्जर, लक्ष्मण पलसानिया, हरिराम जींजवाडिया, रामेश्वर नटवाड़िया, अशोक चौधरी (चौधरी मेडिकल), सुभाष दादरवाल एवं राहुल चौधरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में सभी ने आईपीएस नितिन चौधरी को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाया

शाहपुरा। शहर की मनु विहार कॉलोनी में हिन्दी पत्रकारिता दिवस उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ व्यंग्यकार, साहित्यकार, लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार रामस्वरूप रावतसरे ने की। इस अवसर पर हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास, महत्व एवं समाज में पत्रकारों की भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता ने देश में जनजागरण, सामाजिक चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान समय में भी पत्रकारिता समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम में पत्रकार विजयपाल सैनी, बीआर वर्मा, नरेन्द्र जाला, कुनाल भारद्वाज, जयराम वर्मा, राजेश कुमार सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने हिन्दी पत्रकारिता के विकास एवं पत्रकारों के योगदान को स्मरण करते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की। अंत में सभी ने निष्पक्ष, जिम्मेदार और जनहितकारी पत्रकारिता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

महायज्ञ कल

निवाई। उपखंड मुख्यालय पर स्थित खणदेवत रोड पांच कुआ कच्ची बस्ती में स्थित भैरवजी महाराज के आश्रम में श्री बद्री विशाल ज्योतिष शोध संस्थान के तत्वावधान में श्री बूडला बालाजी आश्रम रजवास के महंत रामगोपाल दास महाराज के सानिध्य में सोमवार को नवकुंडीय श्री चंडी महायज्ञ अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के निदेशक पंडित जगदीश शास्त्री ने बताया कि यह महायज्ञ अनुष्ठान 108 विशेष जड़ी बूटियों के मिश्रण से तैयार किया गया हवन साहित्य के द्वारा व्यक्ति विशेष कार्यों के संपादन हेतु किया जाएगा। जिसको लेकर सुबह 7:30 बजे श्रीं राधा दामोदर मंदिर कुमुदिनी कुंड से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

लालसोट। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड एवं अनुराग सेवा संस्थान लालसोट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समर कैंप में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। "तम्बाकू छोड़ो, जीवन जोड़ो" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता में सृष्टि योगी प्रथम व निधि शर्मा द्वितीय रही। विजेताओं को स्काउट सचिव श्रीकांत शर्मा एवं अशोक पारीक ने सम्मानित किया। वक्ताओं ने तम्बाकू को जानलेवा बताते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने और तम्बाकूमुक्त समाज के निर्माण का आव्हान किया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

जन सुनवाई 2 को

निवाई। ग्राम पंचायत सुनारा में 2 जून को जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित होगा। भाजपा डांगरथल मंडल अध्यक्ष केदार दोहन ने बताया कि जनसुनवाई कार्यक्रम में जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, जिला कलेक्टर टीना ढाबी, विधायक रामसहाय वर्मा एवं उपखंड अधिकारी अजीतसिंह राठौड़ सहित कई जनप्रतिनिधि एवं सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी शामिल होंगे। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया

सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रही : भूपेंद्र यादव

अलवर। अलवर सांसद खेल उत्सव 2025-26 के अंतर्गत आयोजित समर कैंप 2026 का भव्य शुभारंभ आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल, बहरोड़ में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव, राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार, युवा मामले और खेल, कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता तथा सैनिक कल्याण विभाग मंत्री राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा तथा भारतीय ओलंपिक पदक विजेता एवं पद्मश्री सम्मानित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी योगेश्वर दत्त की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

अलवर में मंत्री भूपेंद्र यादव, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राज्य वन मंत्री संजय शर्मा व ओलंपियन योगेश्वर दत्त ने समर कैंप का शुभारंभ किया।

भूपेंद्र यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार है। युवाओं को खेलों से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के उद्देश्य से सांसद खेल उत्सव एवं समर कैंप जैसे नवाचारात्मक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

मंत्री राठौड़ ने कैम्प प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि

- 609 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उन्नत प्रशिक्षण मिलेगा

प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर माननीय केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने क्षेत्र में शिक्षा, खेल, सहकारिता, महिला सुरक्षा सहित सभी क्षेत्रों में अतुलनीय कार्य करते हुए सभी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने का कार्य किया है। खेल सांसद उत्सव ने क्षेत्र के युवाओं में छुपी हुई प्रतिभा को मंच प्रदान करने का कार्य किया है, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कोच, खेल सुविधाएं, ट्रेक, मैदान उपलब्ध होने से क्षेत्र का राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नाम रोशन होगा। उन्होंने युवाओं से इन सुविधाओं का उपयोग करते हुए अपनी प्रतिभा का और निखारने का आव्हान किया।

टोंक में तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में अवैध हथियारों की धरपकड अभियान के तहत पुलिस थाना नगरफोर्ट टीम द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित हर्ष फायरिंग विडियो के सम्बन्ध में द्वारा कार्यवाही करते हुए प्रकरण में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक अवैध टोंपीदार बन्दूक तथा फांयरिंग में प्रयुक्त उपकरण गन पाउण्डर बारुद, छर्रे व पोटाश जप्त किया गया है। अवैध हथियारों की धरपकड व सोशल मीडिया पर प्रसारित हर्ष फायरिंग वीडियो के सम्बन्ध में त्वरित कार्यवाही करते हुए मुखबिर की सूचना पर आर्म्स एक्ट में आरोपी मोहन पुत्र रामदेव मोग्या उम्र 27 साल निवासी रघुनाथपुरा थाना टोडारायसिंह, मोरपाल पुत्र जगन्नाथ मीणा उम्र 50 साल निवासी कनवाड़ा पुलिस थाना दूनी एवं रमेश पुत्र बिरधीचन्द्र मीणा उम्र 47 साल निवासी सतवाड़ा थाना नगरफोर्ट को गिरफ्तार किया।

डीग के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नवीन कार्यालय का उद्घाटन

डीग । जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डीग के अध्यक्ष हेमराज गौड़ ने शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के नवीन कार्यालय का विधिवत पूजा-अर्चना के बाद फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीजे हेमराज गौड़ ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का मूल उद्देश्य समाज के गरीब, शोषित, वंचित, महिला, बालक, वरिष्ठ नागरिक एवं अन्य जरूरतमंद वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है।

- 'विधिक सेवा प्राधिकरण का मूल उद्देश्य समाज के गरीब, शोषित, वंचित, महिला, बालक, वरिष्ठ नागरिक एवं अन्य जरूरतमंद वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है'

उन्होंने कहा कि न्याय केवल सक्षम लोगों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही प्राधिकरण की सोच और प्रतिबद्धता है।

डी जे गौड़ ने कहा कि आमजन को अपने अधिकारों और कानूनों की जानकारी होना आवश्यक है।

विधिक सेवा प्राधिकरण समय-समय पर विधिक जागरूकता शिविर, लोक अदालत एवं जनहित कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक करने का कार्य करता है।

उन्होंने कहा कि नवीन कार्यालय के संचालन से आमजन को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा न्याय संबंधी सेवाओं तक उनकी पहुंच और अधिक सरल व प्रभावी होगी।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामकिशन शर्मा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरोज मीणा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेनू सकीत, लीगल डिफेंस काउंसिल के चीफ विनोद कुमार शर्मा सहित सोना गौतम, आशुतोष शर्मा, रोहन फौजदार, रमाकांत शर्मा, नीरज कुमार वर्मा, राजेश शर्मा, हरिकृष्ण शर्मा, सुरेंद्र गुप्ता, अनिल कुमार गुप्ता, सुरेंद्र सिंह, दुर्गा प्रसाद, शंकरपाल, जवाहर सिंह, बदन सिंह समेत अनेक अधिवक्ता एवं न्यायिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

राडावास में पशु चिकित्सालय भवन निर्माण के लिए भूमि आवंटित

मनोहरपुर। जाफर लोहानी शाहपुरा उपखंड क्षेत्र के राडावास कस्बे में राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय भवन निर्माण के लिए जिला कलेक्टर ने 0.25 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है, जिससे पशु चिकित्सालय भवन निर्माण के लिए स्वीकृत 37 लाख की राशि से विभाग द्वारा पशु चिकित्सालय के नवीन भवन का निर्माण करवाया जाएगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि राज्य सरकार व पशुपालन विभाग द्वारा प्रथम श्रेणी राजकीय पशु चिकित्सालय भवन निर्माण के लिए 37 लाख की राशि स्वीकृत की गई थी। भूमि का आवंटन नहीं होने के कारण भवन निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया था। ग्राम पंचायत प्रशासक अमर सिंह शेखावत के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह को पशु चिकित्सालय भवन निर्माण के लिए भूमि आवंटन करवाने के लिए अवगत करवाया गया था।

खैरथल में असहाय बुजुर्गों के सहारे के नाम पर चल रहे स्वयं सिद्धा आश्रम का निरीक्षण

खैरथल(निसं)। असहाय बुजुर्गों के सहारे के नाम पर चल रहे स्वयं सिद्धा आश्रम की हकीकत ने उस समय चौंका दिया जब राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश जिला सचिव अजीत कुडी आश्रम का औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। जहां अव्यवस्थाओं का अंबार मिला। निरीक्षण में सामने आया डॉक्टर की पर्ची के बिना दवाइयां दी जा रही थीं, सुरक्षा के बंद पड़े थे और बुजुर्गों को अपने कपड़े खुद धोने पड़ रहे थे।

खैरथल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने सिद्धा आश्रम का औचक निरीक्षण किया।

- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव के निरीक्षण में खुली पोल, कैमरे बंद, बुजुर्ग खुद धो रहे कपड़े

सचिव ने प्रबंधन को फटकार लगाते हुए तुरंत सुधार के निर्देश दिए हैं।

शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष शैलेंद्र व्यास के निर्देश पर सचिव अजीत कुडी शनिवार को स्वयं सिद्धा आश्रम पहुंचे थे। निरीक्षण का मकसद आश्रम में रह रहे वृद्धजनों को मिल रही सुविधाओं की जमीनी हकीकत जांचना था। सचिव ने रसोई, शौचालय, स्नानागार, कमरे, बिस्तर, फर्नीचर और रजिस्टरों की गहन जांच की। आश्रम में 7 से 8 वृद्धजन मिले। कुडी ने सभी बुजुर्गों से आत्मीयता से बात कर स्वास्थ्य, भोजन और इलाज की जानकारी ली।पूछताछ में सामने आया कि आश्रम की क्षमता 50 लोगों की है, लेकिन यह निजी किराए के मकान में चल रहा है। यहां 8 लोगों का स्टाफ है। कमरों में पंखे लगे थे।

मेन्यू चार्ट के अनुसार उस दिन दाल और चपाती बनाई जा रही थी। चौंकाने वाली बात यह सामने आई बुजुर्गों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए डॉक्टर की कोई नियमित विजिट नहीं होती। बीमार होने पर बिना डॉक्टर की पर्ची के ही दवाइयां दे दी जाती हैं। पूरे परिसर में लगे कैमरों में से सिर्फ 2 चालू मिले। बाकी सभी बंद पड़े थे। वृद्धजनों को अपने कपड़े खुद धोने पड़ते हैं।

प्रबंधन सिर्फ साबुन-सर्फ देता है। निरीक्षण के दौरान मुख्य संचालक मौजूद नहीं थे। व्यवस्थापक कमलेश कुमार से पूछताछ की ओर सचिव ने अव्यवस्थाओं पर गहरी नाराजगी जताई। डॉक्टर की नियमित विजिट तुरंत शुरू करने। बिना पर्ची के कोई दवा न दी जाए। बंद पड़े सभी तुरंत चालू कराएं।

पावटा में टंकी बनी लेकिन घरों में पानी की सप्लाई शुरू ही नहीं

पावटा, (निसं)। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत पावटा कस्बा स्थित भोमिया जी मंदिर के पास, प्रागपुरा, कुनेड में बनाई गई पानी की टंकी आज भी सिर्फ एक ढांचा बनकर रह गई है। निर्माण कार्य पूरा हुए करीब तीन साल बीत चुके हैं, लेकिन अब तक ना तो घरों में पानी के कनेक्शन दिए गए हैं और ना ही सप्लाई शुरू हो पाई है।

ग्रामीणों का कहना है कि योजना के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने का वादा किया गया था, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई टंकी आज बेकार खड़ी है, जिससे सरकार की योजनाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार संबंधित विभाग और अधिकारियों को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत से जूझ रहे ग्रामीणों को मजबूरन दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है। वही पानी के टैंकरों से पानी मंगवाकर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि योजना शुरू होने पर लोगों में काफी उम्मीद जगी थी, लेकिन अब हालात पहले जैसे ही बने।

- निर्माण कार्य पूरा हुए तीन साल बीत चुके हैं, लेकिन अब तक ना तो लोगों ने बताया कि कई बार संबंधित विभाग और अधिकारियों को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई

गर्मी में रोज पानी के लिए भटकना पड़ता है और टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई है। कई परिवारों को पीने का पानी भी मुश्किल से मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ऊंची टंकियां तो बना दी लेकिन उनमें एक बूंद पानी नहीं आया न पाइपलाइन बिछी और न ही घरों तक कनेक्शन पहुंचे।

ग्रामीणों ने कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों समस्या से अवगत कराया, लेकिन समाधान नहीं होने से लोगों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पानी के कनेक्शन दिए जाएं और सप्लाई शुरू कराई जाए, ताकि योजना का लाभ आमजन तक पहुंच सके।

कोटपूतली में विधायक पटेल ने जनसुनवाई में समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए

कोटपूतली। विधायक हंसराज पटेल ने शनिवार को कांवर नगर स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई करते हुये आमजन के अभाव-अभियोग सुने। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों और ढ़ाणियों से पहुंचे सैकड़ों नागरिकों ने विधायक

- उन्होंने पानी, बिजली, सड़क और मौसमी बीमारियों से जुड़ी जनसमस्याओं के समाधान के लिए निर्देश दिए

कोटपूतली में ग्रामीणों ने विधायक हंसराज पटेल को ज्ञापन सौंपा।

के समक्ष अपनी मूलभूत समस्याओं और विकास कार्यों से जुड़े सुझावों को रखा। विधायक पटेल ने प्रत्येक नागरिक की बात को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना।

उन्होंने पानी, बिजली, सड़क और मौसमी बीमारियों से जुड़ी जनसमस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। पटेल ने भीषण गर्मी के मौसम में कस्बा सहित क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में आ रही पेयजल समस्या को लेकर आमजन के अभाव-अभियोग सुनते हुये पीएचईडी विभाग के अधिकारियो को जल्द से जल्द समस्याओं का निराकरण कर पेयजल सप्लाई को सुचारू रखने के निर्देष दिये।

पटेल ने कहा कि क्षेत्र का कोई भी हिस्सा शहर के वार्डो से लेकर गांव-ढ़ाणी तक साफ व स्वच्छ पेयजल से वंचित ना रहे, इसके लिये विभागीय अधिकारी, स्थानीय प्रशासन नगर परिषद से समन्वय स्थापित कर स्थाई व्यवस्था ना होने तक वैकल्पिक माध्यम से टैंकर आदि के जरिये आमजन तक पेयजल पहुंचाने का कार्य करेगें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विभिन्न पेयजल योजनायें प्रगति पर हैं। राज्य सरकार के हर घर नल से जल के लक्ष्य को ना तो बाधित होने दिया जायेगा, हर सूरत में बिजली व पानी जैसी मूलभुत सुविधाओं को सुचारू रखा जायेगा।

सुशासन और जनसेवा पहली प्राथमिकता :- विधायक पटेल ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निवारण करना ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी सरकार जनसेवा और सुशासन के सिद्धांतों पर काम कर रही है। पटेल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार हर वर्ग के कल्याण, विकास और उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि 'नए राजस्थान' के निर्माण के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है और कोटपूतली क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में बारिश से लोगों को राहत मिली

पावटा। नौतपा के बीच शुक्रवार व शनिवार शाम अचानक मौसम ने करवट ली और पावटा क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ बेमौसम बारिश हुई। लंबे समय से पड़ रही भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से परेशान लोगों को इस बदलाव ने बड़ी राहत दी। बारिश के बाद रविवार सुबह मौसम सुहावना हो गया और तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्र में शुक्रवार व शनिवार शाम चली तेज आंधी के बाद हुई बारिश से सड़कों पर पानी बह निकला और वातावरण में ठंडक घुल गई। सुबह से चल रही ठंडी हवाओं के कारण लोगों ने राहत महसूस की।

हालात ऐसे रहे कि कई घरों में चल रहे एसी और कूलर भी बंद हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी के कारण जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा था। दिन में बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर सन्नाटा पसरा रहता था, वहीं रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही थी। ऐसे में नौतपा के दौरान हुई ठंडी हवा, बारिश लोगों के लिए किसी राहत भरी सौगात से कम नहीं रही।

सार-समाचार

चातुर्मास के लिए श्रीफल चढ़ाया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोधमति माताजी संघ को निवाई में चातुर्मास 2026 के लिए जयधोष के साथ श्रीफल चढ़ाया। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में विराजमान आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोध मति माताजी संघ को निवाई में चातुर्मास हेतु संगीत के साथ श्रीफल चढ़ाकर भजनों की प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें आगामी चातुर्मास हेतु गायक विमल जौंला एवं विमल सोगानी ने चरणों में झुका है माथा, गुरु दे दो एक चोमासा थारी चाकरी में चूक कोनी राखो म्हारा माताजी, देना होगा आपको मंगल आशीर्वाद सहित चातुर्मास के लिए कई भजनों की प्रस्तुतियां दी, जिसमें दिनेश चंवरिया, महेंद्र चंवरिया, विनोद जैन, मोहित चंवरिया, विमल गिन्दोड़ी, मनोज पाटनी, पवन बोहरा, पूरणमल प्रतापनगर, गोपाल कठमाणा, राजेश गिन्दोडी, अशोक भाणजा, त्रिलोक रजवास, विमल सोगानी, विनय कासलीवाल, रवि भाणजा, अनन्त चंवरिया, राजेश बनेठा व दीपक पराणा सहित कई श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को अतिशय क्षेत्र महावीर जी में भगवान महावीर स्वामी जी का अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य मिला। इस अवसर पर आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोध मति माताजी ने धर्म सभा को संबोधित किया।

भिवाड़ी में एक दर्जन स्पा सेंटरों पर दबिश दी

अलवर। भिवाड़ी पुलिस ने शनिवार दोपहर में भिवाड़ी बाइपास स्थित रॉयल प्लाजा और जेनेसिस मॉल में संचालित एक दर्जन स्पा सेंटरों पर छापा मारा। इस दौरान 27 युवतियों को हिरासत में लिया गया, जबकि 6 युवकों को गिरफ्तार किया गया है।मटिला चौकी प्रभारी पुनीत मीणा और भिवाड़ी मोड़ चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में 20 से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने दोनों स्थानों पर एक साथ छापा मारा। रॉयल प्लाजा में लगभग 4 स्पा सेंटरों पर छापेमारी की गई। वहीं, जेनेसिस मॉल में 5-6 स्पा सेंटरों पर कार्रवाई कर युवतियों को हिरासत में लिया गया। दोनों जगह से 6 युवकों को गिरफ्तार किया गया। हिरासत में ली गई युवतियों और गिरफ्तार किए गए युवकों को भिवाड़ी मोड़ पुलिस चौकी लाया गया है। पुलिस अब इनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू करेगी।मटिला चौकी प्रभारी पुनीत मीणा ने बताया कि भिवाड़ी बाइपास पर स्थित इन दोनों मॉल में स्पा सेंटरों की आड़ में अवैध धंधा चल रहा था। पुलिस का उद्देश्य स्पा सेंटरों के नाम पर चल रहे अनैतिक व्यापार पर अंकुश लगाना है। पुलिस ऐसे अन्य सेंटरों पर भी लगातार नजर रख रही है। आवश्यकता पड़ने पर सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

ग्राम खेलना में छत के रास्ते घर में घुसे अज्ञात चोर

पावटा। क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, लेकिन पुलिस की कार्यशैली पर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। ताजा मामले में ग्राम खेलना वार्ड न.4 में शुक्रवार की रात करीब 2.30 बजे अज्ञात चोर देर रात एक मकान की छत के रास्ते घर में घुस गए। बदमाश पहले इलाके में रैकी करते नजर आए और फिर मौका देखकर घर में प्रवेश कर गए। पूरी घटना घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित परिवार बलराम कुमावत के अनुसार रात के समय सभी लोग सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर घर में छत पर जाकर रेकी कर नीचे कमरे में घुसकर सामान खंगालने लगे, जहां आहट होने पर परिवार के सदस्य जाग गए, जिसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सुबह जब सीसीटीवी फुटेज देखे गए तो उसमें 4 संदिग्ध युवक साफ दिखाई दिए। पीड़ित बलराम कुमावत पुत्र ने बताया कि मकान निर्माण कार्य के लिए रखे 48 हजार रुपये व एक पायजेब की जोड़ी, एक मंगलसूत्र अज्ञात चोर लेकर फरार हो गए। घटना को अंजाम देने वाले चार चोर घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरों मे कैद हो गए। जहां भागते समय एक महिला घड़ी भी दरवाजे पर गिरी मिली है। शनिवार सुबह घटना की शिकायत प्रागपुरा थाना पुलिस को तुरंत दे दी गई थी, पीड़ित परिवार का कहना है कि शिकायत देने के बाद भी पुलिस मौके पर मौका-मुआयना करने नहीं पहुंची। ना ही घटनास्थल का निरीक्षण किया गया और ना ही परिवार से गंभीरता से पूछताछ की गई। इससे क्षेत्रवासियों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस समय रहते सक्रियता दिखाए तो चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है, लेकिन शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होना चिंता का विषय है। लोगों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है।

खटवा में प्रतिभाओं का सम्मान

लालसोट। संयुक्त कर्मचारी संघ, खटवा द्वारा आयोजित नव चयनित कर्मचारी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शिक्षा और राजकीय सेवा में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों व नव चयनित कर्मचारियों का सम्मान किया गया।कार्यक्रम में संघ के संरक्षक धर्मेंद्र मीणा (पायलट) ने बड़ी घोषणा करते हुए ग्राम खटवा और लालसोट विधानसभा क्षेत्र के 10वीं व 12वीं के टॉपर विद्यार्थियों को जयपुर से दिल्ली तक हवाई यात्रा करवाने की घोषणा की। "रणजीत हवाई योजना" नामक यह पहल वर्ष 2027 में भी जारी रहेगी। उन्होंने अगले 10 वर्षों में 500 युवाओं को राजकीय सेवा में चयनित कराने का लक्ष्य भी रखा।समारोह के मुख्य अतिथि आईएएस विजय प्रकाश मीना ने ढूंढाड़ी भाषा में संबोधन कर युवाओं को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया तथा विद्यार्थियों के लिए जल्द करियर काउंसलिंग एवं मेंटरशिप प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की।कार्यक्रम में आईएएस हितेश चंद मीना, आईईएस राहुल मीना, आईपीएस ललित जारेड़ा, प्रो. हनुमान सैनी सहित कई प्रशासनिक एवं शैक्षिणक हस्तियां मौजूद रहीं।

एसएचओ सुरेश रोलन व कांस्टेबल भूपेंद्र निलंबित

गुढ़ागौड़जी। पुलिस विभाग ने अनुशासन और जवाबदेही को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए गुढ़ागौड़जी थाना प्रभारी (एसएचओ) सुरेश रोलन तथा कांस्टेबल भूपेंद्र को निलंबित कर दिया है। दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ लंबे समय से मिल रही गंभीर शिकायतों और प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र के पुलिस महकमे में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार, विभाग को दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभिन्न स्तरों पर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों की प्रकृति को गंभीर मानते हुए उच्च अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया और विस्तृत जांच के आदेश दिए। जांच के दौरान जुटाए गए तथ्यों एवं रिपोर्ट का गहन परीक्षण करने के बाद विभाग ने दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया।.हालांकि पुलिस विभाग की ओर से निलंबन के कारणों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक और विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि शिकायतों से जुड़े मामलों की गंभीरता को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। विभागीय स्तर पर आगे की जांच भी जारी रहने की संभावना जताई जा रही है। एक थाना प्रभारी और कांस्टेबल के खिलाफ एक साथ हुई इस कार्रवाई ने क्षेत्र में व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। स्थानीय लोगों और पुलिस महकमे के कर्मचारियों के बीच भी इस फैसले को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस संबंध में अधिकारियों का कहना है कि पुलिस विभाग में अनुशासन सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या शिकायत को गंभीरता से लिया जाता है।

अलवर से जोधपुर जा रही रोडवेज बस खेत में पलटी, 20 यात्री घायल

10 यात्रियों को हल्की चोटें आईं, लोगों ने बस की खिड़कियां तोड़कर घायलों को बाहर निकाला

अलवर, (निसं)। अलवर से जोधपुर जा रही रोडवेज बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे 25 फीट गहरे खेत में पलट गई। हादसे में 20 से ज़्यादा यात्री घायल हो गए, जिनमें 10 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। आस-पास मौजूद लोगों ने बस की खिड़कियां तोड़कर घायलों को बचाया। सभी को ज़िला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक इलाज के बाद कुछ लोगों को छुट्टी दे दी गई है। हादसा शनिवार शाम करीब 4:30 बजे अकबरपुर से करीब 2 किलोमीटर आगे धरमपुरा के पास हुआ। बस में करीब 40 यात्री सवार बताए जा रहे हैं।

- अकबरपुर से दो किलोमीटर आगे धरमपुरा के पास हुआ हादसा, 40 यात्री सवार थे

हादसे में करीब 20 यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि 10 घायलों को अकबरपुर और मालाखेड़ा सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहीं 10 अन्य घायलों को अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जिनमें से 5 जिला अस्पताल पहुंच गए हैं, जहां उनका उपचार जारी है। कई यात्रियों के हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। 10 से 15 यात्रियों के गंभीर घायल होने और कुछ के हाथ-पैर में फ्रैक्चर होने की जानकारी सामने आई है। 108 एंबुलेंस के पायलट नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि बस अलवर की ओर से जा रही थी और अकबरपुर से आगे अचानक पलट गई। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। अकबरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है। कुछ यात्री निजी वाहनों से जयपुर रवाना हो गए, जबकि अन्य का उपचार विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। बस शाम 4 बजे अलवर से जोधपुर के लिए रवाना हुई थी।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को बस से बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया।

गंगापुर सिटी में निजी बस पलटी, छह यात्री घायल

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर-करौली मार्ग पर शनिवार दोपहर तेज रफ्तार निजी बस अचानक सामने आई नीलगाय से टकराकर पलट गई। हादसे में छह यात्री घायल हो गए, जबकि नीलगाय की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद बस सड़क किनारे एक निजी स्कूल की दीवार तोड़ते हुए बिजली के पोल से जा भिड़ी। दुर्घटना के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों घायलों को बस से बाहर निकाला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार दोपहर करीब तीन बजे गंगाजी की कोठी के पास बस तेज गति से गुजर रही थी। इसी दौरान अचानक एक नीलगाय बस के सामने आ गई। ड्राइवर बस पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस नीलगाय से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा पलटी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस सड़क किनारे स्थित एक निजी स्कूल की दीवार तोड़ते हुए बिजली के पोल से जा भिड़ी। हादसे में स्कूल की दीवार और बस दोनों को भारी नुकसान पहुंचा। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीण राहत कार्य में जुट गए। उन्होंने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी। करीब 15 मिनट बाद दो एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल गंगापुर सिटी पहुंचाया गया। दुर्घटना में छह यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें पीलोदा निवासी हेतराम बैरवा, सरमथुरा निवासी अशोक जागा, करौली निवासी मीरा जोशी और रानी सेन, परसराम कॉलोनी निवासी पुष्पा शर्मा तथा 13 वर्षीय खुशी शर्मा शामिल हैं।

भीलवाड़ा में इनामी ड्रग सप्लायर और सायबर ठग गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस को दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जहाँ एक तरफ लंबे समय से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी गांजा सप्लायर को घेराबंदी कर दबोच लिया है, वहीं दूसरी तरफ फर्जी इन्वेस्टमेंट ऐप के जरिए आमजन से लाखों रुपए हड़पने वाले एक शातिर सायबर ठग को भी बेनकाब किया है।

- पांच हजार के इनामी ड्रग सप्लायर और 27 लाख की ठगी करने वाले ठग को पकड़ा

पकड़ा गया सायबर ठग वर्तमान में हत्या के एक मामले में पहले से ही न्यायिक हिरासत में चल रहा था, जिसे पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट के जरिए गिरफ्तार किया है। इन दोनों ही कार्यवाहियों से क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

कारोई पुलिस ने घेराबंदी कर 5 हजार का इनामी ड्रग सप्लायर अर्जुन कुमार को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी महावीर प्रसाद ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अर्जुन कुमार पुलिस थाना गंगापुर में दर्ज प्रकरण के तहत वांछित चल रहा था। आरोपी क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ गांजा की सप्लाई करने के नेटवर्क से जुड़ा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीम ने जिला सायबर सेल की मदद से तकनीकी विश्लेषण किया और आरोपी का एक सटीक रूट चार्ट तैयार किया। इसके बाद टीम द्वारा आरोपी के संभावित ठिकानों पर बार-बार दबिश दी गई। आखिरकार पुलिस की रणनीति रंग लाई और इनामी गांजा सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं सायबर अपराधियों के खिलाफ भीलवाड़ा सायबर थाना पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने फर्जी ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर भारी मुनाफे का झांसा देकर 26.98 लाख की सायबर धोखाधड़ी करने के मामले में एक और मुख्य आरोपी देवांष शर्मा को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि इस हाईप्रोफाइल सायबर ठगी के प्रकरण में पुलिस पूर्व में भी 04 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भिजवा चुकी है। 13 अप्रैलको भीलवाड़ा निवासी एक पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि शातिर ठगों ने खुद को सेबी रजिस्टर्ड बताते हुए उसे कोटक सिक्योरिटीज प्राइवेट मार्केट ट्रेडिंग नामक फर्जी व्हाट्सएप ग्रुपों में जोड़ लिया। इसके बाद आईपीओ और शेयर ट्रेडिंग में भारी रिटर्न का लालच देकर पीड़ित को विश्वास में लिया गया।

नवलगढ़ में मकान पर आकाशीय बिजली गिरी

नवलगढ़, (निसं)। कस्बे के वार्ड संख्या-2 स्थित आथूना मोहल्ला में शुक्रवार देर शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक मकान को भारी नुकसान पहुंचा है। बिजली गिरने के साथ ही हुए जोरदार धमाके से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। घटना में मकान का बिजली मीटर जल गया, सोलर सिस्टम क्षतिग्रस्त हो गया तथा विद्युत उपकरणों को भी नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पूर्व पार्षद अदनान खत्री ने बताया कि शुक्रवार शाम को वार्ड दो निवासी युसूफ काजी के मकान पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। धमाका इतना तीव्र था कि घर में मौजूद लोग घबरा गए, जबकि आसपास के लोगों ने भी कंपन महसूस होने पर अपने घरों से बाहर निकलकर स्थिति का जायजा लिया।

- तेज धमाके से मकान में आई दरारें, जनहानि टली

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मकान के बाहर लगा बिजली मीटर पूरी तरह जल गया। घर के स्विच बोर्ड, डेकोरेशन लाइटें तथा अन्य विद्युत उपकरण भी क्षतिग्रस्त हो गए। कई लाइटें टूटकर नीचे गिर गईं। मकान पर स्थापित सोलर सिस्टम को भी भारी नुकसान पहुंचा। सोलर सिस्टम का तड़ित चालक (लाइटनिंग अरेस्टर) टूटकर दूर जा गिरा, जबकि सोलर प्लेटें भी प्रभावित हुईं। बिजली गिरने का प्रभाव इतना अधिक था कि मकान की छत और दीवारों में दरारें आ गईं। स्थानीय लोगों के अनुसार धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी और आसपास के मकानों में भी कंपन महसूस हुआ, जिससे कुछ समय के लिए भय का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही बिजली निगम की टीम मौके पर पहुंची और तकनीकी जांच शुरू की। जांच के दौरान लाइन में फॉल्ट मिलने पर सुरक्षा की दृष्टि से मकान का बिजली कनेक्शन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

थाने की तारबंदी में घुसी कार, दो वाहनों को मारी टक्कर

जोधपुर, कासं)। रेत के ढेर पर अनबैलेंस होकर कार थाने की तारबंदी में घुस गई तथा वहां पड़ी दो कारों को क्षतिग्रस्त कर दिया। यह घटना शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने की है। पुलिस ने कार चालक को डिटेन कर मामला दर्ज किया। कार चालक खुद क्रेटा कार में सवार था। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि दिन के समय में एक युवक कार लेकर पाल रोड की तरफ से आ रहा था। तब उसकी कार अनियंत्रित होकर तारबंदी में घुस गई तथा पुलिस के मालखाने की जब्त दो कारों को भी टक्कर मार कर नुकसान पहुंचा दिया। कार सवार युवक की पहचान फलोदी के चांपासर निवासी पीयूष के रूप में की गई। एएसआई स्वरूप सिंह ने उसके खिलाफ तारबंदी को तोड़ने, कारों को क्षतिग्रस्त किए जाने का प्रकरण दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि थाने के सामने पुल का कार्य चल रहा है। रेत के टीले पर चढ़कर यह कार तारबंदी में घुसी और फिर कारों को नुकसान पहुंचा है।

श्रीगंगानगर में गैंगस्टर रोहित गोदारा का भाई हनुमान स्वामी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले की जवाहर नगर थाना पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा के बड़े भाई हनुमान स्वामी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 18 मार्च को पकड़े गए बदमाश को एक पिस्टल चार मैगजीन सहित, चार अतिरिक्त मैगजीन और 1 लाख रुपए वारदात को अंजाम देने के लिए उपलब्ध कराए थे।

- गुजरात की ओर राजस्थान आ रहा था, पुलिस को पहले से इनपुट मिला था

एसपी हरीशंकर ने बताया कि आरोपी हनुमान स्वामी (42) निवासी कपुरीसर, लूणकरणसर (बीकानेर) को शुक्रवार को पाली से गिरफ्तार किया गया। वह गुजरात की ओर राजस्थान आ रहा था। आरोपी के आने का पुलिस को पहले से इनपुट मिला था और टेक्निकल लोकेशन ट्रेसिंग के जरिए उसे दबोच लिया गया। 18 मार्च को श्रीकरणपुर थाना पुलिस ने गुरजीत सिंह गिल (23) निवासी गुरुसर (श्रीगंगानगर) को 1 पिस्टल चार मैगजीन सहित और 4 अतिरिक्त मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान जवाहर नगर थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह की टीम ने राहुल नागपाल (30) और नवजोत सिंह (23) को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ जांच में खुलासा हुआ कि ये हथियार रोहित गोदारा गैंग के लिए सप्लाई किए गए थे। रोहित गोदारा ने अपने बड़े भाई हनुमान स्वामी से ही गुरजीत सिंह को हथियार और पैसे देने को कहा था। श्रीगंगानगर एसपी हरिशंकर ने बताया कि रोहित गोदारा गैंग से जुड़े इस पूरे नेटवर्क की जांच चल रही है। हनुमान स्वामी की गिरफ्तारी से कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। इस गिरफ्तारी से गैंग के हथियार सप्लाई नेटवर्क और अन्य वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

सूने मकान में चोरी

कोटा, (निसं)। सुल्तानपुरा थाना इलाके मे एक सूने मकान को चोरो ने निशाना बना कर घर मे रखे आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गये। पीड़ित मकान मालिक जब घर पहुंचा तो उसे घटना का पता चला, जिस पर पीड़ित मकान मालिक ने सुल्तानपुर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ घर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुल्तानपुर थानाधिकारी दौलत साहू ने बताया कि मुबारिक ने रिपोर्ट दी है। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि वह ईद मनाने के लिये केशवरायपाटन रिश्तेदार के यहां गये थे। रिपोर्ट में कहा कि पीछे से सूने मकान में अज्ञात चोर मकान में अलमारी का ताला तोड़कर अलमारी में रखे गहने व करीब 10 हजार नकद ले गये।

अजमेर में सूने मकान से नकदी व जेवर चुराये

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र के मदार स्थित रसुलपुरा रोड पर एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोर नकदी, चांदी की पायजेब एवं अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। घटना का पता मकान मालिक के घर लौटने पर चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मकान मालिक श्रीराम गुर्जर रेलवे विभाग में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी और बच्चे गांव गए हुए थे। वहीं वह स्वयं भी मकान पर ताला लगाकर अपनी ड्यूटी पर चले गए थे। घर के सूना होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने पहले मकान की रेकी की और फिर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर गए। चोरों ने मकान में रखे सामान को खंगालते हुए घर के मंदिर में रखी करीब 38 हजार रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया।

इसके अलावा उनकी बेटी की चांदी की पायजेब सहित अन्य कीमती सामान भी चोरी कर लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। श्रीराम गुर्जर ने घर पहुंचकर सामान बिखरा देखा तो चोरी की घटना का पता चला। उन्होंने तुरंत अलवर गेट थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। प्रारंभिक जांच में एक संदिग्ध युवक कैमरे में नजर आया है, जिसकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

पाटन के ग्राम नरसिंहपुरी के लोगों ने पानी-बिजली को लेकर प्रदर्शन किया

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत नरसिंहपुरी में पानी, बिजली और नरेगा सहित विभिन्न मूलभूत समस्याओं को लेकर सैकड़ों महिलाएं-पुरुष एवं ग्रामीणों ने पंचायत मुख्यालय पर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया।

पूर्व सरपंच कॉमरेड गोपाल सैनी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन, उपखंड प्रशासन और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शीघ्र समाधान की मांग उठाई। धरने को संबोधित करते हुए कॉमरेड गोपाल सैनी ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद ग्राम पंचायत क्षेत्र के कई गांवों और ढाणियों में ट्यूबवेल खराब पड़े हैं तथा जल जीवन मिशन के तहत डाली गई कई पाइपलाइनों को अब तक ट्यूबवेलों से नहीं जोड़ा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई सड़कों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, लेकिन उनकी मरम्मत नहीं कराई गई। साथ ही क्षेत्र में नरेगा कार्य पूरी तरह बंद होने से मजदूरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को अपने अधिकारों और मूलभूत सुविधाओं के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा। यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो आगामी दो-तीन दिनों में बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा। धरने को एसएफआई जिला महासचिव विक्रम यादव ने भी संबोधित किया। महिला नरेगा मजदूरों ने भी रोजगार कार्य बंद होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रशासन के प्रति रोष जताया। धरने के बाद ग्रामीणों ने ग्राम विकास अधिकारी एवं पंचायत प्रशासक को 14 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में करणपुरा चौराहे, गुर्जर बोहरावाली, बागाली, नानकार और अन्य ढाणियों के खराब ट्यूबवेलों को चालू कराने, जल जीवन मिशन की अधूरी पाइपलाइन परियोजनाओं को पूरा करने, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने, जिन घरों तक पाइपलाइन नहीं पहुंची वहां सुविधा उपलब्ध कराने, पंचायत क्षेत्र के सभी गांवों में नरेगा कार्य तत्काल शुरू करने तथा बिजली की अघोषित कटौती बंद करने सहित विभिन्न मांगें शामिल हैं। कॉमरेड गोपाल सैनी ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो बड़ी संख्या में आंदोलन करेंगे। धरना-प्रदर्शन में कॉमरेड गोपाल सैनी, एसएफआई जिला महासचिव विक्रम यादव, सुभाष सैनी, धर्मपाल पंच, श्यामलाल सैनी, मोतीराम, जगदीश शर्मा, नरेंद्र सैनी, प्रहलाद सैनी, आची देवी, गीता, श्योपाली, सुनीता, मेवा सहित सैकड़ों महिला-पुरुष ग्रामीण मौजूद रहे।

सात माह से फरार इनामी बदमाश कर्मवीर जयपुर से गिरफ्तार

सूरजगढ़, (निसं)। पुलिस थाना सूरजगढ़ ने करीब सात माह से फरार चल रहे 10 हजार रूपए के इनामी आरोपी कर्मवीर उर्फ कर्मसिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी जयपुर में छिपकर रह रहा था, जिसे पुलिस टीम ने दस्तयाब कर गिरफ्तार किया तथा न्यायालय में पेश कर जेल भिजवा दिया। आरोपी सूरजगढ़ थाने का हिस्ट्रीशीटर भी बताया जा रहा है, जिसके खिलाफ पूर्व में 13 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

- अपहरण, जाति सूचक गालियां और मारपीट के मामले में आरोपी को दबोचा

पुलिस के अनुसार 23 अक्टूबर 2025 को किढवाना निवासी दीपक पुत्र मांगेराम ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 20 अक्टूबर की शाम वह घरेलू सामान लेने गांव गया था। इसी दौरान परिचित विनोद ने उसे शराब ठेके से बीयर लाने को कहा। ठेके पर पहले से मौजूद कर्मवीर उर्फ कर्मसिंह और मोहन सिंह ने उसे जातिसूचक गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों आरोपी उसे जबरन मोटरसाइकिल पर बैठाकर प्रमोद के धर्मकांटे पर ले गए, जहां उसके साथ दोबारा मारपीट की गई। सूचना मिलने पर उसका चाचा नरेंद्र मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर मोटरसाइकिल छीन ली। इसके बाद आरोपी दीपक को बडसरी के बास स्थित जोहड़ में ले गए और वहां भी मारपीट कर घायल अवस्था में घर के पास सड़क पर पटककर फरार हो गए। जाते समय आरोपियों ने पुलिस में रिपोर्ट देने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

मामले में आरोपी कर्मवीर उर्फ कर्मसिंह पुत्र रामसिंह निवासी किढवाना घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। लगातार तलाश के बाद पुलिस टीम ने उसे जयपुर से पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी थाना सूरजगढ़ का हिस्ट्रीशीटर है तथा उसके खिलाफ पूर्व में कई मामले दर्ज हैं।

नसीराबाद में विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या की

अजमेर, (निसं)। नसीराबाद सिटी थाना क्षेत्र के काली माई मोहल्ला में बीती रात एक विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर झूलती मिली। घटना के बाद मृतका के पीहर पक्ष ने ससुराल वालों परदहेज के लिए प्रताड़ित करने तथा हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में सिटी थाना पुलिस को लिखित शिकायत दी गई है।

- घटना के बाद मृतका के पीहर पक्ष ने ससुराल वालों परदहेज के लिए प्रताड़ित करने तथा हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया

जानकारी के अनुसार मृतका सोनिया की शादी करीब 18 माह पूर्व नसीराबाद निवासी जयंत खनगवाल से हुई थी। मृतका के परिजनों का आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसे दहेज के लिए परेशान करते थे। मृतका की बहन कोमल ने बताया कि सोनिया को उसके पति, सास, ननद, मौसी सास और नन्दोई द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जाता था। उसे संतान नहीं होने का ताना दिया जाता था और दहेज की मांग को लेकर मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। वहीं मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि उनका दामाद समय-समय पर रुपए की मांग करता था और कई बार रुपए लेकर भी गया था। परिजनों का कहना है कि सोनिया आत्महत्या नहीं कर सकती थी तथा उनकी आशंका है कि उसकी हत्या कर शव को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। सिटी थाना पुलिस ने बताया कि मृतका के पीहर पक्ष की ओर से पति, सास, मौसी सास, ननद और ननदोई के खिलाफ लिखित शिकायत दी गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लूणकरणसर में लैपर्ड के मूवमेंट की आशंका

लूणकरणसर, (निसं)। कस्बे में लैपर्ड देखे जाने से दहशत फैल गई। पीएचईडी के वॉटर वर्क्स परिसर से जंगली जानवर निकलकर नमक झील की घनी झाड़ियों में घुस गया।

टैंकर चालक सुरजा राम थोरी ने बताया कि वे पानी भरने वॉटर वर्क्स पहुंचे थे, तभी झाड़ियों से लैपर्ड जैसा जानवर अचानक उनके सामने से सड़क पार कर गया। सुरजा राम ने बताया कि जानवर का रंग और चाल लैपर्ड जैसी थी। इसके बाद वह नमक झील की ओर भाग गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आसपास के इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। विभाग ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे शाम और सुबह के समय अकेले वॉटर वर्क्स और नमक झील क्षेत्र में न जाएं। साथ ही, बच्चों और मवेशियों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया है।

जानकारी के अनुसार यह पहली घटना नहीं है। तीन दिन पहले भी वॉटर वर्क्स कर्मचारियों ने लैपर्ड देखने की सूचना वन विभाग को दी थी। कई साल पहले भी इसी क्षेत्र में नहर के पास जंगल से वन विभाग ने लैपर्ड को पकड़ा था। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में भी वन विभाग के अधिकारी लैपर्ड की मौजूदगी से इनकार करते रहे थे, लेकिन तीन महीने के लगातार तलाशी अभियान के बाद उसे पकड़ा गया था।

चूरू में आंधी के बाद आई तेज बारिश से बदला मौसम का मिजाज

चूरू, (निसं)। बेहाल चूरू जिले के लोगों को शनिवार को मौसम में आए अचानक बदलाव से राहत मिली। दोपहर बाद जिले के कई गांवों और शहरी क्षेत्रों में तेज धूल भरी आंधी आई। आंधी के दौरान आसमान में धूल का गुबार छा गया और तेज हवाओं के कारण लोगों के घरों में मिट्टी के अंबार लग गये और एक बार तो शहर अंधेरे की आगोश में आ गया, हालांकि आंधी के बाद मौसम साफ हो गया और भीषण गर्मी व गर्म हवाओं से लोगों को राहत महसूस हुई।

- चूरू जिले के कई गांवों और शहरी क्षेत्रों में दोपहर बाद तेज धूल भरी आंधी आई
- राज्य के कुछ हिस्सों में आंधी और बारिश की गतिविधियां आगामी चार से पांच दिनों तक जारी रहने की संभावना जताई

मौसम विभाग का कहना है कि राज्य के कुछ हिस्सों में आंधी और बारिश की गतिविधियां आगामी चार से पांच दिनों तक जारी रह सकती हैं। इसके चलते दिन के तापमान में गिरावट आने और गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

चूरू में मौसम में आए बदलाव से आंधी के दौरान आसमान में धूल का गुबार छा गया।

शुक्रवार शाम आई तेज आंधी का असर शहर में भी देखने को मिला। अगुणा मोहल्ला स्थित सच्चियाय माता मंदिर के सामने वर्षों पुराना नीम का पेड़ जड़ से उखड़कर गिर गया। गनीमत ये रही कि उस समय वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उस समय वहां आवाजाही होती तो कोई बड़ी दुर्घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई जगह पेड़ टूटने की खबर है।

बीकानेर के छतरगढ़ में ओले गिरे

बीकानेर, (निसं)। जिले में मौसम ने अचानक करवट ली। छतरगढ़ क्षेत्र में जहां शाम होते-होते बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। वहीं देर रात देशनोक सहित आसपास के इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। देशनोक से नोखा तक कई स्थानों पर हुई बारिश ने मौसम को खुशनुमा बना दिया और लोगों को तपती गर्मी से बड़ी राहत मिली। बीकानेर के अरजनसर-महाजन एरिया में दो दिन से मौसम बदला हुआ है। कल के बाद आज फिर अरजनसर-महाजन के बीच इतनी तेज अंधड़ आया कि दिन में लोगों को वाहनों की हैडलाइट जलाकर आगे बढ़ना पड़ा। पशु तो अचानक हुए अंधेरे से घबराकर इधर-उधर दौड़ने लगे।

युवक की मौत

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में ट्रैक्टर की टक्कर से घायल हुए बाइक सवार दो युवकों में से एक घायल युवक रवि ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसरा दो युवक मोटरसाइकिल से जाते समय नान्ता क्षेत्र में ट्रैक्टर चालक ने बाइक को टक्कर मार दी, हादसे में घायल दोनों युवकों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। नान्ता थाने के एएसआई घीसा सिंह ने बताया कि रवि मोटरसाइकिल से अपने दोस्त सुनील के साथ गिरधरपुरा से नान्ता की ओर जा रहा था। नान्ता क्षेत्र में ट्रैक्टर चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन को चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गये, जिसमें रवि के गंभीर चोटें आईं।

बुहाना में शराब और कैंपर जब्त, आरोपी गिरफ्तार

बुहाना, (निसं)। झुंझुनूं जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हरियाणा निर्मित 55 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब और एक बोलेरो कैंपर वाहन जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब तस्करों में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार 29 मई की रात गश्त के दौरान थानाधिकारी बिमला बुडानिया को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सागवा निवासी विजय प्रकाश अपने मकान और घर में खड़ी बोलेरो कैंपर में भारी मात्रा में हरियाणा निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब का भंडारण कर रखा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान बोलेरो कैंपर से 35 कार्टन तथा घर के अंदर बने बाथरूम से 20 कार्टन हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब बरामद हुई। इस प्रकार 55 कार्टन अवैध शराब जब्त की गई। पुलिस ने शराब के साथ बोलेरो कैंपर वाहन को भी जब्त कर लिया। पूछताछ में आरोपी शराब रखने संबंधी कोई वैध लाइसेंस या अनुज्ञापत्र प्रस्तुत नहीं कर पाया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी विजय प्रकाश पुत्र स्व. पूर्णमल, निवासी ग्राम सागवा, थाना बुहाना को गिरफ्तार कर राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

मुहाना थाने के पास ट्रांसफॉर्मर में लगी आग

जयपुर। राजधानी जयपुर के मुहाना के पास लगे बिजली के ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रांसफॉर्मर से पहले तेज आवाज सुनाई दी, जिसके बाद उसमें से धुआं और लपटें निकलने लगीं। सूचना मिलने पर विद्युत विभाग एवं दमकल कर्मियों को मौके पर बुलाया गया।

खोया पाया

मेरे फ्लैट नम्बर- C-11/6 चिनाव अपार्टमेंट, सैक्टर-28, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का अलाटमेंट लेटर नम्बर 4500, डेटेड 26/08/2020 कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें तपस्या - 9667698707

मेरे फ्लैट नम्बर- C-11/7 चिनाव अपार्टमेंट, सैक्टर-28, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का अलाटमेंट लेटर नम्बर 4501, डेटेड 26/08/2020 कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें रवि 7014635835

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम मुकेश कुमार यादव दर्ज है जबकि आधार में मेरा नाम मुकेश यादव है उपरोक्त दोनों नाम का मैं एक ही व्यक्ति हूं भविष्य में मुझे मुकेश यादव पुत्र श्री प्रहलाद सहाय यादव निवासी टसकोला, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली- बहरोड, राजस्थान के नाम से जाना जावे

NAME CHANGE

I (BHANU PRATAP CHAUHAN) S/o. (GUMAN SINGH CHAUHAN) Address: (Ward No.21, Rajaredi Madan Ganj Kishangarh, Ajmer rajasthan-305801) has changed my Name from (BHANU PRATAP CHAUHAN) S/o. (GUMAN SINGH CHAUHAN) to (BHANU PRATAP SINGH) S/o. (GUMAN SINGH)

मैं, ललित कुमार बालानी मैंने अपना नाम बदलकर ललित बालानी, सी-28, मोती विहार, चक गेटोर, सांगानेर, जयपुर रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए

मै सुमन कुमारी पत्नी JC 472662M सूबेदार रामवीर सिंह शेखावत गांव स्यालू कलां जिला झुंझुनूं राजस्थान पिनकोड 333026 मेरे पति के सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम सुमन कुमारी और जन्मतिथि 24/04/1978 गलत दर्ज है मेरा सही नाम सुमन कंवर और जनमतिथि 01/01/1978 हैं वाया नोटरी शपथपत्र जयपुर

मैंने अपना नाम नारायण दास से बदलकर नारायण दास लालवानी रख लिया है तथा पिता का नाम रतन चंद लालवानी से बदलकर रतुमल लालवानी रख लिया है भविष्य में मुझे नारायण दास लालवानी पुत्र रतुमल लालवानी के नाम से जाना पहचाना जावे पता F-10 एयरपोर्ट एनक्लेव पाणिग्रहण जगतपुरा जयपुर

मैंने मेरा नाम आर्यन से बदलकर आर्यन महला पुत्र नरेंद्र सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे आर्यन महला के नाम से जाना जाये। पताः वार्ड नं 13, न्यू हाउसिंग बोर्ड के पास, झुंझुनू, राजस्थान, पिनकोड 333001

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य बनवारी लाल यादव पुत्र श्री भगवान सहाय यादव निवासी 19, ग्वार ब्राह्मणान, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर ने हरि नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर रजि. नं. 2724/एल द्वारा विकसित आवासीय योजना शिव हैरिटेज स्थित ग्राम बक्सावाला, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में स्थित प्लॉट संख्या 47 से 51 एवं प्लॉट संख्या 51-ए, 52, 52-ए, 53, 53-ए, 54 व 55 प्रत्येक का क्षेत्रफल 50 वर्गगज में निर्मितशुदा बिला दिनांक 30.04.2026 को मैसर्स साक्षी बिल्डर्स जरिये प्रोपराईटर वैशाली गर्ग पत्नी श्री रमाकान्त गर्ग पता 23-ए, बजरंग नगर, एयरपोर्ट रोड, पशुपतिनाथ कॉलोनी, सांगानेर, जिला जयपुर से जरिये इकरारनामा बिचौती दिनांकित 30.04.2026 को राशि 2,90,00,000/- रूपये सम्पूर्ण विक्रय प्रतिफल की राशि का भुगतान कर खरीद किया जाकर भौतिक एवं वास्तविक कब्जा प्राप्त किया जा चुका है। वैशाली गर्ग द्वारा बेईमानी से वशीभूत होकर उक्त सम्पत्तियों को अन्य दीगर व्यक्ति, संस्था को विक्रय करने का अनुचित प्रयास कर रही है। जो कोई व्यक्ति, संस्था, संगठन इत्यादि उक्त सम्पत्तियों को खरीद करेगा, उसके होने वाले परिणामों के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहें।

भवदीय
(कैलाश शर्मा)
अधिवक्ता
जयपुर
दिनांक 29/05/26

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर (नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्र.:- एफ ( )/न.नि.ज/मा.न. जोन/2026/1726 दि. :29.05.2026
सार्वजनिक सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 30 जवाहर नगर कॉलोनी टॉंक रोड जयपुर हाउस बिल्डिंग गृह निर्माण सहकारी समिति, जयपुर का पट्टा विलेख जिसका कुल क्षेत्रफल 461.30 वर्गगज का श्रीमति निर्मला रानी पत्नि स्व. श्री रमेश चन्द्र के नाम से जारी किया गया है। मूल पट्टेधारी श्रीमति निर्मला रानी पत्नी स्व. श्री रमेश चन्द्र की मृत्यु दिनांक 23.12.2007 को हो चुकी है। मूल पट्टेधारी श्रीमती निर्मला रानी पत्नी स्व. श्री रमेश चन्द्र की मृत्यु पश्चात इनके अन्य वारिसानों श्रीमती प्रतिभा, श्रीमती गायत्री के द्वारा के द्वारा दिनांक 13.07.2012 को एवं श्रीमती अलका के द्वारा दिनांक 13.06.2013 को रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र के द्वारा अपना-अपना हिस्सा आवेदकों श्री दीपक, मुकेश, राजेश धींगड़ा पुत्र श्री रमेश चन्द्र धींगड़ा के पक्ष में किया गया है। आवेदकों के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र अण्डरटेकिंग, मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र एवं अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति प्रस्तुत कर भूखण्ड संख्या 30 जवाहर नगर कॉलोनी, टॉंक रोड जयपुर का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कंपनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, मालवीय नगर जोन, नगर निगम, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 1184 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक :- 29/05/2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 51/216 (LIG) का आवंटन श्री सुनील कुमार वर्मा पुत्र श्री साधुराम वर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 572 दिनांक 28-04-1992 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 41 दिनांक 13-01-2000 के द्वारा श्रीमती मिनाक्षी श्रीवास्तव पत्नी श्री अनिल श्रीवास्तव के पक्ष में किया गया। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 28.03.2003 को कर दिया गया।
श्रीमती मिनाक्षी श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक 26.10.2023 को हो जाने के कारण उनके पति श्री अनिल श्रीवास्तव पुत्र श्री केशव शरण पाण्डया द्वारा आवासन मण्डल मे पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं।
अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री अनिल श्रीवास्तव पुत्र श्री केशव शरण पाण्डया का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक
वृत्त-प्रथम,
राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सवाई मानसिंह अस्पताल जर्जर भवन का छज्जा गिरा, मलबे में दबने से एक की मौत

चरक भवन के पास स्थित डॉक्टर्स सेमिनार हॉल की जर्जर इमारत का छज्जा गिरा था

- इस हादसे में एक युवक घायल भी हुआ, जिसे ट्रोमा सेंटर में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल परिसर में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। चरक भवन के पास स्थित डॉक्टर्स सेमिनार हॉल की जर्जर इमारत का छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में मलबे के नीचे दबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घायल को ट्रॉमा सेंटर में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

जानकारी के अनुसार हादसा शनिवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। चरक भवन के निकट बने डॉक्टर्स सेमिनार हॉल भवन का कुछ हिस्सा काफी समय से जर्जर अवस्था में था। भवन की स्थिति को देखते हुए इसके उपयोग को सीमित कर दिया गया था। इसी दौरान भवन का छज्जा अचानक टूटकर नीचे गिर गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय दो व्यक्ति भवन के नीचे छाया में आराम कर रहे थे। छज्जा गिरते ही दोनों मलबे की चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद लोगों और अस्पताल कर्मियों ने तुरंत दोनों को बाहर निकालकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। इलाज के दौरान एक घायल सागर (40) निवासी केकड़ी की मौत हो गई, जबकि दूसरे घायल बाबूलाल को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।घायल बाबूलाल ने बताया कि वह और सागर अस्पताल परिसर के पास चल रहे एक भंडारे में भोजन करने के बाद छाया में आराम करने के लिए सेमिनार हॉल की इमारत के नीचे आकर सो गए थे। इसी दौरान अचानक ऊपर से पत्थर और मलबा गिरने लगा। उन्होंने बताया कि सागर को गंभीर चोटें आई थीं। दोनों एक ही गांव के रहने वाले थे। अस्पताल में तैनात सुरक्षा कर्मियों के अनुसार दोनों व्यक्ति खाना खाने के बाद भवन के नीचे विश्राम कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। हादसे ने अस्पताल परिसर में मौजूद जर्जर भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया की जा रही है।

सवाई मानसिंह अस्पताल परिसर में शनिवार दोपहर डॉक्टर्स सेमिनार हॉल की जर्जर इमारत का छज्जा गिरने से एक युवक की मौत हो गयी।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के 27 अधिकारियों का तबादला

- संयुक्त निदेशक रजनीश शर्मा को क्षेत्र प्रचार शाखा मुख्यालय जयपुर की जिम्मेदारी सौंपी
- उपनिदेशक तरूण जैन मुख्यमंत्री प्रकोष्ठ और ओटाराम चौधरी संभालेंगे चिकित्सा विभाग
- सहायक निदेशक हेतप्रकाश शर्मा को मिला ''राजस्थान संवाद'' का जिम्मा

जयपुर (कासं)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव राकेश शर्मा ने आदेश जारी कर 27 अधिकारियों का तबादला किया है। इनमें संयुक्त निदेशक से लेकर वरिष्ठ सहायक स्तर तक के अधिकारी शामिल है।

आदेश के मुताबिक संयुक्त निदेशक रजनीश शर्मा को मुख्यालय जयपुर की क्षेत्र प्रचार शाखा में लगाया गया है। उपनिदेशक तरुण जैन को मुख्यमंत्री जनसंपर्क प्रकोष्ठ में, उपनिदेशक ओटाराम चौधरी को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा उपनिदेशक विजय खंडेलवाल को ईएनजी मुख्यालय जयपुर में लगाया है। इसी प्रकार सहायक निदेशक हेतप्रकाश शर्मा को राजस्थान संवाद तथा पूनम खंडेलवाल को सोशल मीडिया, मुख्यालय जयपुर के पद पर लगाया गया है।

इसी तरह जनसंपर्क अधिकारी आशुराज आनंद को सूचना केन्द्र जयपुर, सुरेन्द्र सामरिया को पुलिस मुख्यालय जयपुर, सतीश सोनी को अजमेर विद्युत वितरण निगम, अमनदीप को मुख्यालय जयपुर, नितेश सिंह गोयल को मुख्यमंत्री जनसंपर्क प्रकोष्ठ, सूर्यकांत कुमावत को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय चूरू, दीपशिखा को मुख्यालय जयपुर तथा महिपाल सिंह को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय ब्यावर के पद पर लगाया है।

इसी प्रकार सहायक जनसंपर्क अधिकारी मोहित जैन को मुख्यमंत्री जनसंपर्क प्रकोष्ठ, पल्लव जोशी को पुलिस आयुक्तालय जयपुर, अंजलिका पंवार को सूचना केन्द्र जयपुर, दिनेश कुमार शर्मा को क्षेत्र प्रचार शाखा मुख्यालय जयपुर, नरेन्द्र सिंह शेखावत को मुख्यमंत्री जनसंपर्क प्रकोष्ठ, मोहनलाल को एसीबी जयपुर के पद पर लगाया है।

अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी आश्री रामचंदानी को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय जयपुर, पृथ्वीसिंह सिसोदिया को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय कोटा लगाया है। सहायक अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी विकास हल्दुनिया को मुख्यालय जयपुर तथा राजकुमार बैरवा को मुख्यालय जयपुर लगाया है।

वरिष्ठ सहायक राहुल कुमावत को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय झुंझुनूं, मनीष धाभाई को मुख्यालय जयपुर तथा किरोड़ीलाल मीणा को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय ब्यावर के पद पर लगाया है।

विभाग ने उपनिदेशक अजय कुमार को साहित्य शाखा का अतिरिक्त कार्यभार आगामी आदेशों तक सौंपा है। इसके साथ ही एसीबी जयपुर में सहायक निदेशक के पद पर कार्यरत सुमन मान्तुवाल का पुलिस मुख्यालय जयपुर का अतिरिक्त कार्यभार निरस्त किया गया है।

''वंदे गंगा जल संरक्षण'' अभियान से 5 दिनों में जुड़े 3 करोड़ लोग

प्रदेश में करीब 7.31 लाख कार्यक्रमों के जरिए लिया जल संरक्षण का संकल्प

- शहर, कस्बों और गांवों में लोग कुएं-बावड़ी, तालाब व अन्य जल स्रोतों की सफाई, श्रमदान तथा वर्षा जल संग्रहण जैसे कार्यक्रमों से जुड़े है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में ''वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026'' प्रदेश में जन आंदोलन का स्वरूप लेता जा रहा है। अधिकमास में गंगा दशमी (25 मई) पर शुरू हुए प्रदेशव्यापी अभियान के 5 दिन में ही लगभग 3 करोड़ लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी दर्शाई। अब तक 7.31 लाख से अधिक स्थानों पर जल संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके है।

ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री ने टोंक के बीसलपुर बांध, भरतपुर के बंध बरेठा बांध और सुजान गंगा पर जल-पूजन व दीपदान कर अभियान का शुभारंभ किया था। इसके बाद से अभियान गांव-गांव तक पहुंच गया है। शहर, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन कुओं, बावड़ियों, तालाबों एवं अन्य जल स्रोतों की सफाई, श्रमदान, वर्षा जल संग्रहण, जल चौपाल, प्रभात फेरी, कलश यात्रा आदि कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभा रहे हैं। वहीं, किसानों को वर्षा जल संग्रहण, भू-जल पुनर्भरण और आधुनिक सिंचाई तकनीकों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

'आधी आबादी' की बराबर की भागीदारी

अभियान में 29 मई तक 7.31 लाख कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 92 हजार 150 जल स्रोतों और 42015 सरकारी भवनों की सफाई, 52934 स्थानों पर श्रमदान एवं हरियालो राजस्थान अभियान में पौधारोपण के लिए 36822 पिट खोदना शामिल है।

वहीं, 8642 नवीन विकास कार्य प्रारंभ करने के अलावा 21410 पूर्ण कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण किया जा चुका है। इसके अलावा 32437 कलश यात्राएं, 13886 जल चौपाल एवं प्रभात फेरी, 12669 ग्राम सभाएं तथा 4215 बैठक एवं सेमीनार आयोजित किए जा चुके हैं।

इसी प्रकार 4.13 लाख स्थानों पर पूजन, नुक्कड़ नाटक एवं प्रतियोगिताओं जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इन कार्यक्रमों में 1 करोड़ 56 लाख 76 हजार 363 महिलाओं सहित 2 करोड 99 लाख 75 हजार 255 नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई है।

''नो प्लास्टिक डे'' मनाया जाएगा

अभियान के तहत 31 मई को वंदे गंगा प्रभात फेरी, वंदे गंगा रैली, साइकिल रैली, श्रमदान, वंदे गंगा जल सेवा, जल संग्रहण संरचनाओं की गाद निकालना, पशु खेलियों, बावड़ियों की साफ-सफाई, परिंडे बांधना, जल स्रोतों की सफाई-मरम्मत के कार्य व दीप प्रज्वलन, महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई, प्लास्टिक कचरे का निष्पादन करते हुए नो प्लास्टिक-डे मनाया जाएगा।

वहीं, अमृत 2.0 योजना के नवीन कार्यादेश जारी करने के साथ पूर्ण कार्यों का अवलोकन व लोकार्पण होगा। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पतालों एवं चौराहों पर जल सेवा के कार्यक्रम होंगे।

जिलों में 4 जून को रन फॉर एन्वायरमेंट

विभिन्न जिलों में 3 जून को जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर विशेष नवाचार एवं अभिनव पहल के कार्यक्रम होंगे। साथ ही, ट्रांसफार्मर्स के आसपास साफ-सफाई कराई जाएगी। इसी प्रकार 4 जून को जिलों में रन फॉर एन्वायर्न्मेंट आयोजित की जाएंगी। वहीं, सरकारी कार्यालयों में निर्मित रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स की साफ-सफाई की जाएगी। रोड साइड पौधारोपण की अग्रिम तैयारियां होंगी। जिला प्रशासन द्वारा जागरूकता के लिए निबंध व नारा लेखन, चित्रकला, खेलकूद प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रम करवाए जाएंगे। अभियान में 5 जून को वन क्षेत्र में जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई, तुलसी के पौधों का वितरण, नर्सरियों में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम, चयनित स्थानों पर ईको फ्रैंडली आर्ट के कार्य होंगे। जिलों में नदी-नालों के अपशिष्ट जल के परिष्करण के लिए एसटीपी/सीईटीपी संयंत्रों की आवश्यकता एवं उपलब्धता का आकलन कर प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग नहीं करने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा तथा शपथ दिलाई जाएगी। जिला स्तर पर अभियान का समापन समारोह होगा, जिसमें अभियान अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वालों को 'जल गौरव सम्मान' से पुरस्कृत किया जाएगा।

उत्कृष्ट कार्य पर होगा सम्मान

एक जून को स्प्रिंकलर, ड्रिप फार्म पॉन्ड, पाइप लाइन की स्वीकृतियां जारी करने के साथ खेती सम्बंधित कार्यशालाएं और प्रदर्शनियां होंगी। साथ ही, किसान चौपाल में प्रगतिशील किसानों से नवाचारों को लेकर चर्चा की जाएगी। वहीं, सौर ऊर्जा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा और अमृत सरोवर, प्रमुख झीलों, बांधों पर किसान कल्याण के लिए जल प्रार्थनाएं की जाएंगी। इसके बाद 2 जून को जल संसाधन विभाग द्वारा नदी, वृहद् एवं मध्यम बांध, सरोवर, नहरों पर पूजन, जल उपयोगिता संगमों, कैच द रेन, जल संचय जन भागीदारी के कार्यक्रम होंगे। वहीं, नए कार्यों का शिलान्यास, भूमि पूजन भी किया जाएगा। इसी दिन कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत कार्यों का अवलोकन व लोकार्पण एवं नवीन कार्यों की स्वीकृतियां जारी होंगी।

भाषा की मर्यादा को लेकर प्रदेश में सियासत तेज

- बेनीवाल के बयान के बाद भाजपा हुई आक्रामक
- बीजेपी नेताओं के वायरल ऑडियो से बढ़ी चर्चाएं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नागौर सांसद हनुमान बेनिवाल द्वारा मुख्यमंत्री पर की गई टिप्पणी के बाद राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। भाजपा नेताओं ने खुलकर विरोध जताया, लेकिन इसी बीच पार्टी नेताओं के कथित अभद्र भाषा वाले ऑडियो वायरल होने से राजनीतिक बहस और तेज हो गई है। राजस्थान में राजनीतिक बयानबाजी और भाषा की मर्यादा को लेकर एक बार फिर बहस छिड़ गई है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के खिलाफ दिए गए बयान के बाद भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। कई नेताओं ने बेनीवाल के बयान को मुख्यमंत्री पद की गरिमा के खिलाफ बताते हुए उनकी आलोचना की।

इसी बीच भाजपा नेताओं से जुड़े कुछ कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक माहौल और गर्मा उठा है। एक वायरल ऑडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि इसमें कैबिनेट मंत्री गौतम कुमार दक एक पुलिसकर्मी से अभद्र भाषा में बात करते सुनाई दे रहे हैं। हालांकि इस ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं एक अन्य वायरल ऑडियो में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा और आरएलपी कार्यकर्ता के बीच तीखी बातचीत सामने आने का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच भाषा की मर्यादा टूटती दिखाई दी। यह ऑडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

राजनीतिक हलकों में अब यह चर्चा तेज है कि जब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड लगातार नेताओं को संयमित भाषा के उपयोग की सलाह देते रहे हैं, तो क्या पार्टी अपने नेताओं के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाएगी। विपक्षी दल कांग्रेस भी इन घटनाओं को लेकर भाजपा पर निशाना साध रही है और सत्ता पक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने के आरोप लगा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी और संगठनात्मक राजनीति के बीच बयानबाजी का स्तर लगातार आक्रामक होता जा रहा है। ऐसे में सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल तथा नेताओं की भाषा पर नियंत्रण राजनीतिक दलों के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।फिलहाल इन घटनाओं ने राजस्थान की राजनीति में भाषा की मर्यादा, राजनीतिक शिष्टाचार और सार्वजनिक संवाद के स्तर को लेकर नई बहस खड़ी कर दी है।

राठौड़ ने हाल में चर्चा में आए सहकारिता मंत्री गौतम दक के विवादित बयान को लेकर कहा, इस मामले में संबंधित मंत्री से फोन पर बात की थी। मंत्री ने बताया कि उनके बयान को गलत संदर्भ में पेश किया गया है। संबंधित मंत्री का व्यक्तित्व और व्यवहार हमेशा गरिमापूर्ण रहा है। उन्हें नहीं लगता कि जानबूझकर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी की होगी। किसी की भावनाएं आहत हुई है तो मंत्री माफी मांगने को भी तैयार हैं। इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा नेतृत्व संवाद और समाधान के पक्ष में है।

कैंपर से कार को टक्कर मारकर कारोबारी के हाथ-पैर तोड़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र में आर्टिफिशियल और गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी कारोबार से जुड़े पुराने विवाद ने खूनी रूप ले लिया। दुकान के नाम और करोड़ों रुपए के लेनदेन को लेकर चल रही रंजिश में बदमाशों ने एक कारोबारी की कार को कैंपर वाहन से टक्कर मारकर रोका और फिर उस पर लाठी-सरियों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में युवक के हाथ-पैर फ्रैक्चर हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।थानाधिकारी मदन कड़वासरा ने बताया कि मूलतः केकड़ी (अजमेर) निवासी राकेश पुत्र रतनलाल जयपुर में आर्टिफिशियल एवं गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी का कारोबार करता है। 28 मई की रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने एक साथी के साथ दुकान से कार में रवाना हुआ था। इसी दौरान सामने से आई एक तेज रफ्तार कैंपर गाड़ी ने उसकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई।पुलिस के अनुसार कार रुकते ही कैंपर में सवार आरोपी तेजा और भीमा नीचे उतरे और राकेश को जबरन वाहन से बाहर खींच लिया। इसके बाद उसे सड़क पर पटककर लाठी-सरियों से ताबड़तोड़ हमला किया गया। हमलावरों ने उसके हाथ-पैरों को निशाना बनाते हुए कई वार किए, जिससे उसके हाथ-पैर टूट गए। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने बीच-बचाव कर घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि राकेश और आरोपी पहले दिल्ली में ''सोने की खान एलएलपी'' नाम से आर्टिफिशियल और गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी का साझेदारी में कारोबार करते थे। कारोबार में अनियमितताओं के बाद राकेश ने साझेदारी समाप्त कर जयपुर में इस्कॉन मंदिर के पास ''सोने की खान प्रा. लि.'' नाम से नया व्यवसाय शुरू कर दिया।

आरोप है कि साझेदारी टूटने के बाद दूसरे पक्ष ने भी इसी से मिलता-जुलता नाम रखकर केसर चौराहे के पास नई दुकान खोल ली। इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच दुकान के नाम, ब्रांड पहचान और आर्थिक लेनदेन को लेकर विवाद लगातार बढ़ता गया।

अदालती रोक के बावजूद चार्जशीट जारी करने पर डीईओ तलब

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक से जुडे मामले में वसूली पर अदालती रोक के बावजूद उसे चार्जशीट जारी करने के मामले में झालावाड़ जिला शिक्षा अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होकर जवाब देने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने संत कुमार मीणा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि नवम्बर, 2025 में याचिकाकर्ता को 9.49 लाख रुपए से अधिक की वसूली के लिए नोटिस दिया गया। जिसमें कहा था कि उन्होंने शैक्षिणक कार्य नहीं करने के बावजूद वेतन लिया। याचिकाकर्ता ने बकाया वसूली के नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी और कहा था कि उसने ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कार्य किया। इसके बाद हाईकोर्ट ने दिसम्बर 2025 में वसूली पर रोक लगा दी और आदेश की कॉपी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भी दे दी।

आंधी से आसमां में छाया धूल का गुबार, बारिश से मिली राहत

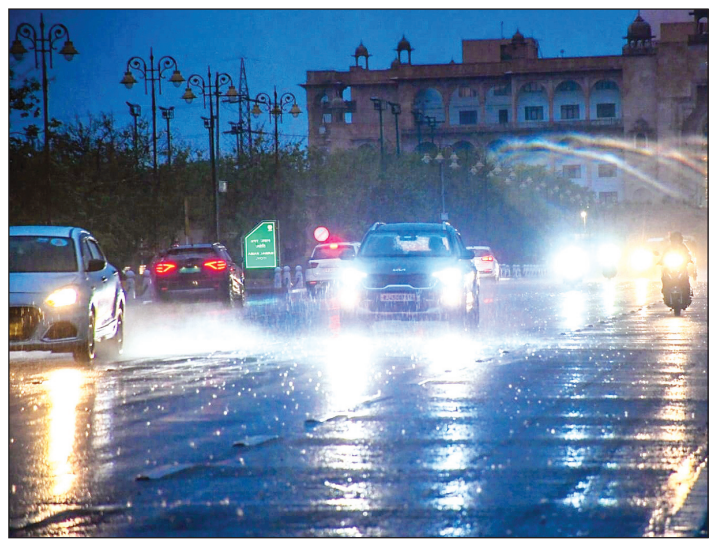

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के चलते शनिवार शाम को राजधानी जयपुर में भी तेज आंधी के साथ बारिश हुई और ओले भी गिरे। इससे पहले धूलभरी आंधी चलने से शहर में दिन के समय ही अंधेरा छा गया। मौसम के बदले मिजाज और बारिश के चलते लोगों को गर्मी से हल्की राहत मिली। बताया जा रहा है कि जयपुर में भी करीब 80 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। फोटो-राष्ट्रदूत

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक : न.नि.भ. /2026-27/3019 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक : 11.05.2026
आवेदक श्री लोकेश कुमार पुत्र श्री जगदीश प्रसाद द्वारा ऑनलाइन फाइल संख्या NNBHA/2025-26/BPAS/623 प्रस्तुत कर भूखण्ड स्थित नवाब गली, मथुरा गेट, भरतपुर का भूखण्ड क्षेत्रफल 49.07 वर्गमीटर की आवासीय जी +1 भवन निर्माण स्वीकृति चाही गई है। आवेदन में स्टेट ग्रान्ट पट्टा क्रमांक 8156 दिनांक 30.11.2021, प्रस्तावित मानचित्र, अण्डरटेकिंग शपथ पत्र तथा न्यायालय सम्बन्धी कोई विवाद न होने का शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है।
इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें, अन्यथा गुजरे म्याद पत्रावली संख्या 628 में श्री लोकेश कुमार पुत्र श्री जगदीश प्रसाद के नाम भवन निर्माण स्वीकृति जारी कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।
प्रभारी अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि वैभव किस तरह से खेला है। वह ताबड़तोड़ रन बना रहा था लेकिन मैच हालात को भांपकर खेल रहा था। उसने बेहतरीन खेला और समझ में नहीं आता कि हर बार वह ऐसा कैसे कर लेता है।
- रियान पराग

रॉयल्स के कप्तान, सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कुमार संगकारा

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच और क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा का मानना है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को जल्द ही भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। आईपीएल 2026 में जिस तरह वैभव ने दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ बल्लेबाजी की है, उससे साबित होता है कि वह बड़े स्तर की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार है। वैभव के प्रदर्शन पर बेहद गर्व है और फ्रेंचाइजी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वह आगे भी अपने निडर खेल और सकारात्मक सोच को बनाए रखें। "वैभव परिस्थितियों को बहुत अच्छी तरह समझता है।

क्या आप जानते हैं ?... सुनील छेत्री ने भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक 95 गोल किए हैं, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष अंतरराष्ट्रीय गोल स्कोररों में शामिल करता है।

आईपीएल 2026 फाइनल : फिर इतिहास रचने की दहलीज पर आरसीबी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और गुजरात टाइटंस आज आमने-सामने

नई दिल्ली, 30 मई। दो महीने तक चले रोमांच, संघर्ष और शानदार क्रिकेट के बाद अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले खिताबी मुकाबले में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगे। दोनों टीमों की नजर दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर होगी। सीजन की शुरुआत में आरसीबी को लेकर सबसे बड़ा सवाल था कि क्या वह लगातार दूसरी बार चैंपियन बन सकती है? कागजों पर टीम बेहद मजबूत दिख रही थी, लेकिन टी20 क्रिकेट में केवल मजबूत टीम होना ही काफी नहीं होता। पूरे टूर्नामेंट में आरसीबी ने निरंतरता दिखाई और अब वह लगातार दूसरी ट्रॉफी जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है। दूसरी ओर गुजरात टाइटंस ने पूरे सीजन में अपने जुझारूपन और बड़े मैचों में दबाव झेलने की क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया है। घरेलू मैदान पर खेल रही गुजरात की टीम ट्रॉफी को अहमदाबाद में ही बनाए रखने के इरादे से उतरेगी।

विराट कोहली पर रहेंगी निगाहें

फाइनल मुकाबले में सबसे ज्यादा चर्चा एक बार फिर विराट कोहली की होगी। बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता किसी से छिपी नहीं है। कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल, कप्तान रजत पाटीदार, वेंकटेश अय्यर, फिल सॉल्ट और टिम डेविड जैसे बल्लेबाज आरसीबी की बल्लेबाजी को बेहद मजबूत बनाते हैं। पूरे सीजन में जब भी टीम मुश्किल में फंसी, उसके बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी निभाई। यही कारण है कि आरसीबी का बल्लेबाजी क्रम इस फाइनल में उसकी सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है।

गुजरात की ताकत उसकी सलामी जोड़ी

गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी की धुरी कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन रहे हैं। दोनों ने पूरे सीजन में टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई है। इनके साथ जोस बटलर का अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी गुजरात को और खतरनाक बनाती है। जहां कई टीमें पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की कोशिश करती हैं, वहीं गिल और सुदर्शन ने संयमित शुरुआत कर बाद में तेजी लाने की रणनीति अपनाई, जो पूरे सीजन में सफल साबित हुई।

गेंदबाजी में गुजरात का पलड़ा भारी

अगर बल्लेबाजी में आरसीबी मजबूत नजर आती है तो गेंदबाजी में गुजरात टाइटंस का पलड़ा भारी माना जा रहा है। कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और जेसन होल्डर जैसे गेंदबाज किसी भी बल्लेबाजी क्रम को परेशानी में डाल सकते हैं। हालांकि सिराज की फिटनेस को लेकर थोड़ी चिंता बनी हुई है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ क्वालीफायर-2 में उन्हें कंधे में परेशानी हुई थी। ऐसे में फाइनल में उनकी उपलब्धता पर नजर रहेगी। अहमदाबाद की पिच अगर गेंदबाजों को थोड़ी भी मदद देती है तो रबाडा और सिराज की जोड़ी मैच का रुख बदल सकती है। दोनों ने इस सीजन सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकने वाले गेंदबाजों में जगह बनाई है।

कौन बनेगा चैंपियन?

एक ओर घरेलू मैदान पर खेल रही गुजरात टाइटंस है, तो दूसरी ओर लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना देख रही आरसीबी। दोनों टीमों के पास दमदार बल्लेबाजी, अनुभवी गेंदबाजी और मजबूत नेतृत्व मौजूद है। अब सवाल सिर्फ इतना है कि रविवार की रात दबाव को कौन बेहतर तरीके से संभालता है। जो टीम निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखेगी, वही आईपीएल 2026 की चमचमाती ट्रॉफी अपने नाम करेगी।

आरसीबी के गेंदबाज भी कम नहीं

आरसीबी की गेंदबाजी भी पूरे सीजन में प्रभावशाली रही है। भुवनेश्वर कुमार 26 विकेट लेकर टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। उनके अलावा जोश हेजलवुड, रसिख सलाम और क्रुणाल पांड्या ने भी अहम मौकों पर टीम को सफलता दिलाई है। फाइनल में उनकी सबसे बड़ी चुनौती शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी को जल्दी आउट करना होगी।

कप्तानी की भी होगी कड़ी परीक्षा

यह मुकाबला सिर्फ खिलाड़ियों का नहीं बल्कि कप्तानों का भी होगा। शुभमन गिल ने पूरे सीजन में उदाहरण प्रस्तुत करते हुए टीम का नेतृत्व किया है, जबकि रजत पाटीदार ने शांत और संतुलित कप्तानी से आरसीबी को फाइनल तक पहुंचाया। पाटीदार की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि उन्होंने स्टार खिलाड़ियों से भरे ड्रेसिंग रूम में संतुलन बनाए रखा और युवा खिलाड़ियों को खुलकर खेलने का अवसर दिया।

किसी से तुलना के बजाय मैं अपनी राह पर चलना चाहता हूं : रजत

रजत पाटीदार महान महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की तरह आईपीएल खिताब का बचाव करने वाले कप्तानों की सूची में शामिल होने से बस एक कदम दूर हैं, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान किसी और की नकल करने के बजाय एक नेतृत्वकर्ता के रूप में अपना अलग रास्ता बनाना चाहते हैं। पाटीदार ने 2025 में आरसीबी को उनका पहला आईपीएल खिताब दिलाया था, और अब उन्हें लगातार दूसरा खिताब जीतने के लिए रविवार को गुजरात टाइटंस को हराना होगा। धोनी और रोहित शर्मा की तरह खिताब बचाने की उपलब्धि के करीब पहुंचने पर पूछे गए सवाल पर पाटीदार ने कहा कि उनका ध्यान तुलना पर नहीं, बल्कि अपने खेल और टीम के प्रदर्शन पर है।

आईसीसी बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त हुई डॉ. रोस सी. रिवाज

नई दिल्ली, 30 मई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने डॉ. रोस सी. रिवाज़ को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। वह शुरुआती तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए बोर्ड से जुड़ेंगी, जिसे अधिकतम तीन वर्ष और बढ़ाया जा सकता है। डॉ. रिवाज़ वर्तमान में एंग्लियन वाटर की चेयरमैन हैं और यूरोप की मैटेरियल साइंस कंपनियों एपराम एसए तथा विक्ट्रेक्स पीएलसी में लीड इंडिपेंडेंट डायरेक्टर की जिम्मेदारी निभा रही हैं। उन्होंने ब्रिटेन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित कंपनियों में वरिष्ठ कार्यकारी पदों पर कार्य किया है। आईसीसी ने शनिवार को अपने बयान में कहा कि डॉ. रिवाज़ को रणनीति निर्माण, जोखिम प्रबंधन और प्रदर्शन प्रबंधन का व्यापक अनुभव है, जिससे वह बोर्ड को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी। बयान के अनुसार, अपने पूरे करियर के दौरान डॉ. रिवाज़ एक सक्रिय बोर्ड सदस्य रही हैं। उन्होंने सरकारी, व्यावसायिक और सामुदायिक क्षेत्रों के हितधारकों के साथ लगातार संवाद किया है। कॉर्पोरेट गवर्नेंस, दीर्घकालिक रणनीति और संचालन संबंधी उनकी गहरी समझ उन्हें आईसीसी बोर्ड के लिए एक मजबूत विकल्प बनाती है। डॉ. रिवाज़ शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से भी जुड़ी रही हैं। उन्होंने युवतियों के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'योर-लाइफ' अभियान का समर्थन किया है। इसके अलावा वह साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय परिषद की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं तथा वाटरएड सहित कई सामाजिक और सामुदायिक परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं। अपनी नियुक्ति पर डॉ. रिवाज़ ने कहा,क्रिकेट के लिए यह बेहद रोमांचक समय है और ऐसे दौर में आईसीसी बोर्ड से जुड़ना मेरे लिए सम्मान की बात है। क्रिकेट लगातार नए दर्शकों तक पहुंच रहा है, समुदायों को प्रेरित कर रहा है और दुनिया के सबसे प्रभावशाली खेलों में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी अध्यक्ष, बोर्ड के अन्य सदस्यों और वैश्विक क्रिकेट परिवार के साथ मिलकर खेल के विकास में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं। मजबूत प्रशासन, दीर्घकालिक सोच और समावेशी निर्णय प्रक्रिया क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2018 में पूर्व पेप्सिको चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंद्रा नूयी आईसीसी बोर्ड की पहली स्वतंत्र महिला निदेशक बनी थीं। स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति आईसीसी संविधान में किए गए व्यापक सुधारों का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य संगठन में पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत करना था।

फ्रेंच ओपन में बड़ा उलटफेर 19 वर्षीय जोआओ फोन्सेका ने नोवाक जोकोविच को किया बाहर

पेरिस, 30 मई। फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेरों का सिलसिला जारी है। विश्व टेनिस के दिग्गज और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना शुक्रवार को टूट गया, जब उन्हें तीसरे दौर में ब्राजील के 19 वर्षीय युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। करीब पांच घंटे तक चले इस मुकाबले में जीत दर्ज कर फोन्सेका ने इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड स्लैम मुकाबले में जोकोविच को हराने वाले पहले किशोर खिलाड़ी बन गए। इस जीत के साथ उन्होंने खुद को भविष्य के बड़े दावेदारों में शामिल कर लिया है। जोकोविच की हार का मतलब है कि 39 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी को अब भी मार्गरेट कोर्ट के 25 ग्रैंड स्लैम खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का इंतजार करना पड़ेगा। एक दिन पहले ही विश्व नंबर एक यानिक सिनर के बाहर होने के बाद यह परिणाम पेरिस में खिताब की दौड़ को और खुला बना गया है। मैच के बाद भावुक फोन्सेका ने कहा,''मुझे सच कहूं तो विश्वास नहीं था कि मैं यह मुकाबला जीत सकता हूं। मैं सिर्फ कोर्ट पर जाकर खेल का आनंद लेना चाहता था। जोकोविच जैसे महान खिलाड़ी के खिलाफ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं बेहद खुश हूं।'' उन्होंने आगे कहा,''मैं हर गेंद को पूरी ताकत से मारने की कोशिश कर रहा था। जोकोविच शायद ही कोई गलती करते हैं और आज भी उनकी फिटनेस अद्भुत है। मैच के अंत में वह मुझसे ज्यादा फिट नजर आ रहे थे।'' फोन्सेका ने यह ऐतिहासिक जीत अपनी मां को समर्पित की, जिनका उसी दिन जन्मदिन था और वे दर्शक दीर्घा में मौजूद थीं।

// एशियाई खेल से सूर्यकुमार यादव का पत्ता साफ //

बीसीसीआई ने आईपीएल स्टार सूर्यवंशी को दिया मौका

नई दिल्ली, 30 मई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को 30 पुरुष संभावित खिलाड़ियों की सूची सौंपी है जिसमें आईपीएल स्टार वैभव सूर्यवंशी का नाम शामिल है लेकिन भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का नाम नहीं है। यह पहले से ही तय था कि बीसीसीआई को दो अलग-अलग टी20 टीम चुननी होंगी क्योंकि वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की घरेलू सफेद गेंद की श्रृंखला का कुछ हिस्सा चार साल में होने वाले एशियाई खेलों के कार्यक्रम के साथ पड़ रहा रहा है।

वेस्टइंडीज सीरीज में 27 सितंबर से 17 अक्टूबर के बीच आठ सफेद गेंद के मैच (तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय) खेले जाएंगे। उम्मीद है कि गिल वनडे में टीम की कप्तानी करेंगे इसलिए उन्हें एशियाई खेलों के लिए नहीं चुना गया है। हालांकि कुछ खिलाड़ी वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों टीम हैं, लेकिन एशियाई खेलों में पुरुषों की क्रिकेट स्पर्धा 24 सितंबर से तीन अक्टूबर के बीच होगी जिसके चलते चयनकर्ताओं को दो टीमें चुनने के लिए एक बड़ा पूल बनाना पड़ा है। माना जा रहा है कि 2028 ओलंपिक खेलों और अगले टी20 विश्व कप को देखते हुए सूर्यकुमार अब बड़ी योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और एशियाई खेलों की लंबी सूची में उनका नाम नहीं होना कोई हैरानी की बात नहीं है। एशियाई खेलों की इस सूची में कप्तानी के दावेदारों में श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन और तिलक वर्मा शामिल हैं।

गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह का नाम भी है, हालांकि 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उस समय वनडे उनकी प्राथमिकता हो सकते हैं। उम्मीद है कि हर्षित राणा तब तक फिट हो जाएंगे। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह के साथ सूची में रखा गया है। स्पिनरों में मुख्य स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और हर्ष दुबे इस सूची में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। लेकिन इन चारों में से केवल दो के ही चुने जाने की उम्मीद है। बाकी दो खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज खेलेंगे। पर सूची में हांग्झोउ चरण के स्वर्ण पदक विजेता कप्तान रुतुराज गायकवाड़ शामिल हैं जिनका प्रदर्शन इतना अच्छा नहीं रहा है।

आईओए को मिली सूची : यशस्वी जयसवाल, अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, नीतिश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, आयुष बडोनी, हर्ष दुबे, ध्रुव जुरेल, खलील अहमद, रुतुराज गायकवाड़, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, शिवम दुबे, विपराज निगम, हर्षित राणा, यश ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर।

निखिल ने जीता स्वर्ण

हांगकांग, 30 मई। एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शनिवार को भारत ने अपने पदकों की संख्या में इजाफा किया, जिसमें निखिल चंद्रशेखर ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।

टी-20 मुंबई लीग 2026 : शार्दुल ठाकुर बने ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स के कप्तान

ठाणे, 30 मई। ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने आगामी टी20 मुंबई लीग 2026 के लिए भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। मुंबई क्रिकेट के सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार शार्दुल ठाकुर भारतीय टीम के लिए तीनों प्रारूपों में खेल चुके हैं और घरेलू व फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी कई यादगार प्रदर्शन कर चुके हैं। उनकी नियुक्ति टीम के उस लक्ष्य को दर्शाती है, जिसके तहत ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स पिछले सीजन के सेमीफाइनल प्रदर्शन से आगे बढ़ते हुए इस बार खिताब जीतने की कोशिश करेगी।

टीम के पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित संयोजन है। नव-नियुक्त मुख्य कोच धवल कुलकर्णी के मार्गदर्शन में टीम आक्रामक क्रिकेट खेलने और पिछली बार फाइनल में पहुंचने से चूकने की निराशा को पीछे छोड़ने का प्रयास करेगी।

कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद शार्दुल ठाकुर ने कहा,''टी20 मुंबई लीग में ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का समूह और अनुभवी कोचिंग स्टाफ है। हमारा ध्यान अच्छी तैयारी, सकारात्मक क्रिकेट और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहेगा। हम जीत की संस्कृति विकसित करना चाहते हैं और अपने प्रशंसकों को गर्व महसूस कराना चाहते हैं।''

फ्रेंचाइजी के मालिक विकी रूपचंदानी ने कहा कि शार्दुल एक सिद्ध मैच विजेता और सम्मानित लीडर हैं, जिन्हें मुंबई क्रिकेट की गहरी समझ है। उन्होंने विश्वास जताया कि शार्दुल और मुख्य कोच धवल कुलकर्णी की जोड़ी टीम को यादगार सीजन दिला सकती है। टी20 मुंबई लीग 2026 का आयोजन 1 से 13 जून तक होगा। ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स अपने अभियान की शुरुआत टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में बांद्रा ब्लास्टर्स के खिलाफ करेगी।

जुरेल ने बल्लेबाजी का सीक्रेट, नेट और ड्रेसिंग रूम का खोला राज

नई दिल्ली, 30 मई। राजस्थान रॉयल्स के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने बताया है कि जब लोग मैदान पर उनसे बात करते हैं तो उन्हें हमेशा अच्छा लगता है। जियोस्टार से बातचीत में जुरेल ने कहा कि किसी को मेरे पास आकर मुझसे बात करनी चाहिए ताकि मेरे मन में सकारात्मक विचार आएं। एक साधारण सी बात भी मदद कर सकती है। जब कोई मुझे बल्लेबाजी करने जाने से पहले कुछ कहता है, तो वह बात मेरे मन में रह जाती है।

जुरेल ने कहा कि मैं इस सोच को मैदान पर लेकर जाता हूँ। और जब मैं चर्चा के अनुसार काम कर पाता हूँ, तो मुझे आत्मविश्वास मिलता है। इस तरह का संवाद आपके व्यक्तिगत दृष्टिकोण और ड्रेसिंग रूम के समग्र माहौल में बहुत बड़ा फर्क डालता है। बल्लेबाजी के प्रति अपने प्रेम और नेट में अतिरिक्त समय पाने के लिए अपनाई जाने वाली तरकीबों के बारे में जुरेल ने कहा कि मुझे बल्लेबाजी करना बहुत पसंद है। मैं अपने बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर सर से हमेशा कहता रहता हूँ कि मुझे नेट में और समय दें, लेकिन वे हमेशा मना कर देते हैं। इसलिए, मैं हर प्रशिक्षण सत्र में अधिक बल्लेबाजी करने का कोई न कोई तरीका ढूंढ लेता हूँ। मैं जल्दी पहुँच जाता हूँ और सत्र शुरू होने से 20 मिनट पहले ही बल्लेबाजी शुरू कर देता हूँ।

उन्होंने समझाया कि जब दूसरे बल्लेबाज़ अपनी बारी चाहते हैं, तो मैं 10 मिनट और मांग लेता हूँ। जब वो भी खत्म हो जाते हैं, तो मैं पाँच मिनट और मांग लेता हूँ। मैं बस बल्लेबाजी करता रहता हूँ। जब मेरी बारी खत्म होती है, तो मैं अपने पैड उतार देता हूँ लेकिन उन्हें नेट में ही छोड़ देता हूँ। अगर बाद में कोई अंतराल होता है, तो मैं वापस बल्लेबाजी करने चला जाता हूँ। विक्रम सर जानते हैं कि मैं रुकूंगा नहीं, इसलिए वो हमेशा कहते हैं, 'ध्रुव, कृपया बाहर आ जाओ और दूसरों को भी बल्लेबाजी करने दो।' मैं हर बार ऐसा करता हूँ क्योंकि मुझे बल्लेबाजी करना बहुत पसंद है। मैच से पहले, मैं यह महसूस नहीं करना चाहता कि मैं तैयार नहीं हूँ।

एशियाई खेल चयन ट्रॉयल्स में थमा विनेश का सफर, सेमीफाइनल में मीनाक्षी से मिली हार

नई दिल्ली, 30 मई। दो बार की विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता भारतीय पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 चयन ट्रायल्स में सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। महिलाओं के 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें मीनाक्षी गोयत के हाथों 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

विनेश ने ट्रायल्स की शुरुआत जोरदार अंदाज में की थी। पहले दौर में उन्होंने ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में उन्होंने मानदंड (क्राइटेरिया) के आधार पर जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

हालांकि सेमीफाइनल के मुकाबले में मीनाक्षी गोयत ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और 6-4 से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मीनाक्षी इससे पहले एशियाई चैंपियनशिप ट्रायल्स में भी चर्चित पहलवान अंतिम पंघाल को हराकर सुर्खियों में आई थीं। इस हार के साथ ही विनेश फोगाट की प्रतिस्पर्धी वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। साथ ही इस वर्ष जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेल 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने का उनका सपना भी लगभग टूट गया है।

53 किलोग्राम वर्ग में खेलने को लेकर हुआ था विवाद

सेमीफाइनल तक पहुंचने से पहले विवाद भी सामने आया। शनिवार सुबह आधिकारिक वजन प्रक्रिया (वेट-इन) के दौरान विनेश को बताया गया था कि वे केवल 50 किलोग्राम वर्ग में ही ट्रायल खेल सकती हैं, क्योंकि उनके पिछले चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट, जिनमें पेरिस ओलंपिक भी शामिल है, इसी वर्ग में खेले गए थे। विनेश ने इस निर्णय का विरोध किया और भारतीय कुश्ती महासंघ पर भेदभाव का आरोप लगाया।

39वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों की समीक्षा की : मांडविया

नई दिल्ली, 30 मई। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने अगले साल होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारी की समीक्षा बैठक में तैयारियों पर संतोष जताया और प्रदेश में 150 करोड़ रूपये की लागत से ऊंचाई पर अभ्यास केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की। बैठक में मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, केंद्रीय खेल और युवा कार्य राज्य मंत्री रक्षा खड़से, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा, राज्य के खेलमंत्री वैलाद्मिकी शायला और पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के खेल अधिकारी मौजूद थे। मांडविया ने खेल मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा ,' मैने मेघालय में होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों और बुनियादी ढांचे की समीक्षा की है और मैं पूरे यकीन से कह सकता हूं कि राष्ट्रीय खेल 2024 सफलता का नया अध्याय लिखेंगे।'' उन्होंने कहा ,'' राष्ट्रीय खेलों के जरिये डोपिंग को लेकर जागरूकता फैलाई जानी चाहिये। खिलाड़ियों को डोपिंग के नुकसान के बारे में बताना जरूरी है।''

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप पर सूर्यवंशी का कब्जा, गेंदबाजों में रबाडा सबसे आगे

नई दिल्ली, 30 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के दूसरे क्वालिफायर में भले ही राजस्थान रॉयल्स का सफर समाप्त हो गया, लेकिन 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पूरे टूर्नामेंट में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से ऑरेंज कैप की दौड़ में बड़ा अंतर बना लिया। दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा पर्पल कैप की रेस में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

ऑरेंज कैप की दौड़ में सूर्यवंशी सबसे आगे

गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 में वैभव सूर्यवंशी ने 47 गेंदों में 96 रनों की विस्फोटक पारी खेली। हालांकि वह शतक से चूक गए, लेकिन इस पारी के साथ उन्होंने सीजन का समापन 776 रन के साथ किया। पूरे टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट 237.30 रहा, जो किसी भी बल्लेबाज के लिए असाधारण माना जा रहा है। सूर्यवंशी ने इस सीजन कई रिकॉर्ड तोड़े और लगातार बड़े स्कोर बनाकर खुद को आईपीएल का सबसे बड़ा युवा सितारा साबित किया।

शुभमन गिल और साई सुदर्शन के पास अभी मौका

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने क्वालिफायर-2 में 53 गेंदों पर 104 रनों की कप्तानी पारी खेली। इस शतक के साथ उनके सीजन में कुल रन 722 हो गए हैं। वह सूर्यवंशी से 54 रन पीछे हैं, लेकिन उनके पास फाइनल मुकाबला खेलने का अवसर है। वहीं सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 32 गेंदों में 58 रन बनाए और अपने कुल रन 710 तक पहुंचा दिए। सुदर्शन भी फाइनल में बड़ी पारी खेलकर ऑरेंज कैप की दौड़ को रोचक बना सकते हैं। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रन के साथ पीछे हैं और उनके लिए ऑरेंज कैप जीतना अब बेहद कठिन नजर आ रहा है।

राजस्थान सीनियर तैराकी प्रतियोगिता कल से एसएमएस स्टेडियम में : व्यास

जयपुर, 30 मई। राजस्थान राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 3 जून तक जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम के अंतरराष्ट्रीय तरणताल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रदेश के 14 जिलों से लगभग 160 बालक और बालिका तैराक भाग लेंगे। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में कुल 66 स्पर्धाएं आयोजित होंगी, जिनमें प्रदेश के उभरते और अनुभवी तैराक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने शनिवार को यहां बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन का जिम्मा जयपुर जिला तैराकी संघ को सौंपा गया है। जिला संघ के सचिव राजवीर सिंह को आयोजन समिति का सचिव बनाया गया है। अनिल व्यास ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर 16 से 20 जून तक अहमदाबाद में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय सीनियर तैराकी प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के कई जूनियर राष्ट्रीय पदक विजेता तैराक भी हिस्सा लेंगे, जिनमें लकी अली खान, मोहम्मद अनस, सरजन सिंह देओल, दक्षिणा जोशी और योग्य सिंह प्रमुख हैं। इन खिलाड़ियों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।

जिला संघ के अध्यक्ष गजानंद शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता में आधुनिक तकनीक और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ मुकाबले कराए जाएंगे, ताकि खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की तैयारी का अनुभव मिल सके। राज्य के तैराकों के लिए यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाने का महत्वपूर्ण अवसर होगी।

राज्य स्तरीय सीनियर महिला प्रतियोगिता 9 से

जयपुर, 30 मई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2026 -27 की पूर्व तैयारियों के लिए आरसीए द्वारा आगामी 9 जून से राज्य स्तरीय सीनियर महिला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता बीसीसीआई के नियमों के आधार पर खेली जाएगी। प्रतियोगिता के मैच वाइट बॉल से खेले जाएंगे व सभी जिला क्रिकेट संघों को प्रतियोगिता में भाग लेने वाले जिले के खिलाड़ियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जिसके लिए निम्न मूल दस्तावेज आवश्यक होंगे: - कम्प्यूटरीकृत जन्म प्रमाण पत्र, बोनाफाइड प्रमाण पत्र, पिछले तीन वर्षों की स्कूल / कॉलेज की मार्कशीट, आधार कार्ड / वोटर आईडी / ड्राइविंग लाइसेंस / पासपोर्ट / पैन कार्ड। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए एनओसी प्राप्त करने की अंतिम तिथि 1 जून 2026 है।

भारतीय महिला हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 3-2 से हराया, मैत्री श्रृंखला 2-2 से बराबर

पर्थ, 30 मई। भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की मैत्री श्रृंखला के चौथे और अंतिम मुकाबले में कड़ा संघर्ष किया, लेकिन अंततः 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस परिणाम के बावजूद चार मैचों की श्रृंखला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई। भारतीय टीम ने शनिवार को खेले गए इस मुकाबले की शानदार शुरुआत की और दूसरे ही मिनट में बढ़त हासिल कर ली। नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई और शुरुआती दबाव ऑस्ट्रेलिया पर बना दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। दीपिका सोरेंग (23वें मिनट) ने शानदार गोल करते हुए टीम को 2-0 से आगे कर दिया। पहले हाफ की समाप्ति तक भारतीय टीम पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण बनाए हुए थी और 2-0 की बढ़त के साथ ब्रेक पर गई। तीसरे क्वार्टर में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जोरदार वापसी की। एबी विल्सन (42वें मिनट) ने पहला गोल कर अंतर कम किया, जबकि इसके दो मिनट बाद ही ओलिविया डाउनस (44वें मिनट) ने गोल दागकर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया। मुकाबला अंतिम क्षणों तक रोमांचक बना रहा, लेकिन कोर्टनी शोनल (58वें मिनट) ने निर्णायक गोल कर ऑस्ट्रेलिया को 3-2 की बढ़त दिला दी, जो अंत तक कायम रही। हालांकि भारतीय टीम अंतिम मुकाबला हार गई, लेकिन इस दौरे से उसे कई सकारात्मक बातें मिलीं। श्रृंखला के पहले मैच में हार के बाद टीम ने शानदार वापसी करते हुए लगातार दो मुकाबले जीते और पूरे दौरे में अपने जुझारूपन, सामरिक अनुशासन और आक्रामक खेल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड में होने वाले एफआईएच नेशंस कप से पहले यह श्रृंखला भारतीय महिला टीम के लिए बेहतरीन तैयारी साबित हुई है।

शतरंज छोड़ नाविक बने ग्रैंडमास्टर्स

ओस्लो (नॉर्वे), 30 मई। नॉर्वे चेस 2026 के विश्राम के दिन शुक्रवार को दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों ने बिसात और मोहरों से दूर हटकर ओस्लोफ्योर्ड की लहरों पर रोमांचक सेलिंग रेस का आनंद लिया। इस खास आयोजन के दौरान मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने अपना 20वां जन्मदिन भी मनाया, जिससे दिन और भी यादगार बन गया। नॉर्वे चेस की परंपरागत गतिविधियों के तहत आयोजित इस विशेष सेलिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को दो टीमों में बांटा गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को मानसिक दबाव से राहत देना और टीमवर्क एवं मनोरंजन का अनुभव कराना था।

'कार्मिक भ्रष्ट आचरण के दलदल से दूर रहें व जनसेवा को ध्येय बनाएं'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के अधिवेशन को संबोधित किया

जयपुर, 30 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को पूरा करने में कार्मिकों की अहम भूमिका है। उन्होंने आव्हान किया कि कार्मिक अपनी सेवा में पूर्ण शुचिता को अपनाएं और भ्रष्ट आचरण के दलदल से दूर रहकर जन सेवा के ध्येय को और अधिक मजबूत बनाएं।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन का सबसे पहला और सीधा संपर्क नगर निकाय के कर्मचारियों से होता है। ये सफाई, पेयजल, सड़क से लेकर सीवर, पार्क, अग्निशमन व जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं के माध्यम से जनता के जीवन को आसान व सुरक्षित बनाते हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के आरआईसी में आयोजित राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के नवम महाधिवेशन में भाग लिया। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा मौजूद थे।

मुख्यमंत्री शनिवार को जयपुर के आरआईसी में आयोजित राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के नवम महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' के मूलमंत्र पर चलते हुए हमने 103 अधिकारियों को निलंबित किया है, 6 अफसरों को सेवा से बर्खास्त किया है और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है।

उन्होंने ने कहा कि आमजन का सबसे पहला और सीधा संपर्क नगर निकाय के कर्मचारियों से ही होता है। ये सफाई, पेयजल, सड़क से लेकर सीवर, पार्कों का रखरखाव, अग्निशमन व जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं के माध्यम से जनता के जीवन को आसान और सुरक्षित बनाते हैं। तेजी से बढ़ ते शहरीकरण के इस दौर में आने वाले वर्षों में नगर निकायों की भूमिका और भी अधिक निर्णायक, व्यापक और महत्वपूर्ण होने जा रही है।

इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी तथा नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने भी महाधिवेशन को संबोधित किया।

इस अवसर पर स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन तथा राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष भागचंद श्रीमाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुणे जहरीली शराब प्रकरण में 9 पुलिसकर्मी निलंबित

मुंबई, 30 मई। महाराष्ट्र के पुणे जहरीली देशी शराब मामले में अब तक 9 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और 13 राज्य आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों सहित कुल 22 सरकारी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।

इस घटना में अब तक 19 लोगों की मौत होने की बात सामने आ रही है। हालांकि प्रशासन ने 8 लोगों के मौत की पुष्टि की है। इस मामले की गहन छानबीन राज्य क्राइम इंवेस्टिगेशन डिपार्टमेंट की टीम कर रही है।

ज्ञातव्य है कि पुणे के हड़पसर और पिंपरी चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी इलाके में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई है। राज्य आबकारी विभाग इस मामले में गहन छानबीन कर रहा है और कर्मचारियों को चुस्त दुरुस्त रहने का निर्देश दिया है।

पुणे जहरीली देशी शराब कांड के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में कठोर कार्रवाई करने का आदेश पुणे जिला पुलिस अधीक्षक को दिया था। इसी वजह से इन सभी को जिम्मेदार मानते हुए निलंबन की कार्रवाई की गई है।

ट्रंप के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ताजमहल के पूर्वी गेट पर पहुंचकर पैदल ताजमहल परिसर में प्रवेश किया।

ट्रंप की पुत्री और उनके पति विश्व प्रसिद्ध धरोहर ताजमहल की खूबसूरती को देखकर गदगद दिखे। इस खूबसूरती को उन्होंने कैमरे में भी कैद किया। डायना बेंच पर बैठकर दोनों ने फोटो खिंचवाए। वे लगभग 35 मिनट वहां रहीं।

दिल्ली से केरल तक आंधी-बारिश का हाई अलर्ट

नौतपा के बीच देश के मौसम ने करवट ली, दक्षिण पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ा

नई दिल्ली, 30 मई। देशभर में नौतपा की भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक बड़ा यू-टर्न ले लिया है। दिल्ली-एनसीआर, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, राजस्थान और केरल समेत कई राज्यों में तेज आंधी, बारिश और गरज-चमक ने लोगों को गर्मी से राहत दी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक देश के कई हिस्सों में तेज हवाएं, ओलावृष्टि और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, कुछ राज्यों में अभी भी हीटवेव का असर बना हुआ है। दक्षिण-पश्चिम मानसून भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है।

■ **मौसम विभाग ने ओडिशा, मध्यप्रदेश, राजस्थान व उत्तराखंड में आंधी-तूफान के साथ ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है।**

मौसम विभाग के अनुसार, बिहार, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक तेज आंधी और बारिश की संभावना है। कई इलाकों में 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। बिहार में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश दर्ज की गई है। वहीं ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में ओलावृष्टि का भी अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को पेड़ों, कमजोर इमारतों और खुले स्थानों से दूर रहने की सलाह दी है।

केरल में मानसून से पहले भारी बारिश ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। तिरुवनंतपुरम समेत कई इलाकों में जलभराव और पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने सभी विभागों को मानसून की तैयारियां जल्द पूरी करने के निर्देश दिए हैं। राहत शिविरों, दवाओं, बिजली और साफ-सफाई की व्यवस्थाएं मजबूत करने को कहा गया है। मौसम विभाग ने केरल के कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, पुदुचेरी, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी तेज बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून 30 मई को अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। अगले चार से पांच दिनों में मानसून केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी गतिविधियों के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम बदलता रहेगा। इससे उत्तर भारत को कुछ दिन गर्मी से राहत मिल सकती है।

हाई कोर्ट ने 18 साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व स्वीकृति का तथ्य प्रमाणित नहीं होता है तो केवल बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ आरोप प्रमाणित नहीं मान सकते। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ आरोप साबित नहीं कर पाया है। राशि की बरामदगी संदेहपूर्ण है, क्योंकि आरोपी के पास परिवादी का कोई काम बाकी नहीं था। वहीं आरोपी पुलिसकर्मी का नियोजक एसपी टोंक था, लेकिन उसने अभियोजन स्वीकृति ही नहीं दी थी।

मामले से जुडे अधिवक्ता राजेश गोस्वामी ने बताया कि परिवादी प्रभु लाल ने 28 जुलाई 2008 को एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी कि पारिवारिक झगडे के मामले में उसका पक्ष लेने के लिए आरोपी पुलिसकर्मी ने उनसे 5000 रुपए रिश्वत मांगी है। उसने 4000 रुपए पर सहमति बनने पर दो हजार रुपए दे दिए हैं और बाकी दो हजार रुपए और देने हैं, लेकिन वह आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई चाहता है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने एक अगस्त 2008 को ट्रेप कार्रवाई कर आरोपी के घर पर उसकी पेन्ट की जेब से 1800 रुपए बरामद किए, लेकिन एसीबी रिश्वत की डिमांड व स्वीकृति साबित नहीं कर पाई।

प. बंगाल के निजी अस्पतालों में 15 प्रतिशत बिस्तर गरीबों के लिए आरक्षित होंगे

कोलकाता, 30 मई। पश्चिम बंगाल सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के उद्देश्य से राज्य के सभी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में कम से कम 15 प्रतिशत बिस्तर जरूरतमंद मरीजों के लिए आरक्षित रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा शनिवार को सॉल्ट लेक स्थित बिधाननगर उपमंडलीय अस्पताल में किशोरियों के लिए निःशुल्क मानव पैपिलोमा विषाणु (एचपीवी) टीकाकरण कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में आरक्षित किए जाने वाले ये बिस्तर गरीब मरीजों के निःशुल्क उपचार तथा उन परिस्थितियों में उपयोग किए जाएंगे, जब सरकारी अस्पतालों में बिस्तर उपलब्ध नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

■ **मुख्यमंत्री ने आरक्षित बिस्तरों पर गरीबों को निःशुल्क इलाज देने की घोषणा की।**

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत 527 करोड़ रू. प्राप्त हुए हैं, जबकि आयुष्मान भारत योजना के लिए अतिरिक्त 976 करोड़ रू. आवंटित किए गए हैं। इस योजना के तहत राज्य के लगभग 1.36 करोड़ परिवारों को कैश लैश उपचार की सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के लाभार्थी देशभर के सभी एम्स और अन्य सूचीबद्ध अस्पतालों में उपचार प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, दूसरे राज्यों में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों को भी इस योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा, ताकि उन्हें कार्यस्थल पर भी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए संचालित स्वास्थ्य इकाइयों का नाम बदलकर आयुष्मान मंदिर रखने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ दवाओं की लागत कम करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि खुले बाजार में 1000 रुपये तक की दवाएं जन औषधि केन्द्रों पर लगभग 100 रुपये में उपलब्ध हो सकती हैं।

म्यांमार के राष्ट्रपति दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली, 30 मई। म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग शनिवार को बोधगया से नई दिल्ली पहुंचे। राजधानी पहुंचने पर केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति की भारत यात्रा 30 मई से 3 जून तक चलेगी और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी एक्स पर राष्ट्रपति के आगमन का स्वागत करते हुए कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और सशक्त बनाने का अवसर उपलब्ध कराएगी। इससे पहले शनिवार को राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने महाबोधि मंदिर में दर्शन और प्रार्थना की। राष्ट्रपति के साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख उद्योगपतियों का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।

ले. जनरल राजा सुब्रमणि आज सीडीएस का पद संभालेंगे

नई दिल्ली, 30 मई। निवर्तमान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान सीडीएस पद से विदा हो गए। करीब तीन साल आठ महीने तक देश के सर्वोच्च सैन्य पद पर रहने के दौरान उन्होंने तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया।

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि रविवार को भारत के अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पदभार संभालेंगे। त्रि-सेवा गार्ड ऑफ ऑनर मिलने के बाद जनरल चौहान ने संवाददाताओं से कहा, मेरा कार्यकाल बहुत संतोषजनक और शानदार रहा।

■ **तीन साल आठ माह सर्वोच्च पद पर रहने के बाद जनरल चौहान का कार्यकाल पूरा हुआ।**

पूर्व पूर्वी सेना कमांडर जनरल चौहान ने सितंबर 2022 में देश के वरिष्ठतम सैन्य कमांडर के रूप में पदभार संभाला था। यह नियुक्ति पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत की तमिलनाडु में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु के नौ महीने से अधिक समय बाद हुई थी।

सीडीएस के रूप में जनरल चौहान ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर की योजना और उसके क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने कार्यकाल में उन्होंने बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए तीनों सेनाओं के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया, ताकि भारत की सैन्य क्षमता को और मजबूत किया जा सके।

उन्होंने कहा, मैंने आज अंतिम बार वर्दी में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। यह उन सैनिकों को विनम्र श्रद्धांजलि थी जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्योछावर किए।

जनरल चौहान का कार्यकाल पिछले वर्ष 30 सितंबर को समाप्त होना था, लेकिन उन्हें सेवा विस्तार दिया गया था। वे मई 2021 में लेफ्टिनेंट जनरल के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। हालांकि, देश के दूसरे सीडीएस का पद संभालने के बाद उन्हें चार सितारा जनरल का दर्जा मिला।

अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कमान, स्टाफ और अन्य जिम्मेदारियां संभालीं। जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत में आतंकवाद-रोधी अभियानों का भी उन्हें व्यापक अनुभव रहा है। वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र रहे हैं। मेजर जनरल के पद पर उन्होंने उत्तरी कमान के महत्वपूर्ण बारामूला सेक्टर में एक इन्फैंट्री डिवीजन की कमान संभाली थी। बाद में उन्होंने पूर्वोत्तर में एक कोर का नेतृत्व किया और फिर पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बने। भारतीय सेना के लिए उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जनरल चौहान को परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, सेना पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

दिल्ली में 9 संदिग्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी हुई हैं। अधिकारियों ने इस अभियान को एक संभावित आतंकवादी साजिश को विफल करने की दिशा में बड़ी सफलता बताया है। संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जबकि खुफिया एजेंसियां नेटवर्क के दायरे और उसके कथित सीमा-पार संबंधों का आकलन करने में लगी हुई हैं। मामले की आगे जांच जारी है और पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ तथा बरामद सामग्री के विश्लेषण के बाद अधिक जानकारी साझा किये जाने की उम्मीद है।

डीके शिवकुमार 3 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपस्थित सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से शिवकुमार के नाम पर अपनी सहमति जताई।

विधायक दल की बैठक में कांग्रेस के सभी विधायक, मंत्री और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। नेताओं ने डी.के. शिवकुमार के चयन का स्वागत करते हुए इसे पार्टी की एकजुटता का प्रतीक बताया। बैठक के बाद कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल राजभवन पहुंचा और राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार गठन का दावा पेश किया।

हमले के खिलाफ हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक जाऊंगा

अभिषेक बनर्जी ने सोनारपुर हमले के बाद कहा कि उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई

कोलकाता, 30 मई। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में मृत तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के परिवार से मिलने पहुंचे अभिषेक बनर्जी को शनिवार को विरोध प्रदर्शन और कथित हमले का सामना करना पड़ा। घटना के बाद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन पर ईंट-पत्थर फेंके गए और स्थिति इतनी गंभीर थी कि उनकी जान को खतरा हो सकता था। उन्होंने मामले को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की घोषणा की।

मृतक तृणमूल कार्यकर्ता संजू के परिवार से मुलाकात के बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उन पर हमला किया गया और उनके साथ मौजूद महिला सहयोगियों के साथ भी कथित रूप से दुर्व्यवहार हुआ। उन्होंने दावा किया कि उनकी आंखों की पहले कई सर्जरी हो चुकी हैं और ऐसे में उन पर ईंट-पत्थर फेंके जाना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि घटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कोई भूमिका नहीं है तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही।

■ **घटना की जानकारी मिलने पर तृणमूल के वरिष्ठ नेता शोभन देव चटोपाध्याय व चंद्रिमा भट्टाचार्य ममता बनर्जी के निर्देश पर सोनारपुर पहुंचे व हालात का जायजा लिया।**

अभिषेक ने आरोप लगाया कि कुछ लोग उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कार्यक्रम जारी रखा। उन्होंने यह भी कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ लोग घर का दरवाजा तोड़ने का प्रयास कर रहे थे और मौके पर पर्याप्त पुलिस बल मौजूद नहीं था। उनके अनुसार, स्थानीय पुलिस अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद अतिरिक्त सुरक्षा बल पहुंचने में देरी हुई।

इस घटना को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। बेलियाघाटा से तृणमूल विधायक कुणाल घोष ने इसे गंभीर सुरक्षा चूक बताते हुए कहा कि इतने लंबे समय तक हंगामा होना प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है। दूसरी ओर, घटना की जानकारी मिलने के बाद राज्य के पूर्व मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय और चन्द्रिमा भट्टाचार्य सोनारपुर पहुंचे।

दिल्ली के साकेत में 5 मंजिली इमारत गिरी

नई दिल्ली, 30 मई। दिल्ली से एक भीषण दुर्घटना की खबर सामने आई है। साकेत इलाके में पांच मंजिला इमारत गिर गई है, जिसके मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। घटना का पता चलते ही मौके पर रेस्क्यू टीम पहुंच गई है और मलबे को हटाने के काम में लग गई है।मौके पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार, पूरी पांच मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई और कुछ ही क्षणों में मलबे के बड़े ढेर में तब्दील हो गई।

शनिवार की शाम 07:44 बजे दमकल विभाग को घटना की सूचना मिली थी। जानकारी के मुताबिक इमारत के अंदर और आसपास कई लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन फिलहाल किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। बचाव दल फिलहाल घटनास्थल पर सक्रिय हैं। अब तक मलबे से चार से पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इन घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इमारत के भूतल पर एक कोचिंग संस्थान संचालित होता था, जबकि ऊपरी मंजिलों पर निर्माण कार्य चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि मलबे में फंसे लोगों में छात्र भी शामिल हो सकते हैं। फिलहाल यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि हादसे के समय अंदर कितने लोग मौजूद थे।

ट्रंप का 22 स्पेशलिस्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्तरीय बैठकें, सार्वजनिक कार्यक्रम और नियमित शारीरिक गतिविधियां शामिल हैं, उनके समग्र स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में सहायक बनी हुई है।

ट्रंप को एक बार फिर मॉन्ट्रियल कॉग्निटिव असेसमेंट परीक्षण दिया गया, जिसका उपयोग डिमेंशिया और संज्ञानात्मक विकारों की जांच के लिए किया जाता है। चिकित्सकों के अनुसार उन्होंने 30 में से 30 अंक प्राप्त किए, जो पिछले वर्ष और 2018 में दर्ज परिणामों के समान हैं।

दवाओं की सहायता से उनके कोलेस्ट्रॉल स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उनका टोटल कोलेस्ट्रॉल 143 दर्ज किया गया, जो 2018 में 223 था। पिछले अप्रैल में यह 140 तक पहुंच गया था। ट्रंप खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) को बढ़ाने के लिए रोसुवास्टैटिन लेते हैं। इसके अतिरिक्त कम करने के लिए वे एज़ेटिमाइब भी लेते हैं।

यह परीक्षण, जिसे ट्रंप ने छह माह का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण बताया, उनके दूसरे कार्यकाल में वापसी के बाद सार्वजनिक रूप से घोषित चौथा चिकित्सा परीक्षण था। यह ऐसे समय में हुआ है जब वे मध्यावधि चुनावों से पहले अपनी मजबूती और सक्रियता की छवि प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं।

पूर्व प्रशासन भी राष्ट्रपति के स्वास्थ्य परीक्षणों के चुनिंदा परिणाम सार्वजनिक करते रहे हैं, जिससे जनता को राष्ट्राध्यक्ष के स्वास्थ्य की एक झलक मिलती रही है।

हालांकि, ऐसा कोई कानून नहीं है, जो राष्ट्रपतियों को अपने संपूर्ण स्वास्थ्य रिकॉर्ड सार्वजनिक करने के लिए बाध्य करे, और पारदर्शिता का स्तर अलग-अलग प्रशासन में भिन्न रहा है। ट्रंप की पूर्व चिकित्सा रिपोर्टों की आलोचना भी हुई है, क्योंकि उनमें सीमित जानकारी दी गई थी और कुछ चिकित्सा विशेषज्ञों ने उनमें प्रस्तुत आंकड़ों पर संदेह व्यक्त किया था।

रिपब्लिकन नेता ट्रंप अगले महीने 80 वर्ष के हो जाएंगे। वे अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति चुने जाने वाले सबसे अधिक आयु के व्यक्ति हैं। उनके तत्काल पूर्ववर्ती, डेमोक्रेटिक नेता राष्ट्रपति, जो बाइडेन, पद छोड़ते समय 82 वर्ष के थे। इन व्यापक चिंताओं के कारण, कि वे इस पद के लिए अधिक आयु के हो चुके हैं, उन्होंने 2024 की राष्ट्रपति चुनावी दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया था।

ट्रंप ने अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता को लेकर उठने वाली सार्वजनिक चिंताओं का लगातार जवाब देने की कोशिश की है। वे अक्सर हाथों पर दिखाई देने वाले निशानों को मेकअप से ढके रखते हैं, सार्वजनिक रूप से नजर आते हैं, और कई तस्वीरों में उनके पैरों, टखनों और पिंडलियों में सूजन भी देखी गई है।

हाल के दिनों में ट्रंप ने कई बार कहा है कि वे स्वयं को बहुत अच्छा महसूस करते हैं, हालांकि वे फास्ट फूड के प्रति अपने लगाव और गोल्फ खेलने के अलावा बहुत कम व्यायाम करने को लेकर मजाक भी करते रहे हैं। हालिया सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्होंने कहा कि वे खुद को वैसा ही स्वस्थ महसूस करते हैं, जैसा जितना 50 वर्ष पहले करते थे।

पंजाब शहरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीटें जीतीं। कांग्रेस को 18, शिरोमणि अकाली दल को 10, भाजपा को 4 तथा अन्य दलों को 3 सीटें मिलीं। नगर पंचायतों में भी आप का दबदबा रहा। पार्टी ने 20 में से 11 नगर पंचायतों पर कब्जा किया, जबकि कांग्रेस को 5, शिरोमणि अकाली दल को 2, भाजपा को 1 और अन्य को 1 नगर पंचायत में जीत मिली। समग्र तस्वीर से संकेत मिलता है कि आप पंजाब के शहरी क्षेत्रों में अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है और उसका संगठनात्मक ढांचा जमीनी स्तर पर सक्रिय बना हुआ है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्थानीय निकाय चुनाव अक्सर बूथ स्तर पर दलों की वास्तविक ताकत को दर्शाते हैं, जिसे विधानसभा चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

ईओ-आरओ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह बना रखा है। इस गिरोह ने परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र हासिल किया और अभ्यर्थियों को नकल कराई।

अभिषेक बनर्जी को घर से बाहर निकलते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अभिषेक या उनकी "पिशी" (बुआ) ममता बनर्जी ने आर.जी. कर हत्याकांड की पीड़िता की मां से बात करने की भी ज़रूरत क्यों नहीं समझी।

घर के अंदर अभिषेक ने अपनी बेबसी जताते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा के लिए वहां कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं है। जब तृणमूल सत्ता में थी, तब विपक्षी विधायकों को भी कहीं सुरक्षा मुहैया नहीं कराई जाती थी।

एक बार जब कुछ घायल भाजपा विधायकों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया था, तब तृणमूल कांग्रेस ने कथित रूप से फोन कर निर्देश दिया था कि उन्हें कोई चिकित्सीय सहायता न दी जाए।

तथापि, बाद में बड़ी संख्या में राज्य पुलिस वहां पहुंची और प्रदर्शनकारी भीड़ के बीच से अभिषेक को बाहर निकालकर ले गई। पहले वे आमतौर पर लगभग दो सौ पुलिसकर्मियों और लगभग 30 गाड़ियों के काफिले के साथ चलते थे।

अब आम लोग खुलकर विरोध कर रहे हैं। सोनारपुर क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों के आरोपों और नाराज़गी में कोई कमी नहीं आई। प्रदर्शनकारी इतने गुस्से में थे कि वे लहरों की तरह आगे बढ़कर उन्हें चारों ओर से घेरने की कोशिश कर रहे थे। एक बार तो उन्हें ईंटों से बचाने के लिए हेलमेट भी दिया गया।

अभिषेक गांव गए थे और विरोध का सामना होने पर उन्होंने एक तृणमूल समर्थक की मोटरसाइकिल पर बैठकर निकलने की कोशिश की। लेकिन उन्हें बीच रास्ते में मोटरसाइकिल छोड़नी पड़ी और अपने निजी सुरक्षाकर्मियों तथा किराए के बाउंसरों के सुरक्षा घेरे में पैदल चलना पड़ा।

उन पर लगातार सड़े हुए अंडे फेंके गए। कुछ लोगों ने तृणमूल के इस नेता पर चप्पलें और जूते भी फेंके। एक समय ऐसा भी आया, जब उन्हें कॉलर से पकड़ लिया गया और वे पूरी तरह भीड़ की दया पर निर्भर दिखाई दिए।

उनके खिलाफ लोगों का गुस्सा अब बेकाबू होता जा रहा है, इसकी वजह चुनाव से ठीक पहले चुनावी मंच से दी गई उनकी वे धमकियाँ हैं, जिनमें उन्होंने कहा था कि जो लोग तृणमूल कांग्रेस का विरोध करेंगे, उनके लिए विद्युत शवदाह गृह बनवाए जाएंगे। उन्होंने कहा था कि चुनाव परिणाम आने के बाद कई लोगों को दिल का दौरा पड़ेगा, इसलिए उनके डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र में उन लोगों के अंतिम संस्कार के लिए "ठीक-ठाक" व्यवस्था होनी चाहिए।

उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी आमंत्रित किया था कि वे चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद पश्चिम बंगाल आएं। 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान अभिषेक बनर्जी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में विपक्ष की चुनावी सभाओं को आयोजित होने से रोकने के कई प्रयास किए थे।

उनके इन भाषणों के टीवी वीडियो क्लिप अब तेजी से वायरल हो रहे हैं और लोग उन्हें बार-बार देख रहे हैं।

अभिषेक को उम्मीद थी कि 2026 के चुनाव परिणाम भी पहले जैसे ही होंगे और उन्होंने विपक्ष के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की तैयारी कर रखी थी। बाद में डायमंड हार्बर तृणमूल कांग्रेस के दफ्तर में बड़ी संख्या में "धोतियाँ" मिलीं, जिन्हें आम तौर पर पति की मृत्यु के बाद विधवाएं पहनती हैं।

लोग, खासकर महिलाएं और स्थानीय निवासी, अभिषेक के स्थानीय गुण्डों द्वारा दी गई उन धमकियों को आज भी नहीं भूले हैं, जिनमें उन्होंने महिलाओं को यह कहकर डराया था कि वे उनके पतियों की हत्या कर देंगे और उन्हें विधवा बना देंगे।

मुस्लिम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संख्या 30 करोड़ से अधिक है। हर वर्ष लगभग 4 करोड़ मवेशियों (ज्यादातर भैंसों) को काटे जाने की रिपोर्ट है। अधिकांश राज्यों में गौ-हत्या पर विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लागू हैं।

गौ-हत्या का मुद्दा लंबे समय से संवेदनशील और राजनीतिक रूप से विवादास्पद बना हुआ है। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, 20 राज्यों में गाय से जुड़े लगभग 100 मॉब लिंचिंग के मामले दर्ज किए गए, जिनमें मई 2015 से दिसंबर 2018 के बीच 44 लोगों की मौत हुई। मृतकों में 36 मुसलमान बताए गए हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908